{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 28 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 156
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	82,248.61
निफ्टी	-	25,496.55
सोना	-	1,61,020
चांदी	-	2,85,000
डॉलर	-	91.05

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

केजरीवाल और सिसोदिया हुए रिहा

सीएम मान और आप के नेताओं ने फैसले को सत्य की जीत बताया

चंडीगढ़ । दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित सभी आरोपियों को बरी किया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती देने की बात कही है। केजरीवाल ने कोर्ट के फैसले को सत्य की जीत बताया है.

उन्होंने पोस्ट कर लिखा है.......आखिर में अधर्म और अन्याय हारता है, सच ही जीतता है। वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भी शराब घोटाले में कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सीएम मान ने कहा है कि आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दिल्ली की माननीय अदालत ने शराब घोटाले में बरी किया है।

सीएम मान ने पोस्ट में कहा है कि माननीय अदालत के फैसले ने सच्चाई को सभी के सामने ला दिया है।

सरकार के फैसले से लोगों की प्राइवेसी खत्म हो जाएगी मैसेजिंग ऐप से चैट को ट्रेस करना लोगों की निजता के अधिकार का उल्लंघन होगा।

वॉट्सऐप यूजर का डेटा फेसबुक से शेयर करना चाहता है। वहीं, फेक न्यूज पर रोक लगाने के लिए जरूरी गाइडलाइंस लागू न करने के लिए कोशिश करता है।

वॉट्सऐप की दलील

आईटी मिनिस्ट्री का जवाब

समय के साथ बाकी सभी मामलों की सच्चाई भी सामने आएगी। आम आदमी पार्टी के पंजाब अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने कहा कि कोर्ट के फैसले ने यह एक्सपोज किया है कि किस तरह से बीजेपी और केंद्र सरकार ने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा है कि कोर्ट ने सभी आरोप खारिज कर दिए हैं। आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश में ऐसा पहली बार हुआ, जब किसी सीटिंग सीएम को जेल में डाला गया हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को अब माफी मांगनी चाहिए। अमन अरोड़ा ने कहा कि अमित शाह पंजाब आ रहे हैं, लेकिन उनकी राजनीति अब एक्सपोज हो गई है। दिल्ली चुनाव को ध्यान में रखकर बीजेपी ने केजरीवाल के खिलाफ झूठा नैरेटिव गढ़ा। आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस मामले की जांच से जुड़े सीबीआई के अधिकारियों को इंडिया गेट पर फांसी पर लटका देना चाहिए।

चौथे अनुपूरक आरोप पत्र में आया केजरीवाल का नाम...ये रिहाई के लिए बना ठोस वजह

सीबीआई ने कुल 23 आरोपितों के विरुद्ध आरोप पत्र दायर किए थे। इसमें केजरीवाल और सिसोदिया के अलावा के. कविता, कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण रामचंद्र पिल्लई, मूथा गौतम, समीर महेंद्रु, अमनदीप सिंह ढल, अर्जुन पांडे, बुच्चीबाबू गोरंटला, राकेश जोशी, दामोदर प्रसाद शर्मा, प्रिंस कुमार, चनप्रीत सिंह रायट, अरविंद कुमार सिंह, दुर्गेश पाठक, अमित अरोरा, विनोद चौहान, आशीष माथुर और पी सरथ चंद्र रेड्डी के नाम शामिल थे। सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल डीपी सिंह और अधिवक्ता मनु मिश्रा ने पक्ष रखा। सीबीआई ने अदालत में तर्क दिया कि आपराधिक साजिश के अपराध को समग्रता में देखना चाहिए और साक्ष्यों की पर्याप्तता का परीक्षण मुकदमे के दौरान होना चाहिए। सीबीआई का कहना था कि सभी आरोपितों के विरुद्ध आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सामग्री मौजूद है। वहीं केजरीवाल के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को कथित साजिश से जोड़ने वाला कोई ठोस या आपराधिक सामग्री एजेंसी के पास मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि चौथे अनुपूरक आरोप पत्र में केजरीवाल का नाम जोड़ा गया, जो पूर्व आरोपों की पुनरावृत्ति मात्र है। केजरीवाल के वकील हरिहरन ने तर्क दिया कि केजरीवाल अपना आधिकारिक कर्तव्य निभा रहे थे और नीति निर्माण सरकार की सामूहिक प्रक्रिया का हिस्सा था।

खास खबर

एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत आज

अजमेर । भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को राजस्थान के अजमेर पहुंच रहे है। इस दौरान कायड़ विश्रामस्थली में पीएम मोदी की सभा आयोजित होगी। सुरक्षा एजेंसियों के साथ ही 5 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा को ध्यान में रखकर सभा स्थल को अपने कब्जे में ले लिया है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी के अजमेर कार्यक्रम को लेकर रिहर्सल भी की गई। शनिवार को सभा स्थल के आसपास ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को 11 बजे के बीच अजमेर पहुंचने वाले है। यहां हेलीपैड पर भाजपा नेताओं की ओर से उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद पीएम मोदी हेलीपैड पर उतरने के बाद 9 से 14 साल तक की बालिकाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत करने वाले है। यहां 16600 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा। 21000 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दिए जाएंगे।

आज से लगातार पांच दिन बंद रहेंगे बैंक

मुंबई। आज से बैंक होली और वीकेंड में इतने डूब जाएंगे कि वे लगातार पांच दिन बंद रह सकते हैं। होली के मौके पर आरबीआई ने एक बार फिर छुट्टियों का शेड्यूल अनाउंस किया है। शनिवार और रविवार आखिरी होने की वजह से बैंक दो दिन बंद रहेंगे। 2 मार्च को होलिका दहन की वजह से कुछ राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। 3 मार्च को धूलि वंदन और डोल जात्रा की वजह से मुंबई, दिल्ली, कोलकाता जैसे बड़े शहरों में बैंक काम नहीं करेंगे। 4 मार्च को होली का मुख्य त्योहार होने की वजह से देश के ज़्यादातर हिस्सों में बैंक बंद रहेंगे।

भारत में दिखेगा चंद्र ग्रहण का बेहद अद्भुत नजारा

नई दिल्ली। भारत में चंद्र ग्रहण का बेहद अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। 3 मार्च को लगने वाला साल 2026 का यह पहला चंद्र ग्रहण है, लेकिन इस खगोलीय घटना का होलिका दहन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। होली 2 मार्च, सोमवार को मनाई जाएगी। 3 मार्च को होने वाला यह ग्रहण खगोलविदों और आकाश प्रेमियों के लिए एक रोमांचक मौका होगा। चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई देगा, हालांकि इसका दृश्य चरण केवल अंतिम 20 मिनट तक सीमित रहेगा। भारत में जब चंद्रोदय होगा, तब तक ग्रहण अपने समापन की ओर बढ़ चुका होगा। फिर भी देश भर के खगोलप्रेमी इस ब्लड मून को कैमरे और डीएसएलआर में कैद कर सकेंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी की छाया दोपहर में ही चंद्रमा को ढकना शुरू कर देगी, लेकिन भारत में यह प्रभाव शाम के समय नज़र आएगा।

कुछ ना कहना

राज्यसभा चुनाव

टीएमसी ने बाबुल सुप्रियो–राजीव कुमार समेत चार चेहरों पर लगाया दांव, ममता का 'प्लान बंगाल'

कोलकाता। आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी, जिसमें पार्टी ने मंत्री से लेकर पूर्व आइपीएस, कानून और कला जगत की जानी–मानी हस्तियों को शामिल कर एक संतुलित समीकरण बनाने का प्रयास किया है।

पार्टी ने राज्यसभा के लिए बाबुल सुप्रियो, बंगाल के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार, प्रसिद्ध वकील मेनका गुरुस्वामी और बांग्ला फिल्म जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री कोयल मल्लिक को अपना उम्मीदवार बनाया है।

बाबुल सुप्रियो पर दांव

बाबुल सुप्रियो एक अनुभवी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं, जो वर्तमान में बंगाल सरकार में मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके साथ ही पूर्व डीजीपी राजीव कुमार का नाम एक बड़ा राजनीतिक संकेत माना जा रहा है, जिन्होंने राज्य पुलिस बल के शीर्ष पद पर लंबे समय तक सेवा दी है।

वहीं, कानूनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाने वाली मेनका गुरुस्वामी सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील हैं और वे अपने संवैधानिक अधिकारों की वकालत के लिए राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हैं। इस सूची में बांग्ला सिनेमा की प्रमुख अभिनेत्री कोयल मल्लिक का नाम शामिल कर पार्टी ने कला और जनसंपर्क के क्षेत्र से भी एक मजबूत चेहरा उतारा है। तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि ये चारों उम्मीदवार पार्टी की उस वैचारिक विरासत को आगे ले जाने में सक्षम हैं, जो आम लोगों के अधिकारों और भारतीय गरिमा के संरक्षण पर केंद्रित है।

इस चयन को आगामी संसद सत्र में बंगाल की आवाज को और अधिक मुखरता से उठाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी आलाकमान ने इन सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई है कि वे संसद के उच्च सदन में जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से रखेंगे।

मैंने कभी यह नहीं कहा कि मैं बीमार हूं, स्वास्थ्य को लेकर कभी लापरवाही नहीं बरती

चुरू। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पिछले साल जुलाई में दिए गए अपने अचानक इस्तीफे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने गुरुवार को राजस्थान के चूरू में एक जनसभा को संबोधित करते साफ किया कि उनका इस्तीफा खराब स्वास्थ्य की वजह से नहीं था, बल्कि उन्होंने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए यह कदम उठाया था। धनखड़ ने कहा कि कहते हैं पहला सुख निरोगी काया। मैंने स्वास्थ्य के प्रति कभी लापरवाही नहीं बरती। मैंने जब कहा कि मैं पद त्याग रहा हूं, तो मैंने कभी यह नहीं कहा कि मैं बीमार हूं। मैंने कहा कि मैं स्वास्थ्य को अहमियत दे रहा हूं और देनी भी चाहिए। बता दें 21 जुलाई 2025 को राष्ट्रपति को सौंपे गए अपने त्यागपत्र में धनखड़ ने लिखा था कि वह स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। पिछले साल अगस्त में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धनखड़ के अचानक इस्तीफे और उसके बाद उनकी चुप्पी पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। राहुल गांधी ने कहा था कि धनखड़ ने इस्तीफा क्यों दिया, इसके पीछे एक बड़ी कहानी है। आप में से कुछ लोग इसे जानते होंगे, कुछ नहीं। भारत के उपराष्ट्रपति ऐसी स्थिति में क्यों हैं कि वह एक शब्द नहीं कह सकते... और उन्हें छिपना पड़ रहा है... अचानक वह व्यक्ति जो राज्यसभा में खूब गरजता था, वह पूरी तरह से शांत हो गया।

धनखड़ के इस चूरू दौरे की मेजबानी पूर्व कांग्रेस सांसद राम सिंह कस्वां और ओलंपियन व पूर्व कांग्रेस विधायक कृष्णा पूनिया ने की। बता दें राम सिंह कस्वां चूरू के मौजूदा कांग्रेस सांसद राहुल कस्वां के पिता हैं। अपने दौरे का कारण बताते हुए धनखड़ ने कहा कि वह राम सिंह कस्वां के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थे और यही फिक्र उन्हें चूरू खींच लाई।

अमेरिका-ईरान तनाव

भारत समेत कई देशों की अपने नागरिकों को चेतावनी, मिडिल ईस्ट में बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच कई देशों ने अपने नागरिकों और दूतावास कर्मचारियों के परिवारों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समझौता नहीं हो पाया है। ऐसे में संभावित सैन्य टकराव की आशंका को देखते हुए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। डोनल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली अमेरिकी सरकार ने मिडिल ईस्ट पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। वहीं ओमान, जो इस बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है, ने कहा है कि बातचीत में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन समझौता अभी नहीं हुआ है। ओमान के विदेश मंत्री बदर अलबुसैदी शुक्रवार को वॉशिंगटन में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अन्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच अगले हफ्ते वियना में फिर से बातचीत होगी।

ब्रिटेन और अमेरिका की एडवाइजरी

यूनाइटेड किंगडम ने सुरक्षा खतरे को देखते हुए ईरान से अपने दूतावास कर्मचारियों को अस्थायी रूप से वापस बुला लिया है। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने कहा है कि तेहरान में दूतावास सीमित तरीके से काम कर रहा है और आम नागरिकों को सीधे मदद देना फिलहाल संभव नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका के यरुशलम स्थित दूतावास ने गैर–जरूरी सरकारी अधिकारियों और उनके परिवारों को इजरायल छोड़ने की अनुमति दे दी है। यह कदम सुरक्षा कारणों से उठाया गया है।

चीन और जर्मनी की चेतावनी

चीन ने इजरायल में रह रहे अपने नागरिकों से सुरक्षा इंतजाम कड़े करने और आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है। साथ ही चीन ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने और वहां मौजूद लोगों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है। जर्मनी के दूतावास ने चेतावनी दी है कि ईरान की सुरक्षा स्थिति बेहद अस्थिर है और कभी भी सैन्य झड़प हो सकती है। साथ ही हवाई क्षेत्र बंद होने या उड़ानों पर रोक लगने की भी आशंका जताई गई है।

भारत और अन्य देशों की सलाह

भारत के तेहरान स्थित दूतावास ने भारतीय नागरिकों को उपलब्ध किसी भी साधन से ईरान छोड़ने की सलाह दी है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने अपने नागरिकों से तुरंत ईरान छोड़ने और वहां की यात्रा से पूरी तरह बचने को कहा है। उन्होंने कहा कि संघर्ष की संभावना बहुत वास्तविक है और बाद में निकासी संभव नहीं हो सकती। स्वीडन की विदेश मंत्री मारिया माल्मर स्टेनरगार्ड ने भी अपने नागरिकों से तुरंत देश छोड़ने की अपील की है।

एनसीपी प्रमुख शरद पवार की तबीयत बिगड़ी, ब्रीच केंडी अस्पताल में भर्ती

-डिहाइड्रेशन की शिकायत के बाद पुणे से मुंबई लाया गया

मुंबई,। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के अध्यक्ष शरद पवार की तबीयत को लेकर चिंता बढ़ गई है। 85 वर्षीय वरिष्ठ नेता को मुंबई के प्रतिष्ठित ब्रीच कैंडी अस्पताल में गहन चिकित्सा देखभाल के लिए भर्ती कराया गया है। उनके एक करीबी सहयोगी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

बताया गया है कि पवार को रविवार को शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) से जुड़ी समस्या के कारण पुणे स्थित आरएच क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद बुधवार सुबह उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद स्वास्थ्य कारणों से उन्हें मुंबई लाया गया और सीधे ब्रीच कैंडी अस्पताल में एडमिट किया गया। सूत्रों के अनुसार, मुंबई पहुंचते ही डॉक्टरों की टीम ने उनकी जांच की और एहतियातन उन्हें आईसीयू में निगरानी में रखा गया है। अस्पताल प्रशासन ने अभी तक कोई आधिकारिक मेडिकल बुलेटिन जारी नहीं किया है, लेकिन पार्टी नेताओं का कहना है कि उनकी स्थिति स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उपचार चल रहा है।

शरद पवार महाराष्ट्र और राष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख चेहरों में गिने जाते हैं। उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता का माहौल है। कई नेताओं ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

ईडी के घर कुर्क करने के बाद अब सीबीआई ने अनिल अंबानी पर किया नया केस दर्ज

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। ईडी ने मुंबई स्थित उनके घर 'एबोड' को कुर्क किए जाने के बाद अब सीबीआई ने भी उनके खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया है। यह मामला बैंक आफ बड़ोदा से जुड़े 2,220 करोड़ रुपए से ज्यादा के लोन अनियमितता से जुड़ा है। सीबीआई ने यह कार्रवाई बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत के आधार पर की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोप है कि 2013 से 2017 के बीच रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) द्वारा लिए गए कर्ज का इस्तेमाल स्वीकृत उद्देश्यों से अलग किया गया, जिससे बैंक को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने अंबानी के आवास और कंपनी के रजिस्टर्ड कार्यालयों पर तलाशी अभियान चलाया, जहां से कई अहम दस्तावेज जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। शिकायत के मुताबिक आरकॉम और उससे जुड़ी कंपनियों ने बैंकों व वित्तीय संस्थानों से कुल 31,580 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। आरोप है कि इस राशि का एक हिस्सा अन्य बैंकों के कर्ज चुकाने, संबंधित पक्षों को भुगतान करने और अस्थायी निवेश में लगाया गया। फोरेंसिक ऑडिट में कथित रूप से फंड के अनधिकृत इस्तेमाल के संकेत मिले हैं। बैंक का दावा है कि लोन शर्तों का उल्लंघन करते हुए राशि को व्यवस्थित तरीके से डायवर्ट किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक खाते को 5 जून 2017 को एनपीए घोषित किया गया था। बाद में इसे धोखाधड़ी की श्रेणी में डालने की प्रक्रिया शुरू की गई, जिस पर बाम्बे हाईकोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी थी। 23 फरवरी को यह रोक हटने के बाद बैंक ने सीबीआई में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब ईडी एक अलग मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी अंबानी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक उनसे कई घंटों तक पूछताछ की गई और आगे भी उन्हें जांच में शामिल होने के लिए बुलाया जा सकता है।

केरल के प्रसिद्ध अट्टुकल भगवती मंदिर में है पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित

नई दिल्ली। अनेक परंपराओं और विशिष्टता के कारण मंदिर भारतीय संस्कृति की विविधता और आध्यात्मिक गहराई को और अधिक रोचक बनाते हैं। इन परंपराओं का आधार न तो सामाजिक विवाद है और न ही किसी प्रकार का भेदभाव, बल्कि ये सभी रीति–रिवाज देवी–उपासना, प्रतीकात्मकता और आध्यात्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं।

केरल का प्रसिद्ध अट्टुकल भगवती मंदिर, जिसे अक्सर महिलाओं का सबरीमाला भी कहा जाता है, इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है। यहां हर साल आयोजित होने वाले अट्टुकल पोंगल उत्सव में लाखों महिलाएं देवी की आराधना करने के लिए एकत्र होती हैं। इस दौरान पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित रहता है, क्योंकि यह अनुष्ठान देवी के उग्र, रक्षात्मक और स्त्री शक्ति के सामूहिक रूप का प्रतीक माना जाता है। इसी तरह केरल का चक्कुलाथुकावु मंदिर अपनी अनोखी नारी पूजा के लिए जाना जाता है, जहां महिलाओं को देवी का स्वरूप मानकर पूजा की जाती है और मंच पर स्त्री ऊर्जा ही प्रमुख रहती है। राजस्थान के पुष्कर में स्थित ब्रह्मा मंदिर में भी कुछ विशेष पूजा स्थलों पर विवाहित पुरुषों का प्रवेश वर्जित है। यह परंपरा पौराणिक घटनाओं से जुड़ी है और सदियों से चली आ रही आस्था के कारण आज भी निभाई जाती है। वहीं असम का मां कामाख्या मंदिर स्त्री–शक्ति और प्रजनन क्षमता के प्रतीक के रूप में पूरे विश्व में अद्वितीय माना जाता है। अंबुबाची मेले के दौरान मंदिर तीन दिनों के लिए बंद रहता है, जिसे देवी के मासिक धर्म का संकेत माना जाता है और इस दौरान पुरुषों के प्रवेश पर भी रोक रहती है।

कोलकाता में हिली धरती, लोग घर और आफिस से बाहर भागे

कोलकाता। कोलकाता में भूकंप के झटके लगे। यह भूकंप दोपहर 1:22 मिनट पर आया। इसकी तीव्रता काफी ज्यादा बताई जा रही है। शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया है कि रिएक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.9 मापी गई। एक कार्यक्रम में केंद्रीय मेंत्री सुकांत मजूमदार मंच पर थे। तभी भूकंप का उन्हें झटका लगा। वह स्तब्ध रह गए। भूकंप के झटके भारत समेत बांग्लादेश में भी महसूस किए गए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को कोलकाता और आस–पास के इलाकों में 5.0 मैग्नीट्यूड के भूकंप के झटके लगे। भूकंप का सेंटर बांग्लादेश में खुलना से 26 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में था। रिएक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.9 बताई गई है। भारत और बांग्लादेश की सीमा पर भूकंप के झटकों का काफी ज्यादा तीव्रता से महसूस किया गया। दिन में आए भूकंप से लोग दहशत में आ गए। कोलकाता में ऊंची बिल्डिंग से लोग बाहर निकल आए। घरों में दीवारों और छत से टंगी चीजें हिलने लगीं। ऑफिसों में इस वक्त पर ज्यादा लोग लंच की तैयारी में थे। तभी भूकंप के झटकों ने उन्हें डरा दिया। लोग नीचे और खुली जगह की तरफ भागे। बता दें पिछले दो महीने में यह तीसरी बार है कि कोलकाता में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। एक कांग्रेस नेता ने वीडियो साझा करके लिखा कि कोलकाता में 1 मिनट तक चले भूकंप के बाद लोग अपने घरों और ऑफिस से बाहर आ गए। यह इतना लंबा था कि सभी में लोगों में घबराहट है। कई सालों में कोलकाता में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप था। निश्चित रूप से रिक्टर स्केल पर 6+ जैसा महसूस हुआ, हालांकि बाद में रिएक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.9 ही आंकी गई।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की तत्काल गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की अग्रिम जमानत याचिका के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला सामने आया है। हाई कोर्ट ने उनकी तत्काल गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। करीब एक घंटे तक चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा। दरअसल, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने पॉक्सो मामले में अग्रिम जमानत के लिए हाई कोर्ट का रुख किया था।

जस्टिस जेके सिन्हा ने की सुनवाई

मामले की सुनवाई हाईकोर्ट जस्टिस जेके सिन्हा की पीठ ने चैंबर सुनवाई की। हाई कोर्ट में सुनवाई के क्रम में अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से आशुतोष ब्रह्मचारी की क्रिमिनल हिस्ट्री का बताया। इस दौरान हाई कोर्ट की ओर से पुलिस से सवाल हुआ कि पीड़ित बच्चे कहां हैं? इस पर पुलिस की ओर से कोर्ट को जानकारी दी गई।

हालांकि, आशुतोष ब्रह्मचारी पहले ही मामले में कह चुके हैं कि एक नाबालिग बटुक अब बालिग हो चुका है। इस मामले में सामने आ रहा है कि राज्य सरकार की ओर से अविमुक्तेश्वरानंद को अग्रिम जमानत का विरोध किया। अपर महाधिवक्ता की ओर से मामले में पक्ष रखा गया। सरकार की ओर से याचिका में पोषनीयता पर सवाल उठाया गया।

पॉक्सो एक्ट में दर्ज केस में गिरफ्तारी से बचने के लिए अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी दायर की गई। हाई कोर्ट की ओर से इस पर शुक्रवार को सुनवाई का निर्णय हुआ। दरअसल, आशुतोष ब्रहमचारी की अर्जी पर स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट के आदेश के क्रम में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ पिछले रविवार झूंसी थाने में पॉस्को एक्ट और बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इस मामले अविमुक्तेश्वरानंद पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। इससे बचने के लिए उनकी ओर से अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल की गई।

शनिवार 28 फरवरी को सु. 10 से 1.30 बजे तक
केयर हॉस्पिटल नागपुर के डाक्टर्स सिवनी में उपलब्ध
डॉ. नेहा अल्का भार्गव स्त्री रोग विशेषज्ञ
(स्त्री केंसर रोग विशेषज्ञ)
डॉ. विपुल सेता हृदय रोग विशेषज्ञ
साईराम हॉस्पीटल दलसागर के पास, भैरोगंज, सिवनी
मो. 7385534168, 9975847048

नक्सलवाद खात्मे के बहाने उद्योगपतियों को जंगल देना चाहती है सरकार - दिग्विजय सिंह

पदमेश न्यूज, बालाघाट ।

आज सोनगुड्डा में दिग्विजय सिंह काफ़ी हमलावर थे. उन्होंने इस दौरान कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा योजना का नाम बदलकर जी राम की। इस पर विपक्ष को एतराज है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा बाचाओ अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजयसिंह बालाघाट दौरे पर पहुंचे और नक्सल प्रभावित ग्राम सोनगुड्डा में ग्रामीणों से मुलाकात कर बैठक की। दिग्विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस मनरेगा को कमजोर नहीं होने देगी। आज नक्सलवाद खत्म करने के पीछे सरकार की मंशा जंगलों को उद्योगपतियों को सौंपने की है।

मज़दूरों के काम का अधिकार खत्म

इस अवसर पर राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि पहले पंचायतों में काम की मांग करने पर 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध कराना अनिवार्य था, लेकिन नई व्यवस्था में यह अधिकार समाप्त होने का खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि मजदूरी कम होने की आशंका है और पंचायतों की भूमिका घटाकर काम ठेकेदारों को दिए जाने की तैयारी की जा रही हैए जिससे ग्रामीण रोजगार पर असर पड़ेगा।

मजदूरों को काम देने में हो रही कटौती

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह का सीधा आरोप है कि पहले मनरेगा का पूरा भुगतान केंद्र सरकार करती थी लेकिन अब इसका आर्थिक बोझ राज्यों पर भी डाला जाएगा। मप्र सरकार की हालत क्या है सबको पता है। इससे राज्य सरकारें खर्च कम करने के लिए मजदूरों को काम देने में कटौती कर सकती हैं। उन्होने कहा कि मनरेगा केवल रोजगार योजना नहीं बल्कि ग्रामीण गरीबों का अधिकार है। जिसे कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है।

अब भी आदिवासियों की समस्या खत्म नहीं हुई

सोनगुड्डा में आयोजित बैठक के दौरान दिग्विजय सिंह ने आदिवासी मुद्दों को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए वे आदिवासियों के साथ आखिरी सांस तक संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमितशाह के उस बयान पर सवाल उठाया जिसमें मध्यप्रदेश में नक्सलवाद समाप्त होने का दावा किया गया था। दिग्विजय सिंह ने कहा कि यदि नक्सलवाद खत्म हो गया है लेकिन आदिवासियों की समस्याएं कब खत्म होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नक्सलवाद खत्म करने के पीछे सरकार की मंशा जंगलों को उद्योगपतियों को सौंपने की है ताकि खनिज संसाधनों का दोहन किया जा सके।

सोनगुड्डा में पंचायत कांग्रेस कमेटी का गठन, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने किया संबोधित

इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की असली ताकत गांव, किसान, मजदूर, मातृशक्ति और युवा हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मजदूरों को समय पर काम नहीं मिल रहा है। मनरेगा के जगह पर लाए गए नए बिल मजदूरों के हित नहीं हो रहे हैं।

पंचायत कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों की विधिवत घोषणा की गई।

उन्होंने कहा कि जब तक पंचायत स्तर पर संगठन मजबूत नहीं होगा। तब तक आमजन की आवाज प्रभावी रूप से नहीं उठाई जा सकती। इसी उद्देश्य से पंचायत कांग्रेस कमेटियों का गठन किया जा रहा है, ताकि हर गांव में कांग्रेस की सक्रिय इकाई काम करे और जनसमस्याओं को सीधे मंच तक पहुंचाए। उक्ताशय की बात राज्यसभा सांसद म.प्र. के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने सोनगुड्डा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने ग्राम पंचायत सोनगुड्डा के पंचायत कांग्रेस कमेटी के गठित नवीन पदाधिकारियों से रूबरू होकर आज से ही कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने और सक्रिय होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने मनरेगा बचाओ अभियान को गरीबों और मजदूरों की लड़ाई बताते हुए कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की नीतियों में नहीं है। मंच पर एक जॉब कार्डधारी श्री सैयाम ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को अपना जॉब कॉर्ड दिखाते हुए कहा कि उन्हें ढाई सालों में एक भी दिन काम नहीं मिला। श्री सिंह ने अपने उद्बोधन में भाजपा सरकार की मजदूरों के हितों के विपरीत किए जा रहे कार्यों को बारी-बारी से बताया गया। श्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट एवं लगातार तीन बार के क्षेत्रीय विधायक संजय उइके ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जन-जंगल और जमीन के खिलाफ काम कर रही है। ग्राम सभा को कमजोर करने का काम कर रही है। ग्राम सभा के अनुमति के बिना माइनिंग काम कराने को उतारू है। मनरेगा के मूलस्वरूप को समाप्त करके महात्मा गांधी जी के ग्राम स्वराज के सपने को खत्म करना चाह रही है। आज के कार्यक्रम के दौरान पूर्व विस्तार, सदस्यता अभियान, बूथ स्तर तक सक्रियता और जनहित मुद्दों पर आंदोलन की जिम्मेदारी सौंपी गई। उल्लेखनीय है कि बैहर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सोनगुड्डा में आज आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह पंचायत कांग्रेस कमेटी के गठन एवं मनरेगा बचाओ अभियान के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उनके आगमन पर जिलाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट एवं विधायक विधान सभा बैहर संजय उइके के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने पारंपरिक स्वागत करते हुए जोरदार नारेबाजी की। पूरा क्षेत्र कांग्रेसमय नजर आया। बैगा नृत्य के माध्यम से उनका स्वागत किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ जिलाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट एवं क्षेत्रीय विधायक संजय उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह जनपद पंचायत बिरसा हेमंत साहू, जनपद सदस्य धरमसिंह मरकाम, प्रमिला अनिल वल्के, मनोता उईके, सरपंच अडोरी परसराम धुर्वे, सरपंच धुनधुनवार्धा बर्सती पुशाम, सरपंच सोनगुड्डा कमल सिंह धुर्वे, सरपंच मंडई परमानंद पंद्रे, द्रोपकिशोर मेरावी, तातु सेठ, हिरासन उईके, कुंती धुर्वे, अनूपसिंह बैस, ब्लॉक अध्यक्ष बिरसा नीलकंठ राहंगडाले, सुरेश पांजरे, शिव ग्वाल, मंडलम अध्यक्ष डाबरी चैनसिंह पुशाम, सुशीला, माखनलाल पंवार, दिनेश धुर्वे, उदल मरकाम, तरुण, उदल पांजरे, ईश्वर, बलदेव, लखन, हलधर मरकाम सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता, महिला कांग्रेस कांग्रेस प्रतिनिधि, पंचायत जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अंत में सभी ने एकजुट होकर पंचायत स्तर पर कांग्रेस को मजबूत करने और मनरेगा की रक्षा के लिए व्यापक जनआंदोलन चलाने का संकल्प लिया।

पटवारियों के हल्के में किया गया परिवर्तन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से राजस्व अनुविभाग बालाघाट के अंतर्गत बालाघाट तहसील के पटवारियों के हल्के में परिवर्तन किया है। जिसके अनुसार हल्का नं.61 गोंगलई एवं 62 नवेगांव के पटवारी नलिन बिसेन को हल्का नं. 54 कुम्हारी, हल्का नं. 54 कुम्हारी की पटवारी श्रीमती पूजा मार्को को हल्का नं. 76 परासपानी, हल्का नं. 76 परासपानी के पटवारी आदित्य बिसेन को हल्का नं. 61 गोंगलई व 62 नवेगांव, हल्का नं. 37 मानेगांव के पटवारी देवेंद्र चतुर्वेदी को हल्का नं. 65 देवरी एवं हल्का नं.65 देवरी के पटवारी पंकज बिसेन को हल्का नं. 37 मानेगांव में पदस्थ किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0036/ड-154/2025-26
मौजा बरबसपुर, रा.नि.मं. कनकी

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक भीमलाल पिता फग्गीलाल जाति गोंड, निवासी ग्राम बरबसपुर, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बरबसपुर, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी पत्नि अंजनी पति भीमलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 12.05.2015 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बरबसपुर के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 02.03.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 17.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 28.02.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0034/ड-154/2025-26
मौजा बरबसपुर, रा.नि.मं. कनकी

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक भीमलाल पिता फग्गीलाल जाति गोंड, निवासी ग्राम बरबसपुर, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बरबसपुर, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता फग्गीलाल पिता हीरालाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 13.08.2013 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बरबसपुर के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 02.03.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 17.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 28.02.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0035/ड-154/2025-26
मौजा बरबसपुर, रा.नि.मं. कनकी

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राधेलाल वाडिवे पिता सुरपत वाडिवे जाति गोंड, निवासी ग्राम बरबसपुर, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बरबसपुर, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादा नागो पिता सुकल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 10.08.2000 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बरबसपुर के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 02.03.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 17.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 28.02.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

होली पर्व आपसी भाईचारा, प्रेम,शांति और सौहार्द के साथ मनाएं

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। पुलिस थाना किरनापुर मे शुक्रवार की शाम 6 बजे से शांति समिति की बैठक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आकाश अग्रवाल की अध्यक्षता एवं थाना प्रभारी माधव शर्मा अनुराग सिंह भदौरिया सहायक उपनिरीक्षक,जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह, जिला पंचायत सदस्य चेतना अजय कुरहि,उपाध्यक्ष भुवन भाऊ राहंगडाले, महाविधालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष राम कुमार राणा,जनपद सभापति योगराज भास्कर,जनपद सदस्य मनीष भीमटे, जनपद सदस्य मुकेश चौहान, शांति समिति

अध्यक्ष कमलेश कनोजे, पत्रकार राकेश बोरकर, पत्रकार रवि अजीत सहित क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच साथियों एवं गणमान्य नागरिकों की प्रमुख मौजूदगी में आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान कही कही पर 2 तथा कही पर 3 मार्च को होलिका दहन एवं उसके अगले दिन रंग गुलाल का उत्सव मनाए जाने की जानकारी दी गई। इस दौरान थाना प्रभारी किरनापुर माधव शर्मा ने कहा कि होली के साथ साथ पवित्र रमजान पर्व के रोजे चल रहे हैं। होली तथा रमजान पर्व को आपसी भाईचारा,प्रेम ,शांति और सौहार्द के साथ मनाए जाने का आव्हान किया। वही खुले मे शराब पीने पर प्रतिबंध, शराब पीकर मोटर साईकिल चलाने पर दुर्घटनाएं होने तथा जान जोखमि मे पड़ जाने की बात कही गई बिना हेलमेट पहने मोटर साईकिल चलाने पर प्रतिबंध तथा सोशल मीडिया पर बच्चा चोरी की अफ़वाह की बिना पुष्टि किए ना फैलाये जाने की बात कही। इसके अलावा बस एसोसिएशन जिला अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान ने बताया कि 2 मार्च को म. प्र. मे बस एसोसिएशन द्वारा यात्री बसों की अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने के विषय की जानकारी से अवगत कराया गया।एसडीएम आकाश अग्रवाल ने होलिका दहन करने पर ध्यान दें कि ऊपर बिजली के तार ना हो। वही वर्तमान समय में परीक्षा का दौर चल रहा हैं तो ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग कम आवाज मे किए जाने चाहिए कि बात कही गई। जिला पंचायत सदस्य चेतना अजय कुरहि द्वारा ग्राम लवेरी मे अवैध रूप से शराब बेचे जाने का मामला सामने लाया तथा गांव में अवैध रूप से शराब बिक्री पर अकुंश लगाएं जाने की बात कही। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के शांति समिति के सदस्यों, गणमान्य नागरिकों एवं पुलिस विभाग के कर्मचारियों की मौजूदगी रही।

गलत नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना हो गया गुनाह-योगेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले दिनों चाईना में बने रोबोटिक सामान को अपना बताकर एआई सम्मिट में उसे भारत में बना दिखाया गया था, जिसका विरोध युवा कांग्रेस द्वारा किया था। जहां युवा कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन पर आपत्ति जताते हुए, सरकार ने ,युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब सहित अन्य की तत्काल गिरफ्तारी की थी। इस मामले पर अपना एतराज जताते हुए युवक कांग्रेस द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में प्रदर्शन किया जा रहा है। जो अभी जारी है। जहां युवा कांग्रेस ने इस मामले में की गई ताबड़तोड़ कार्यवाही को सच्चाई की आवाज दबाने की कोशिश करना बताया है तो वही उन्होंने इस गिरफ्तारी पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए इसी तत्परता से पुलवामा की जांच ना कराने पर आपत्ति जाहिर करते हुए सरकार का निशाना भी साधा है इसी मामले को लेकर शुक्रवार की शाम नगर के सर्किट हाउस में युवा कांग्रेस की एक पत्रकारवार्ता का आयोजन किया। आयोजित इस पत्रकार वार्ता में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता योगेश साहू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब की गिरफ्तारी पर नाराजगी जाहिर की। जिंसमे उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ अब आवाज उठाना, देश मे गुनाह सा हो गया है और यह गुनाह वे आगे भी करते रहेंगे।

इसी तत्परता से क्यों नहीं की गई पुलवामा घटना की जांच

आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता योगेश साहू ने बताया कि चाईना से बने सामान को अपना बताकर सम्मिट में उसे भारत में बना दिखाया जा रहा था, जिसका विरोध युवक कांग्रेस ने किया। लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने वाले युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आर्तिकयों की तरह ढूंढ-ढूंढकर गिरफ्तार किया जा रहा है उन्होंने बताया कि जिस तत्परता के साथ युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है, उस तत्परता के साथ पुलवामा आतंकी हमले में आरडीएक्स कहां से आया ?, इसका 7 साल बीत जाने पर भी सरकार पता नहीं कर सकी, लेकिन सरकार ने 10 मिनट में विरोध करने वाले युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता कहां के थे, यह पता कर लिया। सरकार की इस गलत नीति के खिलाफ युवा कांग्रेस आगे प्रदर्शन करते रहेंगी और अपने इस प्रदर्शन में सोशल मीडिया में एक्टिविस्ट रहने वाले युवाओं को भी जोड़ेगी।

अमेरिका के आगे नतमस्तक हो गई मोदी सरकार,

उन्होंने आगे बताया कि मोदी सरकार, अमेरिका के आगे नतमस्तक हो गई है, देश के लोगों का सरा डेटा अमेरिका के सामने रख दिया है। 56 इंच का सीना बताने वाले देश के प्रधानमंत्री, महिलाओं के संसद में घेराव से डरकर, सांसद आना छो ? देते है। जो साफ प्रदर्शित करता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्ष के सवालों और राष्ट्रीय अध्यक्ष से घबराए हुए है। युवा कांग्रेस, राष्ट्रीय अध्यक्ष और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर की जा रही कार्यवाही का विरोध करता है।

युवाओ को लीगल सपोर्ट प्रदान किया जाएगा

उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के निर्देश पर पूरे देश में युवाओं को राजनीति से जो ?ने के लिए संविधान लीडरशीप चलाई जा रही है, जिसके माध्यम से सरकार की नीतियों के खिलाफ, युवा आवाज उठाकर, इस अभियान से जु? सकते है, युवा कांग्रेस, ना केवल ऐसे युवाओं को राजनीति से जो ?ा जाएगा बल्कि उन्हें युवा कांग्रेस लीगल सपोर्ट भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने इस मामले में सोशल मीडिया पर एक्टिवटीज रहने वाले युवाओं को इस अभियान से जोड़कर सरकार का पुरजोर विरोध करने की बात कही है।

बैहर में राष्ट्रीय स्मारक, स्वतंत्रता जय स्तंभ की सुरक्षा व सौंदर्यीकरण की मांग तेज

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर के राष्ट्रीय स्मारक स्वतंत्रता जय स्तंभ की सुरक्षा, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को लेकर नागरिकों ने सामूहिक पहल की है। गणमान्य नागरिकों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अर्पित गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर स्मारक परिसर को अतिक्रमणमुक्त करने और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित फुटपाथ की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि स्मारक के आसपास अवैध रूप से दुकानें लगाए जाने से न केवल इसकी गरिमा प्रभावित हो रही है, बल्कि दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। नागरिकों ने यह भी उल्लेख किया कि लगभग 20 वर्ष पूर्व एक ट्रक का ब्रेक फेल होने की घटना इसी क्षेत्र में हुई थी। सौभाग्यवश उस समय आसपास भीड़ नहीं थी। अन्यथा बड़ी जनहानि हो सकती थी। वर्तमान में भी स्मारक के दोनों ओर

अस्थायी दुकानों का लगना जारी है।जिस पर रोक लगाना अत्यंत आवश्यक बताया गया है।

इसके अतिरिक्त, उप डाकघर से रानी दुर्गावती चौक होते हुए भाटिया पेट्रोल पंप तक मुख्य मार्ग के दोनों ओर फुटपाथ निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। नागरिकों का कहना है कि सड़क किनारे व्यापारियों द्वारा सामान फैलाए जाने और दो-चार पहिया वाहनों की लंबी कतारों के कारण पैदल चलने वालों—विशेषकर दिव्यांगजन और बुजुर्गों—को जान जोखिम में डालकर सड़क पर चलना पड़ता है। बैहर में व्यवस्थित यातायात प्रबंधन के अभाव में स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में अशोक मसीह, साजन दास बोरकर, संदीप अवधिया, राजेश मिश्रा, छत्तर सिंह टेकाम, मधु आग्रेकर, बैराग सिंह टेकाम, चैतराम धानेश्वर सहित अनेक नागरिक शामिल हैं।

नागरिकों ने प्रशासन से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए राष्ट्रीय स्मारक की गरिमा बनाए रखने, अवैध अतिक्रमण हटाने तथा सुरक्षित एवं सुविधाजनक फुटपाथ निर्माण की दिशा में शीघ्र और सख्त कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि संभावित दुर्घटनाओं पर विराम लगे और नगरवासियों को राहत मिल सके।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आईसेक्ट लिमिटेड एन.एच.-12 आईसेक्ट कैम्पस मिसरोद भोपाल म.प्र. ने श्री गौरव मिश्रा पिता श्री कौशल किशोर मिश्रा को ग्राम-मोहगांव तहसील- बिरसा जिला-बालाघाट में कियोस्क क्रमांक 32811369 संचालित करने के लिए अधिकृत किया था। अपरिहार्य कारणों से उक्त अनुमति निरस्त कर दी गई है। यदि उपरोक्त कियोस्क से किसी व्यक्ति को कोई लेन-देन संबंधी शिकायत है तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन से 15 दिवश के भीतर इस कार्यालय को सूचित करें। आईसेक्ट लिमिटेड एन.एच.-12 आईसेक्ट कैम्पस मिसरोद भोपाल (म.प्र.) पिन 462047, फोन न. 0755-2434639,640 ई-मेल aisectfi.audit@aisect.org.

उक्त समयावधि बीत जाने के बाद कोई भी आपत्ति/शिकायत मान्य नही होगी।

शिकायत के लिए नजदीकी भारतिय स्टेट बैंक शाखा मोहगांव में शाखा प्रबंधक श्री संजु मर्सकोले मों .न. 9407565606 एवं आईसेक्ट के प्रतिनिधि से संपर्क मों.न. 9826439286 करें।

आशुतोष मटैरिया चीफ मैनेजर एफ.आई.मानिटरिंग
आईसेक्ट लिमिटेड प्रधान कार्यालय भोपाल म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

महिला से शराबी पति ने की मारपीट और दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सेवती में एक शराबी व्यक्ति ने अपनी पत्नी को हाथ भूसे से मारपीट कर दिया और घर से बाहर जाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। पुलिस ने इस मामले में उमा चरण मुसरे के विरुद्ध मामला कायम कर लिया है। जानकारी के अनुसार अनीता मुसरे 31 वर्ष सिलाई के अलावा घरेलू काम करती है। जिसके परिवार में पति उमाचरण, ससुर सूरज मुसरे और एक तीन माह की बेटी है।बताया गया है की उमाचरण शराब पीने का आदी है और शराब पीकर घर में झगड़ा विवाद करते रहता है। 26 फरवरी के शाम उमाचरण शराब पीकर घर आया और अपनी पत्नी अनीता को सब्जी बनाने की बात को लेकर अश्लील गालियां देने लगा था। तब अनीता अपने ससुर और छोटी बच्ची को लेकर अपने बड़े ससुर के घर चली गई थी। किंतु रात्रि 8ः00 बजे अनीता चादर के लिए घर वापस आई तभी पति उमा चरण ने उसे यहां क्यों लिए कहकर अश्लील गालियां देने लगा और बाल पकड़ कर हाथ भूसे से मारपीट कर दिया और घर से बाहर जाने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। मारपीट में अनीता के हाथ सर चेहरे में चोटे आई थी। रात होने से अनीता रिपोर्ट करने नहीं पहुंची।27 फरवरी को डायल 112 से अनीता रिपोर्ट करने किरनापुर थाना पहुंची। किरनापुर पुलिस ने अनीता का इलाज करवाने के बाद उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति उमाचरण पिता सुरजलाल मुसरे 33 वर्ष के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

ईओडब्ल्यू के शिकंजे में करोड़ों के धान घोटाले के आरोपी

मार्कफेड,नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों और राइस मिल संचालक पर एफआईआर दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ईओडब्ल्यू भोपाल द्वारा शासकीय धान की हेराफेरी के आरोप में बड़ी कार्यवाही करते हुए मार्कफेड, नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों के साथ ही राइस मिल संचालक पर एफआईआर दर्ज की है।

ऐसे हुआ था सरकारी धान घोटाला

ट्रक के ओवरलोडिंग का चालान होने पर हुआ था खुलासा

विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ में मिलिंद ठाकरे निवासी बालाघाट द्वारा शिकायत की गयी थी, कि विपणन संघ एवं नागरिक आपूर्ति निगम बालाघाट के संबधित अधिकारी के विरुद्ध शासन के साथ शासकीय धान की कस्टम मिलिंग के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की गई है। शिकायत की जांच में सामने आया की 2 अप्रैल 2024 को सचदेव राईस मिल कोसमी बालाघाट से अवैध रूप से शासकीय धान महराष्ट्र ले जाते हुये 2 ट्रकको परिवहन विभाग के अंतरराज्यीय इंटिग्रेटेड चैक पोस्टए रजेगांव में चैक किये गये। इंटिग्रेटेड चैक पोस्ट पर एक ट्रक ओवर लोडिंग पायें जानें पर 12 हजार का चालान किया गया। सूचना मिलने पर पर मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) बालाघाट के अभिषेक निषाद,उप प्रबन्धक(वित्त)द्वारा मौके पर अपने कर्मचारियों के साथ जांच की गई जिसमें ट्रकों को सचदेव राईस मिल कोसमी का होना एवं ट्रको में शासकीय धान को परसवाड़ा कैप से भरकर राईस मिल कोसमी लाने का गेटपास पाया गया।

राईस मिल संचालक ने दी गलत जानकारी

सचदेव राईस मिल के संचालक द्वारा मार्कफेड के अधिकारी से गलब बयानी करते हुए कहा गया ट्रक कोसमी स्थित उसकी राईसमिल को जा रहे थे, लेकिन ड्रायवर को नींद में होने के कारण रजेगांव (महाराष्ट्र) बार्डर पर पंहुच गये। मार्कफेड के जांचकर्ता अधिकारी द्वारा इस पर उससे मिलीभगत कर उसके दोनो ट्रकों पर प्रति ट्रक 25 हजार रुपये का जुर्माना कर मामला रफादफा कर दिया गया। मार्कफेड से मिले दस्तावेजों में इन दोनो ट्रकों का परसवाड़ा कैप से धान का लोड किया जाना नही पाया गया। जबकि इसी अधिकारी द्वारा पूर्व में विराज राईस मिल गर्रा के इसी प्रकार के प्रकरण में प्रथम सूचना रिपोर्ट कराई गयी थी।

ऐसे होता रहा भ्रष्टाचार

जॉच में सामने आया की सचदेव राईसमिल के प्रोप्राईटर प्रकाश सचदेव और संचालक समीर सचदेव ने मार्कफेड बालाघाट के हिरेन्द्र सिंह रघुवंशी, जिला विपणन अधिकारी के द्वारा धान की कस्टम मिलिंग

का अनुबंध करते समय 4 मैट्रिक टन प्रति घण्टा क्षमता होते हुये 6 मैट्रिक टन प्रति घण्टा की ज्यादा दर्शायी गई। हिरेन्द्र सिंह रघुवंशी ने अनुबंध के समय ना मिल क्षमता का सत्यापन किया ना ही निरीक्षण किया। मिल की स्थापित क्षमता के विरुद्ध अधिक लाट प्रदाय करने की संभावना को बढ़ानें की मंशा से अनुबंध किया गया।

इसी तरह जुलाई 2024 से पदस्थ जिला विपणन अधिकारी विवेक तिवारी ने षडयंत्र एवं अनियमितता करते हुये मिल की 4 मैट्रिक टन प्रति घण्टा क्षमता होते हुये 6 मैट्रिक टन प्रति घण्टा की क्षमता ज्यादा दर्शाकर 36 लॉट धान का अनुबंध इसी मिल मालिक से किया।

मिलिंग पर अपेक्षित बिजली खपत न होर्ते हुयें भी ट्रक पर्ची गेट पास, तौल पर्ची, फास्ट टैग के बगैर तत्कालीन जिला प्रबन्धक पीयूष माली म0प्र0 स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन बालाघाट,लेखापाल दुर्गेष बैस म0प्र0 स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन बालाघाट द्वारा मात्र स्वीकृति पत्रक के आधार पर बिना प्रमाण पत्र प्राप्त किये। इसका भुगतान जिला विपणन संघ के खाते में किया गया। उक्त भुगतान को जिला विपणन अधिकारी हिरेन्द्र सिंह रघुवंशी तथा विवेक तिवारी व उप प्रबन्धक वित्त श्री हरीश कोरी द्वारा देयकों में निर्धारित कटौती, अन्य प्रचलित कर, पेनाल्टी आदि की वसूली के बिना ही भुगतान समस्त दस्तावेजों के ट्रक पर्ची, गेट पास, तौल पर्ची, फास्टटैग को बिना सत्यापन भुगतान अनुशंसा कर भुगतान प्रो. सचदेव राईस मिल श्री प्रकाश सचदेव व संचालक समीर सचदेव निवासी कोसमी को राशि भुगतान की गई है।

राईस मिल को पिता ने बेटे को 100 रुपये के स्टांप पर दे दी किराये पर

छानबीन में खुलासा हुआ की सचदेव राईस मिल कोसमी के मालिक प्रकाश सचदेव ने अपने बेटे समीर सचदेव को 100 रुपये के स्टाम्प पर किरायानामा बनाकर अपने मिल को सचदेव राईस मिल एण्ड सारटेक्स को किराये पर देने का अनुबंध कर रखा था। यहा एक ही बिजली कनेक्शन से 2 राईस मिल चलायी जा रही थी। पूरी जांच में खुलासा हुआ की आरोपियो ने योजनापूर्वक हेराफेरी कर सरकार को करोड़ो की आर्थिक क्षति पंहुचाई है।

इनके खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

आरोपियो में अभिषेक निषाद,तत्कालीन उप प्रबन्धक (वित्त) मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित बालाघाट, हिरेन्द्र सिंह रघुवंशी तत्कालीन जिला विपणन अधिकारी मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित बालाघाट, विवेक तिवारी वर्तमान जिला विपणन अधिकारी मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित बालाघाट, हरीश कौरी उप प्रबन्धक(वित्त) मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित बालाघाट, पीयूष माली तत्कालीन जिला प्रबन्धक एमपी स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन बालाघाट, दुर्गेश बैस लेखापाल (वित्त) एमपी स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन बालाघाट, प्रकाश सचदेव प्रोप्राइटर सचदेव राईस मिल कोसमी जिला बालाघाट निवासी बालाघाट और समीर सचदेव संचालक सचदेव राईस मिल कोसमी जिला-बालाघाट के नाम शामिल है।

अस्मिता खेलो इंडिया पेंचक सिलाट मेजर लीग में जिले के खिलाड़ियों ने दिखाया जलवा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एकलव्य मार्शल आर्ट एवं फिटनेस अकैडमी पदाधिकारियो ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दिनांक 24 से 26 फरवरी तक दमन और दीव में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया पेंचक सिलाट लीग 2026 (वेस्ट जोन) में भाग लेकर बालाघाट की टीम 27 फरवरी 2026 की प्रातः अपने गृह नगर वापस लौट आई।यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता मिनिस्ट्री ऑफ युथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स, भारत सरकार के तत्वावधान में तथा स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित की गई थी।प्रतियोगिता में लगभग 600 खिलाड़ियों ने सहभागिता की जिसमे मध्यप्रदेश से बालाघाट ,देवास ,इंदौर , मंदसौर ,सिवनी ,जबलपुर , रायसेन ,भोपाल ,राजगढ़ आदि से 81 खिलाड़ियों, रेफरी एवं ऑफिसियल ने प्रतियोगिता में भाग लिया।जहा बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व आर्या रहांगडाले, अर्पिता लिल्हारे, चित्रांशी मरकाम, चाया नरवास एवं संगीता मराठा ने किया। सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया।बताया गया कि इस वेस्ट ज़ोन लीग में छत्तीसगढ़, गोवा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, लक्षद्वीप तथा दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव के खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

मध्यप्रदेश के 81 खिलाड़ियों ने उत्कृस्ट प्रदर्शन करते हुए 13 स्वर्ण , 5 रजत, 10 कस्य पदक सहित कुल 28 पदक हॉल किए है।प्रतियोगिता में बालाघाट जिले की चित्रांशी मरकाम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अर्जित किया। साथ ही, मध्य प्रदेश ने सब-जूनियर वर्ग में ओवरऑल चैंपियन और सीनियर वर्ग में तीसरा स्थान बनाकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

इस प्रतियोगिता में प्रवीण नन्हेट ने रेफरी ऑफिसियल की भूमिका निभाई, जिन्हे मोमेंटो देकर सम्मानित किए गया।इस प्रतियोगिता की विशेष बात यह रही कि यह पूर्णतः निःशुल्क आयोजित की गई, जिससे अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों की खेल में सहभागिता सुनिश्चित हो सके और उन्हें राष्ट्रीय स्तर का मंच प्राप्त हो।

वेस्ट ज़ोन स्तर पर पदक विजेताओं को दिए गए नगद पुरस्कार

आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक के साथ 8,000 रु, रजत पदक के साथ 6,000रु, कांस्य पदक के साथ 4,000रु, दिए गए।साथ ही बताया गया कि आगामी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विजेता खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक के साथ 10,000 रु, रजत पदक के साथ 8,000रु, व कांस्य पदक के साथ 6,000 रु दिए जाएंगे।बताया गया कि यह पहल महिला खिलाड़ियों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने एवं उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।बालाघाट टीम के कोच प्रवीण नान्हेट के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने अनुशासन एवं समर्पण का परिचय दिया। टीम की इस उपलब्धि पर जिले के खेल प्रेमियों एवं परिजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक, लामता तहसीलदार का वेतन रूका

आरआरसी प्रकरणों में सख्ती से वसूली और कुर्की करने के तहसीलदारों को निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 27 फरवरी को राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्री एमआर कोल, एसडीएम गोपाल सोनी, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव उपस्थित थे। बैठक में कटंगी, वारासिवनी, बैहर, लांजी, परसवाडा के एसडीएम एवं सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि लांजी, बालाघाट, किरनापुर एवं बिरसा तहसील में फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति बहुत कम है और संतोषजनक नही है। कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि फार्मर रजिस्ट्री के काम में तेजी लायी जाए। सभी तहसीलों को फार्मर रजिस्ट्री का जो लक्ष्य दिया गया है उसे हर हाल में पूर्ण किया जाए। फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही किसानों को उर्वरक का वितरण शुरू हो गया है, अतः यह एक महत्वपूर्ण कार्य है जो किसानों से जुडा हुआ है। फार्मर रजिस्ट्री नही होने पर किसान को उर्वरक प्राप्त करने में परेशानी होगी और उसे उर्वरक नही मिल पाएगा। अतः सभी अधिकारी इस बात का

ध्यान रखे कि सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री शीघ्रता से तैयार की जाए।

नक्शा तरमीम की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि जमीन की रजिस्ट्री होने के साथ ही नामांतरण होना चाहिए और उसके साथ ही नक्शा तरमीम का कार्य हो जाना चाहिए। जिले में विभिन्न स्थानों से शिकायत आती है कि एक ही प्लाट की दो बार रजिस्ट्री हो गई है। सभी एसडीएम एवं तहसीलदार इसकी जांच करें कि प्लाट की एक बार रजिस्ट्री होने के बाद कुछ सालों में उसकी फिर से रजिस्ट्री कैसे हो गई। जिले के नगरीय क्षेत्रों से इस तरह की शिकायतें मिल रही है। इनके निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। जमीन की रजिस्ट्री के बाद नामांतरण हो गया है तो उसका नक्शा काट कर दिया जाए और नक्शें को अपडेट किया जाए। कलेक्टर श्री मीना ने जिले में अवैध रूप से कालोनियॉ तैयार करने और उनके प्लाटों की रजिस्ट्री करने पर रोक लगाने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र का नियमित रूप से भ्रमण करें और सुनिश्चित करे कि पटवारी अपनी नियत मुख्यालय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। इसी प्रकार राजस्व निरीक्षकों के कार्यों पर भी कडी निगरानी रखने कहा गया। समीक्षा के दौरान पाया गया कि आरआरसी प्रकरणों में वसूली का लक्ष्य पूरा नही हुआ है, इस पर कलेक्टर श्री मीना ने सभी तहसीलदारों को सख्त निर्देश दिये कि आरआरसी प्रकरणों में सख्ती से वसूली की कार्यवाही की जाए और आवश्यक होने पर कुर्की नीलामी की कार्यवाही करें। प्राकृतिक आपदा से राहत राशि के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि राहत राशि के कोई भी प्रकरण अनावश्यक लंबित न रहें। सडक दुर्घटना में राहत के प्रकरण का त्वरित निराकरण करने कहा गया। समीक्षा के दौरान लामता तहसीलदार के कार्यों की प्रगति संतोषजनक नही पाये जाने पर उनका वेतन रोकने के निर्देश दिये गए।

बैठक में नामांकन, सीमांकन, बटवारा के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि यह सभी प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज होने चाहिए। आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का नियत समय सीमा में अनिवार्य रूप से निराकरण करना है। इसी प्रकार साइबर तहसील के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण होना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी के पास प्रकरण लंबित नही रहना चाहिए।

बैठक में जिले के विभिन्न स्थानों पर बनाये जा रहे तहसील भवनों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे भवनों के कार्य का नियमित रूप से निरीक्षण करें और कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान दे। नये बन रहे भवनों में लॉन, गार्डन, बाउंड्रीवाल आदि के कार्य भी करवा ले। बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि शिकायतकर्ता को समक्ष में बुलाकर उनके प्रकरणों की सुनवाई करें। इससे शिकायतकर्ता की समस्या का समाधान होने के साथ ही वह अपनी शिकायत बंद करने सहमत हो जाता है। कलेक्ट्रेट कार्यालय में समक्ष में की गई सुनवाई में एक माह के भीतर 500 दिनों से अधिक की लंबित 38 शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद कराया गया है।

आप के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित अन्य को क्लीन चिट मिलने पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

फटाके फोड़े बाटी मिठाई ,ढोल नगाड़े की थाप पर थिरके कार्यकर्ता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दिल्ली के कथित शराब घोटाले वाले मामले में, कोर्ट ने, आम आदमी पार्टी को बड़ी राहत देते हुए क्लीन चिट दे दी है।जहां एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया सहित 23 आरोपियों को बरी कर दिया है। इस मामले को लेकर कोर्ट का फैसला आते ही आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली सहित संपूर्ण देश में जश्न मनाया जा रहा है। जहां कार्यकर्ता ढोल नगाड़े की थाप पर थिरक रहे हैं, तो वही पटाखे फोड़ कर मिठाई बताकर जश्न मनाते हुए नजर आ रहे हैं। जिसकी एक झलक शुक्रवार की शाम नगर के काली पुतली चौक में भी देखने को मिली। जहां शाम करीब 6 बजे आम आदमी पार्टी जिला इकाई के पदाधिकारियो और अन्य कार्यकर्ताओं ने अरविंद केजरीवाल सहित अन्य 23 को बा-ईज्जत बरी करने पर इसे सत्य की जीत बताया है।तो वही इस मामले को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना भी साधा है।इस दौरान, आप कार्यकारी अध्यक्ष शिव जायसवाल, जिला सचिव रजनीश नायडू, प्रशांत मेश्राम,शिव शंकर यादव, जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह कारे, ओमप्रकाश जायसवाल सोशल मीडिया प्रभारी अंकित जेतवार मनोज पमनानी जिला कार्यालय प्रभारी अनिल ब्रह्मे, ज्ञानेश राणा राजेश तिलाशे दिलिप वराडे रामचंद्र सिहोर मस्तराम डहारे फिरोज नियाजी भाई, शंकर कंसारे सराठे जी,प्रदीप नागेश्वर संतोष

अहिगारे श्याम शंकर लिलहरें, दिनेश बघेले अरुण लान ?ए रमन शुक्ला प्रीतम लिलहारे रेमन लिलहारे दीपक राहंगडाले, भीमसेन ठाकरे, धरम राज रानगिरे, मनीष बंशकार, दुर्गेश शेंद्र, विवेक बंशकार सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जो जश्न में डूबे हुए नजर आए।

मोदी सरकार की साजिश का हुआ पर्दाफाश- जायसवाल

आम आदमी पार्टी जिला इकाई कार्यकारी अध्यक्ष शिव जायसवाल ने बताया कि मोदी सरकार द्वारा शराब घोटाले का झूठा केश लगाकर हमारे राष्ट्रीय नेताओं को जेल में बंद किया गया था।इस मामले में जेल में उन्हें शारीरीक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया,तानाशाही और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर बेईमानी से दिल्ली की सत्ता से बेदखल कर दिया गया।पर हमें भारतीय न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा था और आज वही हुआ। आज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई द्वारा सबूतों ना दिये जाने की वजह राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपियों को बाइज्जत बरी कर दिया है।इससे यह साबित होता है कि सत्य परेशान हो सकता है पर पराजित नहीं हो सकता। आज मोदी सरकार की साजिश का पर्दाफाश हो चुका है।खुशी के इस मौके पर जिला आम आदमी पार्टी द्वारा काली पुतली चौक स्थित श्री हनुमान मंदिर में मिष्ठान चढ़कर खुशियां मनाई जा रही है।

फिर से सत्य की जीत हुई है- मनोज

जिला कार्यालय प्रभारी मनोज पमनानी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से हमारे राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल सहित अन्य पर बेवजह आरोप लगाकर पार्टी की छवि को खराब करने की कोशिश की जा रही थी, हम इस बात को हमेशा कहते आ रहे थे कि हमारा नेता ईमानदार है और सत्य की जीत होगी। आज हमें अपने आप पर गर्व हो रहा है क्योंकि आज सत्य की जीत हुई है। केजरीवाल कट्टर ईमानदार नेता है यह बात कोर्ट ने भी अपने मुंह से स्वीकार की है। दिल्ली चुनाव के दौरान झूठे आरोप लगाकर हमारे नेताओं को जेल में डाला गया ,पार्टी की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया। लेकिन आज कोर्ट ने इस मामले में सभी को बरी कर दिया है।एक बार फिर से सत्य की जीत हुई है।

शहादत दिवस पर महान क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की शहादत प्रणाम किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शुक्रवार 27 फरवरी को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के स्वतंत्रता सेनानी, एंव महान क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद का शहादत दिवस मनाया।चंद्रशेखर आजाद की 95वीं पुण्यतिथि पर नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें जगह जगह श्रद्धांजलि दी गई। जिसकी एक झलक नगर के हनुमान चौक स्थित चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा के समक्ष देखने को मिली। जहां ब्राह्मण एकता परिषद, भारती जनता युवा मोर्चा सहित विभिन्न संगठनों के लोगों ने अलग-अलग समय पहुंचकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।वही आजाद जी के बताए हुए रास्तों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान ब्राह्मण एकता परिषद द्वारा एक बार फिर से यूजीसी कानून का विरोध करते हुए दोबारा ऐसे कानून न लाने की बात कही, तो वहीं उन्होंने दोबारा ऐसी कोई कानून लाने पर ब्राह्मण समाज द्वारा क्रांति का रास्ता अपनाने की चेतावनी दी गई है।

शहीद आजाद अमर के नारों से गुंजा शमा

नगर के हनुमान चौक परिसर में स्थापित आजाद की प्रतिमाओं पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और युवाओं ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम, देशभक्ति नारों से गूंज उठा। जहां विभिन्न वक्ताओं ने आजाद के जीवन त्याग, साहस और स्वाभिमान सहित बहादुरी का वर्णन कर उनकी जीवनी पर डालते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के सामने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया और अंतिम क्षण तक 卐आजाद卐 रहे। उन्होंने अंग्रेजों के हाथों मरने से अच्छा स्वयं ही अपने आप को गोली मार ली थी। हमें भी उनके बताए हुए मार्ग पर चलना है।

तो हम क्रांति के लिए भी तैयार हैं- हजारी

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ब्राह्मण एकता परिषद जिला अध्यक्ष विकास हजारी ने बताया कि आज शहीद चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि है।वे अंग्रेजों से लोहा लेते हुए शहीद हुए थे, उनकी पुण्यतिथि पर ब्राह्मण एकता परिषद ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है. साथ ही उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया है। इसके माध्यम से हमने यह संदेश भी दिया है कि हम यूजीसी का पहले भी विरोध कर रहे थे और अब भी उस काले कानून के विरोध में है। यदि सरकार ऐसे ही कोई कानून लाती है तो ब्राह्मण समाज क्रांति के लिए भी तैयार है।

5 लाख क्विंटल धान अमानक बताकर रिजेक्ट किया, किसानो का पूरा भुगतान रूका

उपज बेचने के बाद भी राशि की राह ताक रहे अन्नदाता किसान

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

शासन के निर्देशानुसार सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की गई है और खरीदी कार्य संपन्न हुए एक माह से अधिक का समय बीत चुका है। साथ ही खरीदी गई धान का परिवहन भी हो चुका है लेकिन अधिकांश किसानों के खातों में भुगतान की राशि अब तक नही आ पाई है यानि उपज का दाम नही मिल पाया है। जिससे किसान परेशान होकर रोजाना जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं सेवा सहकारी समितियों का चक्कर लगा रहे है। लेकिन वह से भी संतुष्टजनक जवाब नही मिलने से किसान परेशान है। वहीं किसानों ने उपज बेचने के बाद भुगतान खाते में नही आने की शिकायत सीएम हेल्पलाईन सहित विभागीय अधिकारियों को कर चुके है लेकिन उनकी समस्या का समाधान नही हो पाया है जिससे उन्हे खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि उपज बेचने के साथ परिवहन भी हो चुका है परन्तु अब तक सिहोरा, नेवरगांव ला, कंजई, जाम सहित अन्य सेवा सहकारी समितियों के हजारों किसानों का भुगतान उनके खातों में नही आया है जिससे वे खासा परेशान नजर आ रहे है। वहीं बताया जा रहा है कि बालाघाट जिले में खरीदी गई करीब 5 लाख क्विंटल धान का परिवहन छिंदवाड़ा जिले में हुआ है जहां उक्त धान को रिजेक्शन (अमानक) मानकर रोक दिया गया था। जिसके कारण से किसानों के खातों में भुगतान नही आने की बात कही जा रही है। जबकि समितियों में शासन के मापदण्ड के अनुसार की धान की खरीदी की गई है। फिर छिंदवाड़ा जिले में परिवहन हुए धान को अमानक स्तर का क्यों बताया जा रहा है यह समझ से परे है। जबकि धान खरीदी के एक सप्ताह के अंदर किसानों के खातों में भुगतान होना है किन्तु धान खरीदी हुए एक माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत आने वाले सेवा सहकारी समितियों में खरीदी गई धान का परिवहन छिंदवाड़ा जिले में हुआ है उक्त किसानों का भुगतान नही हुआ है। जिससे वे परेशान है और आर्थिक परेशानियों से उन्हे जुझना पड़ रहा है। जिन किसानों का उपज विक्रय करने के बाद भी भुगतान नही हुआ है ऐसे किसानों ने शासन-प्रशासन से जल्द भुगतान करवाने की मांग की है।

किसान परेशान, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दें कि लालबर्रा विकासखण्ड की 80 प्रतिशत आबादी पूरी तरह से कृषि पर ही निर्भर है और उनके द्वारा कृषि करके ही अपने परिवार का भरण पोषण किया जाता है। लेकिन वर्तमान समय में आधुनिक कृषि होने के कारण किसानों को अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है जिससे खेती महंगी हो गई है। इसके बावजूद किसान कर्ज लेकर अपनी खेती कर रहा है एवं फसल पकने के बाद उसे शासन को समर्थन मूल्य में विक्रय कर रहे है जिससे उन्हे बाजार से अधिक दाम मिल सके और वह अपने कर्ज को समाप्त कर सके। लेकिन वर्तमान में लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों की उपज समर्थन मूल्य में खरीदी की गई है और सभी समितियों से धान का परिवहन हो चुका है। जिसमें से कुछ किसानों के खातों में अब तक भुगतान नही आया है जिससे किसान खासा परेशान है। साथ ही उपज बेचने के एक से डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी भुगतान नही आने से किसानों को आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि खरीफ सीजन में लगाई गई धान की फसल को समर्थन मूल्य में विक्रय किया गया है परन्तु धान खरीदी का कार्य पूर्ण होने के बाद परिवहन भी हो चुका है परन्तु कुछ किसानों के खातों में अब तक भुगतान नही आया है। जिसके कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि किसान खेती दुसरे से कर्ज लेकर करता है और फसल बेचने के बाद जिससे रूपये उधार लेते है उसे वापस करने के साथ ही अपनी जरूरतों की सामग्री की खरीदी करते है परन्तु जिन किसानों के खातों में भुगतान नही आया है वे परेशान है।

किसानों के खातों में जल्द आ जायेगी राशि - लिल्हारे

दूरभाष पर चर्चा में जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित शाखा लालबर्रा पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 1 दिसंबर से 20 जनवरी तक समर्थन मूल्य में धान खरीदी की गई है। जिसके बाद सभी खरीदी केन्द्रों से धान का परिवहन हो चुका है, लेकिन जिन समितियों में खरीदी गई धान का परिवहन छिंदवाड़ा जिले में हुआ है, उक्त धान को रिजेक्शन (अमानक) मानकर भुगतान पर रोक लगा दी गई थी। जिसके कारण सिहोरा, नेवरगांव ला सहित अन्य समितियों के किसानों के खातों में भुगतान नही आया है।

श्री लिल्हारे ने बताया कि बालाघाट जिले से करीब 5 लाख क्विंटल धान का परिवहन छिंदवाड़ा जिले में हुआ है, जो धान को किसी कारणवश रिजेक्शन करने की बात कही गई थी। गत दिवस छिंदवाड़ा पहुंचकर जो उन्हे गलत-फहमी थी उसे दुर कर दिया गया है और एक-दो दिनों के अंदर शेष किसानों के खातों में भुगतान की राशि आ जायेगी।

लालबर्रा-सिवनी हाईवे मार्ग पर विशालकाय जामुन के पेड़ में लगी आग

स्थानीय लोगों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा से सिवनी हाईवे मार्ग पर शुक्रवार की शाम एक बड़ा हादसा होने से टल गया। सिवनी मार्ग मजार के समीप सदगुरू अनाज ट्रेडर्स और श्रीराम कृषि केंद्र के बीच स्थित एक विशालकाय जामुन के पेड़ में अचानक आग लग गई। वहीं आग की लपटें विकराल रूप लेती उससे पहले ही स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने सक्रियता दिखाते हुए उस पर काबू पा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिवनी मार्ग मजार के आगे सदगुरू अनाज ट्रेडर्स और श्रीराम कृषि केन्द्र के बीच शुक्रवार शाम को जामुन के पेड़ से अचानक धुआं और आग की लपटें उठती देख मार्ग से गुजर रहे लोगों और पास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। आग धीरे-धीरे पेड़ के ऊपरी हिस्सों की ओर बढ़ रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आसपास के दुकानदारों और बिजली विभाग के एक सजग कर्मचारी ने दमकल (फायर बिग्रेड) वाहन का इंतजार करने के बजाय, स्थानीय लोगों ने बाल्टियों और डिब्बों में पानी भरकर आग बुझाना शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अगर समय रहते आग नहीं बुझाई जाती, तो इसकी चिंगारियां पास स्थित दुकानों और मकानों को अपनी चपेट में ले सकती थी। साथ ही यदि आग की वजह से पेड़ की भारी टहनियां रात के समय हाईवे मार्ग पर गिरती तो कोई भी राहगीर बड़ी दुर्घटना का शिकार हो सकता था। वहीं विशालकाय जामुन के पेड़ में आग

कैसे लगी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, आशंका जताई जा रही है कि सुबह के समय किसी ने पेड़ के पास कूड़ा या कुछ अन्य सामग्री जलाई होगी, जिसकी चिंगारी धीरे-धीरे सुलगते हुए शाम तक पेड़ के तने में फैल गई। रात होने से पहले आग पर काबू पा लिये जाने से एक बड़ी जन-धन की हानि टल गई। अगर रात्रि के समय आग की लपटे तेज होने पर आसपास स्थित दुकानों में आग लग सकती थी जिससे काफी नुकसान हो सकता था।

बस स्टैंड का किया औचक निरीक्षण, बस एवं अन्य चौपहिया वाहन चालकों को दी हिदायत

यातायात व्यवस्था सुधारने सड़कों पर उतरे प्रशासनिक अधिकारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में दिनों-दिन बढ़ती यातायात की समस्याओं और अव्यवस्थाओं को देखते हुए शुक्रवार को प्रशासनिक अमला हरकत में नजर आया। शुक्रवार की शाम में एसडीओपी अभिषेक चौधरी एवं थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने स्थानीय बस स्टैण्ड का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीओपी श्री चौधरी ने न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि मौके पर मौजूद बस ऑपरेटरों और चालकों को कड़ी हिदायत भी दी कि यातायात नियमों का पालन करे और अधिक समय तक बस स्टैण्ड परिसर में खड़ी न करने एवं रोड़ किनारे बस खडे न रखने की हिदायत दी है क्योंकि बसों के अनियंत्रित खड़े होने और यात्रियों के बैठने के स्थानों पर अतिक्रमण के कारण आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। वहीं बसों के खड़े रहने के कारण जाम की स्थिति निर्मित होने के साथ ही आवागमन करने वालों को भी काफी परेशानी होती है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था को सुगम बनाना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है; इसमें ऑपरेटरों एवं स्थानीयजनों का सहयोग अनिवार्य है।

वहीं विगत कई दिनों से स्थानीय नागरिकों द्वारा बस स्टैंड क्षेत्र में अव्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था बेहाल होने की शिकायते की जा रही थी और शुक्रवार को आयोजित शांति समिति की बैठक में भी यातायात व्यवस्था की समस्या को लेकर भी मुद्दा उठाया गया था। जिसके बाद पुलिस विभाग के एसडीओपी श्री चौधरी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए शुक्रवार की शाम में बस स्टैण्ड का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण से उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में यातायात की स्थिति में सुधार होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेगी।

होली और ईद का पर्व शांति एवं सद्भावनापूर्वक मनायें क्षेत्रवासी

थाना में शांति समिति की हुई बैठक, विभिन्न बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित थाना परिसर में 27 फरवरी को शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, एसडीओंपी अभिषेक चौधरी, थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। इस बैठक में आगामी 2 मार्च को होलिका दहन, धुरेड़ी एवं ईद का पर्व सद्भावनापूर्वक मनाने हेतु आवश्यक विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधि, समाजसेवी व क्षेत्रीय गणमान्यजनों ने नगर मुख्यालय व विभिन्न ग्रामों में आयोजित होने वाले होलिका दहन कार्यक्रम की जानकारियों से अवगत करवाया। साथ ही यह भी कहा कि बस स्टैण्ड एवं हाईवे मार्ग विश्राम गृह के सामने बस खड़ी रहने से बार-बार जाम लगने से आवागमन बाधित होने से स्थानीयजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए पुलिस प्रशासन यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दे। साथ ही जो बसे लंबे समय तक बस स्टैण्ड में अपने समय का इंतजार के लिए बस स्टैण्ड व अन्य स्थानों पर खड़ी रहती है। उन्हे सिवनी मार्ग स्थित मवेशी बाजार परिसर में हालटींग करने, बिना नम्बर प्लेट के वाहन चालकों पर कार्यवाही करने, नाबालिग वाहन चलाते पाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही करने, 10 बजे के बाद डीजे न बजाने, मंदिर, मस्जिद में कम साउण्ड में ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग करने, शासकीय भवनों पर फ्लेस एवं पोस्टर न लगाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही उक्त बिन्दुओं का पालन नही होने पर उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की गई। जिस पर पुलिस प्रशासन के द्वारा उपस्थितजनों को आश्वास्त करते हुए कहा गया कि पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन में नगर की यातायात व्यवस्था को बनाने एवं अन्य कार्यवाही की जायेगी। साथ ही सभी को होली का पर्व हिन्दु व ईद का पर्व मुस्लिम धर्मालंबियों से शांति व सद्भावनापूर्वक मनाने की अपील की एवं घरों में रहकर ही होली का पर्व मनाने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये गये। चर्चा में भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें होली एवं ईद का पर्व शांतिपूर्वक मनाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई है। साथ ही नगर की विभिन्न मूलभूत समस्याओं से भी अधिकारियों को अवगत करवाया गया है। जिस पर उन्होने कार्यवाही कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने आश्वास्त किया है। एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने बताया कि होलिका दहन होली व ईद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित कर शांति व सौहार्दपूर्वक दोनों पर्व मनाने की अपील की गई है और पर्व पर शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा मानीटरिंग की जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि बस स्टैण्ड, विश्राम गृह, हाई स्कूल मार्ग पर अव्यस्थित तरीके से वाहन खड़े करते है, शासकीय भवनों पर फ्लेक्स व बैनर लगाने वालों पर कार्यवाही की जायेगी एवं रात 10 बजे के बाद तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्र बज रहे है तो कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, समाजसेवी रवि अग्रवाल, गिरीश पाठक, ब्लक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, पनबिहरी सरपंच वीरेन्द्र बनवाले, बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर, शैलेष केकती, संजीव अवधिया, अफसर कुरैशी, थानेन्द्र ठाकरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लोन देने के नाम पर युवक से 11 हजार रूपये की हुई साईबर धोखाधड़ी

4000 रूपये मांगने पर दुर्गेश ने ऑनलाइन फ्राड की शिकायत की

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ऑनलाइन धोखाधड़ी का जाल लगातार अपने कदम बढ़ते ही जा रहा है। जिसमें युवा नौजवान मेहनतकस लोग अपने खून पसीने का पैसा गवा रहे हैं। ऐसा ही कासपुर आमाटोला से एक ऑनलाइन धोखाधड़ी का प्रकरण प्रकाश में आया है। जिसमें दुर्गेश भलावी को ५ लाख का लोन देने के नाम पर ११५७१ रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा कर ली गई। जिसमें फिर ४००० रुपए की मांग किये जाने पर आवेदक को संदेह हुआ जिसके द्वारा पुलिस थाने में घटना की शिकायत कर रुपए वापस दिलाने और संबंधितों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

यह हैं मामला

दुर्गेश भलावी पिता सुमसिंह भलावी उम्र १९ वर्ष निवासी कासपुर आमाटोला वार्ड नं. ४ का रहने वाला हैं। २४ फरवरी को उसके मोबाईल नंबर पर ९३४११९४०५० तथा ७८०९८६३४७९ से फोन आया। उन्होने कहा कि आपको लोन चाहिए क्या तो दुर्गेश ने हाँ कहते हुए ५ लाख का लोन चाहिए बताया। वहीं बोला कि मेरा लोन पास कर दो तो उन्होने कहाँ की मैं क्यू आर कोड भेज रहा हूं इस पर ११५७१ रूपये डालो। जिस पर दुर्गेश के द्वारा भरोसा करते हुए क्यू आर पर ११५७१ रूपये भेज दिए लेकिन उसका लोन पास नही हुआ। इसके बाद दुर्गेश भलावी के द्वारा तत्काल सामने वाले व्यक्ति से दूरभाष

पर चर्चा कर पूछताछ की गई की उसका लोन क्यों पास नहीं हुआ और उसका नाम जानना चाहा। तो सामने वाला व्यक्ति ने अपना नाम नही बता कर बोला की चार हजार रूपये लगेंगे। इसके बाद दुर्गेश को संदेह हुआ और उसके द्वारा तत्काल घटना की शिकायत पुलिस थाना वारासिवनी में लाकर थाना प्रभारी के नाम शिकायत देकर मामले में उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

तेजी से बढ़ रहा ऑनलाइन धोखाधड़ी की वारदात

नगर सहित जिले में बीते कुछ महीनो से देखने में आ रहा है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी की वारदातें ज्यादा हो गई है। जिसमें अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा मजदूर छात्र किसान व्यापारी सभी प्रकार के व्यक्तियों के खाते से उनके खून पसीने की राशि निकाली जा रही है। तो वहीं कई प्रकार के प्रलोभन देकर लोगों से राशि भी मांगी जा रही है। इस परिस्थिति में पूरी प्रक्रिया आधुनिक तरीके से बैंक खाता या फोन पे का उपयोग कर की जा रही है। परंतु कई मामलों में आज भी निकाल नहीं हो पाया है ऐसे में लोगों को अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा गवना पड़ा है। जिसको लेकर लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है इस दौरान देखने में आ रहा है कि अज्ञात व्यक्ति ऑनलाइन धोखाधड़ी करने के लिए नई-नई तरकीब का इस्तेमाल कर रहे हैं। जो एक चिंता का विषय अब समाज के लिए बनता जा रहा है। ऐसे में जागरूक नागरिकों के द्वारा इन मामलों में कार्यवाही की मांग की जाती रही है। देखा जाए तो हाईटेक तरीके से धोखाधड़ी कर ली जाती है और पुलिस हाईटेक तरीके का फॉलोअप भी नहीं कर पा रही है। जिसके कारण ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले लोगों के हौसले और बुलंद होते जा रहे हैं।

ऑनलाइन फॉड करने वाले व्यक्ति पर पुलिस कठोर कार्यवाही करें- दुर्गेश भलावी

दुर्गेश भलावी ने बताया की मैं कासपुर आमाटोला का रहने वाला हूं मुझे मोबाइल पर एक नंबर से फोन आया और आगे से लोन का ऑफर किया गया। जिस पर मैने ५ लाख के लोन की स्वीकृति दी जिन्होंने मुझे क्यू आर भेजा जिस पर मेरे द्वारा ११५७१ रुपए लोन स्वीकृत में लगने वाली राशि समझ कर दिया गया। परंतु उनके द्वारा बिना कोई कार्यवाही ना कर फिर से ४००० रूपये मांगे गए जिस पर शक हुआ तो मैंने पता किया आगे वाला अपना नाम भी नहीं बता रहा था। कोई जानकारी नहीं बता रहा था तो इसकी शिकायत थाने में कर दी है। पुलिस से हम यही चाहते हैं कि हमें हमारी राशि वापस लौटाये और उक ऑनलाइन फॉड करने वाले व्यक्ति पर कठोर कार्यवाही करें।

महिला मित्र मंडल रामपायली के तत्वावधान में श्री श्याम कीर्तन का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। श्री श्याम कीर्तन का आयोजन महिला मित्र मंडल रामपायली के तत्वावधान में धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री श्याम बाबा खाटू श्याम वाले का विधि विधान से पूजन अर्चन कर भगवान श्री बालाजी और हनुमान जी महाराज के लिए दीप प्रज्वलित किया गया और इस दीप के साथ गायको के द्वारा श्री गणेश वंदना की बाबा का फागुन उत्सव समारोह का श्री गणेश करते हुए पधारे हुए गायक गर्व अग्रवाल एवं गायिका सोनाली नागेश्वर के द्वारा एक से बढकर एक भजन गीत गाकर उपस्थित जनों को मंत्र मुग्ध कर दिया गया। इस अवसर पर नगर के श्रद्धालु जनों के अलावा कार्यक्रम में बालाघाट, वारासिवनी, खैरलांजी, खैरी, भैरगढ़, गोंदिया के श्रद्धालु जनों की उपस्थिति सराहनीय रही। जिन्होंने श्याम बाबा के भजन का आनंद उठाते हुए इस कार्यक्रम की प्रशंसा की महिला मंडल की समस्त महिलाओं के द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग के लिए जनता का आभार व्यक्त किया। पुलिस प्रशासन की व्यवस्था चाक चौबंद रही अंत में महिलाओं एवं पुरुषों के द्वारा बाबा के साथ अंत में रंग गुलाल फूलों की होली खेलकर इस उत्सव को आनंद उत्सव में तब्दील किया। कार्यक्रम के हर्षोल्लास से महिलाओं के द्वारा किए गए इस कार्यक्रम की समस्त जनों ने प्रशंसा व्यक्त की । अंत में महाप्रसादी के आयोजन में सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

खैरलाँजी के दमाहे मैरिज लॉन में एक उत्सव खाटू वाले श्याम का १ मार्च को

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी के स्थित दमाहे मैरिज लॉन में १ मार्च को एक उत्सव खाटू वाले श्याम का कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम श्याम भक्तों के द्वारा हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जायेगा। जिसमें बाबा श्याम के अलौकिक दर्शन,भव्य श्रृंगार, दिव्य ज्योत, छप्पन भोग, इत्र पुष्प वर्षा एवं रसोई का आयोजन हैं। इसी के साथ भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है। जिसमें बाबा श्याम का कीर्तन किया जाएगा। इस दौरान टिनू शर्मा रायपुर, सोनाली नागेश्वर बालाघाट ,गोपाल शर्मा गोंदिया के द्वारा शाम ६.३० बजे से प्रभु इच्छा तक मनमोहन श्याम भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर आधिकाधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होकर बाबा श्याम के भजनों का आनंद लेकर दर्शन का धर्म लाभ लेने की अपील श्री श्याम परिवार खैरलांजी ने की है।

श्रीराम मंदिर में श्री श्याम भव्य निशान यात्रा कीर्तन आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री राम मंदिर में २८ फरवरी को खाटू के रंग बाबा श्याम के संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम बाबा श्याम के श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। जिसमें २७ फरवरी की शाम ७ बजे बाबा श्याम का एकादशी पूजन और कीर्तन किया जाएगा। तत्पश्चात् २८ फरवरी को हर वर्ष की तरह यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें सुबह ९ बजे श्री राम मंदिर से भव्य श्री श्याम निशान यात्रा निकाली जायेगी। जो राम मंदिर से निकालकर विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर पहुंचेगी। जहां निशान यात्रा का समापन कर श्री श्याम कीर्तन शाम ७ से श्री राम मंदिर में आयोजित होगा। इस संबंध में श्याम भक्तो ने बताया कि श्री खाटू नरेश श्याम बाबा की सेवा करते हुए फ गुन की एकादशी एवं बारस को हम प्रतिवर्ष आनंद ले रहे है। इसी कडी में पिछले वर्ष २०२५ से हम सभी श्याम दिवानों द्वारा निशान यात्रा भी निकाली जा रही है। अत: इस बार भी यह निशान यात्रा २८ फरवरी की सुबह ९ बजे से श्री राम मंदिर से गोलीबारी चौक ,जय स्तंभ चौक ,दुर्गा मंदिर होते हुए वापस राम मंदिर पहुंचेगी। वहीं शाम ७ बजे से बाबा के फूलों के श्रृंगार व स्वरूप के दर्शन, बाबा की ज्योत का पूजन, छप्पन भोग दर्शन, श्याम प्रसादी व श्याम दिवानो के द्वारा बाबा श्याम को भजनों द्वारा रिझाया जाएगा। बाबा को भजनों से रिझाने के लिए नगर की प्रसिद्ध गायिका श्रीमती श्वेता श्याम शर्मा ,गायक सोहन कुमार गोंदिया, गायक अफ रोज अली लालबर्रा, गायक रितेश चौहान रामपायली,गायक प्रकाश सागर सिकन्द्रा, गायक सूर्या वर्मा पूणे के द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के लोगों से आधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील श्याम भक्तों ने की है।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक संपन्न

१६ अप्रैल को भोपाल में पेंशनर्स करेंगे आंदोलन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक कार्यवाहक जिला अध्यक्ष प्रांत संगठन मंत्री शिव शंकर गंगेले, तहसील अध्यक्ष एस एस डोहरे ,कार्यवाहक अध्यक्ष डी सी हरवाल सहित अन्य पेंशनरों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें नव वर्ष और होली की शुभकामनाओं के साथ बैठक प्रारंभ की गई। इसमें गत दिनों जिला शाजापुर में पेंशनर संगठन का प्रांतीय सम्मेलन आयोजित कर विभिन्न प्रकार के प्रस्ताव लिए गए थे । जिसमें कई निर्णय पास किए गए थे उस पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। तो वहीं संगठन सदस्यता अभियान, स्थानीय और जिला स्तर पर पेंशनरों को हो रही समस्या, प्रांतीय आव्हान पर प्रदेश स्तर पर आयोजित कार्यक्रम, आगामी संघर्ष नीति एवं किशोर कुमार पांडे के आवेदन पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। सभी विषय पर प्रस्ताव लेकर कार्य करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर डी आर पटले ,डी आर ठाकुर ,बी आर ड्हाके ,पी एल गौतम ,एस के डोहरे ,के के पांडेय, एन एन बोपचे ,एस के बिसेन ,एस के दुबे ,ए के बहेटवार ,एम एल बोकडे ,अशोक शुक्ला ,श्रीमती एस सैयाम, श्रीमती सुशीला रहाँगडाले ,अनिल रंगारे ,युवराज डहाटे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पेंशन में कई प्रकार की समस्या आ रही है जिसे शासन अनसुना कर रहा है- एस एस डोहरे

अध्यक्ष एस एस डोहरे ने बताया कि पेंशनर संगठन के माध्यम से लगातार शासन प्रशासन से मांग की जा रही है। परंतु शासन के द्वारा उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसको लेकर अनेकों बार आवेदन निवेदन ब्लॉक से प्रदेश स्तर तक किया गया है। ऐसे में विभिन्न विषयों को लेकर यह बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें ब्लॉक और जिला स्तर पर होने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए रणनीति तैयार की गई। तो वहीं प्रदेश स्तर पर आयोजित आंदोलन में शामिल होकर अपने हक अधिकार की आवाज बुलंद करने के विषय से लोगों को अवगत करवाया गया। हमें पेंशन में कई प्रकार की समस्या उत्पन्न हो रही है जिसे शासन अनसुना कर रहा है हम यही चाहते हैं कि हमारी मांगों पर त्वरित कार्यवाही कर निराकरण किया जाना चाहिए।

वर्षों से हम लड़ाई लड़ रहे हैं आगे अब आंदोलन करेंगे-शिवशंकर गंगेले

जिला अध्यक्ष शिवशंकर गंगेले ने बताया कि पूर्व में शाजापुर में प्रांतीय सम्मेलन हुआ था जहां ४७ जिलों के पेंशन शामिल हुए थे। वहां पर जो निर्णय लिए गए उसकी जानकारी से कार्यकारिणी को अवगत करवाया जा रहा है। १६ अप्रैल को भोपाल में महासंग्राम होना है क्योंकि पेंशनरों का संघर्ष आंदोलन है। हमारी समस्या हमेशा डीए की रही है जो शासन बढ़ा देती है परंतु २४ महीने का सरकार डकार जाती है। केंद्र बढ़ाती है तो राज्य को बढ़ाने का प्रावधान है परंतु उसकी अवहेलना की जाती है। वर्षों से बड़ी समस्या आ रही है मध्य प्रदेश सरकारी हथियार के रूप में इस्तेमाल करती है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों की अनुमति की बात करते हैं अब तो डबल इंजन की सरकार है यह खत्म होना चाहिए। हालांकि इसमें पता किया गया तो स्वीकृति का कोई प्रावधान नहीं है लेकिन इसे हथियार बनाकर सरकार ने रखी है हम मानसिक और शारीरिक परेशान हो रहे हैं। पेंशन के पीछे हमारा परिवार हमारी बीमारी और कई प्रकार के खर्च है यह हेल्थ की भी सुविधा नहीं देते हैं वर्षों से हम लड़ाई लड़ रहे हैं आगे अब हम आंदोलन करेंगे।

पीएम कॉलेज बालाघाट में 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026' का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026' का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद ऐरे (बालक इकाई) के नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजन में 'माय भारत' जिला बालाघाट के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर सी. आर. जंघेला का विशेष सहयोग रहा।

यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में 'माय भारत' पोर्टल के माध्यम से आयोजित किया गया। इसमें 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं का ऑनलाइन पंजीयन किया गया था। बालाघाट जिले से कुल 104 छात्र-छात्राओं ने पंजीयन कराया, जिनमें से 23 प्रतिभागियों (8 छात्र एवं 15 छात्राएं) ने प्रतियोगिता में सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ बालाघाट-सिवनी क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी द्वारा माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। प्राचार्य डॉ. मराठे ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। अपने उद्बोधन में सांसद श्रीमती पारधी ने आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए एक सबक विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की महत्वपूर्ण तिथि है। उन्होंने युवाओं से संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सजग रहने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

प्रतिभागियों को तीन-तीन मिनट का समय दिया गया, जिसमें उन्होंने आपातकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संवैधानिक अधिकारों और लोकतंत्र की मजबूती पर अपने विचार प्रस्तुत किए। समय-सीमा का कड़ाई से पालन कराया गया।

निर्णायक मंडल में डॉ. वाय. वी. कस्बे (वरिष्ठ सेवानिवृत्त राजनीति शास्त्र प्राध्यापक), धीरज कुमार (मुख्य कार्यक्रम अधिकारी, आकाशवाणी केंद्र बालाघाट), वसंत मधुकर रमेकर (सेवानिवृत्त परियोजना अधिकारी, जिला पंचायत), राहुल मिश्रा (सहायक प्राध्यापक, लीगल स्कूल एंड रिसर्च, सरदार पटेल विश्वविद्यालय) एवं अजय बैस (क्षेत्रीय प्रचारक, आकाशवाणी केंद्र बालाघाट) शामिल रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रगति बोकडे, द्वितीय स्थान सिद्धार्थ गेडाम, तृतीय स्थान राहुल पटले, चतुर्थ स्थान लेखनी भगत एवं पंचम स्थान संदीप दशरिये ने प्राप्त किया। विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। समापन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर एवं भाजपा युवा नगर अध्यक्ष जैनेंद्र कुमार कटरे की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकगण एवं समस्त स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया तथा अंत में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के साथ आयोजन का समापन हुआ।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सद्भाव का गंगा जमुनी संदेश और समाज

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं तस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे तस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

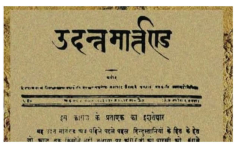

भारत में लोकतंत्र की परंपरा बहुत मजबूत रही है और यहां नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार संविधान के तहत मिला हुआ है। मगर इसके साथ ही कुछ जिम्मेदारियां भी अभिन्न हैं, जो आपस में मिल कर ही देश में सद्भाव और सहयोग पर आधारित समाज को जीवन देती हैं। विडंबना यह है कि कई बार अभिव्यक्ति की आजादी पर पूर्वाग्रह और महज धारणा पर आधारित राय हावी दिखती है और इसे किसी व्यक्ति या समुदाय को कठघरे में खड़ा करने का औजार बना लिया जाता है। अपनी प्रभावी संप्रेषण शक्ति और लोगों तक व्यापक पहुंच रखने वाले कला माध्यम के रूप में फिल्मों में अभिव्यक्ति के रचनात्मक पक्ष का इस्तेमाल करते हुए बड़े से बड़े प्रश्नों पर विचार किया जाता रहा है और इसे सभी स्तरों पर स्वीकार्यता भी मिलती रही है। मगर अफसोस की बात यह भी है कि इसी सुविधा का कई बार गलत फायदा भी उठाया जाता है। अभिव्यक्ति के नाम पर किसी फिल्म में परोसी गई कहानी के जरिए किसी समुदाय के बारे में गलत धारणा बनाने की कोशिश की जाती है। इसी तरह, कुछ नेता भी अपनी जिम्मेदारियों और सीमाओं को ताक पर रख कर बेहिचक ऐसे बयान देते हैं, जिससे अलग-अलग समुदायों के बीच द्वेष पैदा होता है। जबकि इसका नतीजा इस रूप में भी सामने आ सकता है कि अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भावना आधारित संवाद या संबंध पीछे छूट जाए। जाहिर है, देश को इसके दूरगामी नुकसान हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि हाल ही में अपने शीर्षक की वजह से विवाद के घेरे में आई एक फिल्म पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव के लिए भाईचारा जरूरी है। इस मामले में न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने अपने अलग फैसले में कहा कि सरकारी और गैरसरकारी सहित किसी भी जानी-मानी हस्ती और खासतौर पर ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के लिए भाषण, मीम, कार्टून या दृश्य माध्यमों के जरिए किसी भी समुदाय को बदनाम करना, उस पर धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र के आधार पर निशाना साधना संविधान का उल्लंघन है। दरअसल, पिछले कुछ समय से देश भर में अलग-अलग संदर्भ में कुछ नेताओं के बयानों या फिल्मों ने कई बार विवाद की स्थिति खड़ी कर दी। सार्वजनिक रूप से वैसी बातें करने में भी संकोच नहीं किया गया, जिसका कोई मजबूत आधार नहीं था, लेकिन उसने जन मानस के बीच राय बनाने में भूमिका निभाई। वे फिल्में में चित्रित ब्योरे हों या किसी नेता का बयान, ऐसे अनेक मौके सामने आए, जब उसकी वजह से नाहक विवाद खड़ा हुआ, आपसी सद्भाव को नुकसान पहुंचा और यहां तक कि कोई खास समुदाय अपने आपको कठघरे में खड़ा या असुरक्षित महसूस करने लगा। सवाल है कि किसी व्यक्ति या समुदाय को लक्ष्य कर बोलने की आजादी के तहत जो भी कहा जाता है, क्या कभी उसके आधार और असर को लेकर भी विचार करने की कोशिश की जाती है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि सद्भावना और आपसी भाईचारा देश के संविधान के बुनियादी उद्देश्यों में से एक है। अनुच्छेद 51ए (ई) के तहत हर नागरिक का यह बुनियादी कर्तव्य है कि वह धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय विविधताओं की सीमा से अलग होकर नागरिकों के बीच सद्भावना और सहयोग को बढ़ावा दे। मगर धर्म, भाषा, जाति या क्षेत्र के आधार पर अगर किसी व्यक्ति या समुदाय को निशाना बनाया जाता है, तो यह संविधान और मानवीय मूल्यों का विरुद्ध है।

एपस्टीन फाइलें और आशंकाओं की धुंध

-डियल रिचमैन

एपस्टीन फाइलों का जारी होना इसलिए भी चिंता की बात है, क्योंकि एक तो बगैर किसी पुख्ता प्रमाण के लोगों के नाम उछाले जा रहे हैं। वहीं, बहुत सारी कच्ची जानकारियां, सुनी-सुनाई बातों की अनगिनत परतें, बिना जांच के आरोप और अस्पष्ट परिस्थितिजन्य संबंध इसे संदिग्ध भी बना रहे हैं।

एपस्टीन की रिपोर्ट न हुई, जी का जंजाल हो गई। तकरीबन हर रोज इस रिपोर्ट में किसी फाइनेंसर, शिक्षाविद, राजनेता और शाही घराने के लोगों के नाम आ रहे हैं। ये वे लोग हैं, जो यौन शोषक सजायाफ्ता जेफ्री एपस्टीन के करीबी थे। सत्ता में बैठे लोगों की जवाबदेही कम होने से, एपस्टीन और उनके साथियों से जुड़े दस्तावेज के इतने बड़े ढेर में सच को ढूंढ़ना मुश्किल हो सकता है। लेकिन एपस्टीन फाइलों के लाखों पन्नों के जारी होने को हमें संस्थागत विफलता का संकेत और चिंता की बात, दोनों मानना चाहिए। अगर हमारी न्याय प्रणाली ठीक से काम कर रही होती, तो शायद यह नौबत ही न आती।

पहले के समय में लोग कम-से-कम अनिच्छा से ही सही, इस व्यवस्था को स्वीकार करते थे कि अभियोजक और कानून प्रवर्तन एजेंसियां विस्तृत जांच सामग्री को छांटकर केवल वही हिस्सा सार्वजनिक करें, जो किसी मामले को सही ढंग से आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक हो। जो अतिरिक्त जानकारी उपयोगी साबित हो सकती हो, लेकिन समाज उसके लिए अभी तैयार न हो, वह गोपनीय ही बनी रहती थी। संघीय अभियोजक पर आम तौर पर भरोसा किया जा सकता था कि वे अपराध के खिलाफ अपने छोटे अभियान पर ध्यान केंद्रित करेंगे और दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल नहीं करेंगे, पर अब ऐसा नहीं है। एपस्टीन फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग ट्रंप प्रशासन से पहले की है, पर वे आज ऑनलाइन और आसानी से सुलभ इसलिए हैं, क्योंकि ज्यादातर अमेरिकियों को न्याय विभाग के नेतृत्व पर भरोसा नहीं रहा कि वह उन पर नियंत्रण रख सकता है।

अतीत में, विभाग के प्रमुख अपने मकसद के बारे में संदेह को कम कर सकते थे, क्योंकि वे ऐसे मामलों को राजनीतिक नियुक्ति वाले व्यक्ति के बजाय अपने अधीनस्थों पर छोड़ देते थे। कई लोगों के मुताबिक, अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी में भरोसे की कमी थी, क्योंकि उन्होंने उन वकीलों और एजेंटों को नौकरी से निकाल दिया था, जिन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की मर्जी के आगे झुकने से मना कर दिया था। वह जनता से यह कहकर बच नहीं सकीं कि वे बचे हुए लोगों के गैर-राजनीतिक और स्वतंत्र फैसले पर भरोसा करें। इन फाइलों का सार्वजनिक होना इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि इनमें कच्ची जांच सामग्री की भरमार है (सुनी-सुनाई बातें, अप्रमाणित आरोप और संदिग्ध परिस्थितिजन्य संबंध), जिन्हें सार्वजनिक छानबीन के लिए जारी नहीं किया जाना चाहिए था। हमें नहीं पता कि न्याय विभाग ने दस्तावेजों को कितना सही या गलत तरीके से रोका या हटाया है। हम जानते हैं कि पीड़ितों को बचाने की कोई भी कोशिश अपर्याप्त थी, क्योंकि फाइलों में कई महिलाओं और लड़कियों की साफ तस्वीरें और पहचान की जानकारी मिली है। लोगों को दोबारा पीड़ित न करना नीति नियंताओं की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक होनी चाहिए, लेकिन यहां असफल हो गए। संघीय अभियोजक और कानून प्रवर्तक एजेंटों को जानकारी इकट्ठा करने के लिए कई साधन उपलब्ध होते हैं, जिन्हें किसी व्यक्ति और ज्यादातर सरकारी एजेंसियों को भी इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है। इनमें निजता में दखल देने की शक्ति भी शामिल है। कानूनी तौर पर मौजूद साधनों में सर्च वारंट, वायरटैप, ग्रैंड जूरी समन और एडमिनिस्ट्रेटिव समन शामिल हैं। इसी तरह जांच अधिकारी ई-मेल, निजी बातचीत, फोन, बैंक और मेडिकल रिकॉर्ड तक पहुंच पाते हैं। इसके अलावा, अभियोजक और कानून प्रवर्तकों को गवाहों का सहयोग पाने के लिए मुकदमा चलाने की धमकी का इस्तेमाल करने दिया जाता है। इन जबर्दस्ती वाले जांच साधनों का गलत इस्तेमाल किया जा सकता है और किया भी गया है। इन साधनों पर ज्यादा सख्त कानूनी रोक लगाने और जानकारी के सरकारी इस्तेमाल के लिए ठोस तर्क भी दिए गए हैं। फिर भी, यदि हमें लगता है कि संघीय आपराधिक कानूनों को लागू करना आवश्यक है, तो प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसी व्यवस्था देना अनिवार्य है, जिससे वे उन आपराधिक गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटा सकें, जो स्वभावतः छिपाकर रखी जाती हैं। इसके लिए कभी-कभी निजता की उन परतों को भी भेदना पड़ता है, जो सामान्यतः हमारी रोजमर्रा की गतिविधियों को ताक-झांक करने वाली आंखों या कानों से बचाते हैं। सरकार को मिले साधन अपराध प्रवर्तन मिशन के महत्व के कारण सही हैं, लेकिन उन साधनों से मिली जानकारी के साथ अभियोजक और एजेंट को सावधानी और पेशेवर विवेक भी दिखाना होता है। अभियोक्ताओं द्वारा एकत्र सामग्री का उपयोग आम तौर पर उनके मिशन से घिरा होता है- व्यक्तियों पर आरोप लगाना (या उन पर आरोप न लगाना), मामला लाए जाने के बाद प्रकटीकरण दायित्वों को पूरा करना और, यदि संभव हो, तो जूरी को समझाना या दोषी की स्वीकारोक्ति प्राप्त करना। जब किसी आपराधिक जांच की सामग्री बड़ी मात्रा में सार्वजनिक उपभोग के लिए जारी कर दी जाती है, तो जांच एजेंसियों को दिए गए कठोर और निजता-भेदी अधिकारों का औचित्य कमजोर पड़ने लगता है। गवाहों और उस मामले से जुड़े संवेदनशील लोगों की गोपनीयता की रक्षा का दावा करने वाली संस्थाएं वैध जांच प्रक्रियाओं का विरोध करने लग सकती हैं। संवेदनशील मामलों में सहयोग करने वाले गवाह भी यह सोचने लगेंगे कि उनकी जानकारी कहीं इंटरनेट पर खोज का हिस्सा न बन जाए। हमें यह समझना होगा कि जब कोई बड़ी जांच रिपोर्ट (जिसमें गॉसिप, सामान्य मेलजोल और संभावित आपराधिक कदाचार का मिश्रण हो) जनता के सामने आती है, तो उसके क्या परिणाम होते हैं। न्याय व्यवस्था कभी भी लोगों को जिम्मेदार ठहराने का अकेला तरीका नहीं होना चाहिए। सामाजिक शर्मिंदगी भी कभी-कभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि यह कुछ लोगों को बदनाम कर सकती है। पर अनौपचारिक जवाबदेही प्रक्रियाएं आसानी से बिना फिल्टर किए स्रोत सामग्री के गलत इस्तेमाल की दिशा में जा सकती हैं। ऐसे समय में, जब न्याय विभाग अपने कथित दुश्मनों पर बेबुनियाद मामला चलाकर आपराधिक दस्तावेज भरने पर तुला हुआ है, तो कई लोग शायद ऐसे तमाशे पर दुख न जताएं, जो विभाग में जनता के भरोसे की कमी को दिखाता है। लेकिन हमें ऐसे भविष्य के बारे में सोचना होगा, जब ऐसे मामलों में, जिनमें जानकारी इकट्ठा करने की अनियंत्रित शक्ति अधिकारियों को मिली हो, पुख्ता सबूत वाले मामले ही अपराध के रूप में दर्ज किए गए। हम में से जो लोग आशंकाओं की इस धुंध में सत्य की खोज करना चाहते हैं, उन्हें एपस्टीन फाइलों के ढेर पर अफसोस होना चाहिए, भले ही हम खुद उनमें से कोई नया नाम ढूंढ रहे हों।

जीवन का सार और वास्तविकता का अनुभव करने का एकमात्र अवसर वर्तमान क्षण में ही प्रकट होता है। भविष्य की योजना या अतीत के बारे में विचार तभी सार्थक होते हैं, जब वे मौजूदा वास्तविकता पर आधारित हों।

-एलन वाट्स

वर्तमान ही जीवन का असली रहस्य है

जीवन का अर्थ बस जीवित रहना है। यह एकदम स्पष्ट, प्रकट और साधारण है। इसके बावजूद हर कोई इतनी घबराहट में रहता है और इधर-उधर भागता फिरता है, मानो है, मानो उसे खुद से बढ़कर कुछ हासिल करना ज्यादा जरूरी है। ऐसा तब होता है, जब हम किसी आदर्श के अनुरूप जितना ज्यादा जीने की कोशिश करते हैं और उतना ही महसूस होता है कि हम विफल हो रहे हैं। हम इस दुनिया में आते नहीं हैं, बल्कि पेड़ के पत्तों की भांति हम उसमें से बाहर निकलते या प्रकट होते हैं। जीवन का असली रहस्य तो यह है कि आप वर्तमान में जो भी कर रहे हैं, उसके साथ यहीं और अभी पूरी तरह जुड़े रहें। वर्तमान को काम के बजाय खेल की तरह महसूस करें।

जीवन को जीने की असली कला यह है कि लापरवाही की वजह से वर्तमान से भटकें नहीं और अतीत से डरकर चिपके भी न रहें। यह हर पल के प्रति संवेदनशील होने, उसे बिल्कुल नया और अनोखा मानने, और मन को खुला और पूरी तरह ग्रहणशील रखने में निहित है। जीवन अपने आप में एक संगीत है। हम शाश्वत वर्तमान में जी रहे हैं, और जब हम संगीत सुनते हैं, तो हम अतीत को नहीं सुन रहे होते, हम भविष्य को नहीं सुन रहे होते, हम एक विस्तृत वर्तमान को सुन रहे होते हैं। मान लीजिए कि आप हर रात कोई भी सपना देख सकते हैं, जो आप देखना चाहते हैं। और उदाहरण के लिए, आपके पास एक रात में 75 साल या जितना चाहें उतना लंबा सपना देखने की शक्ति हो। और स्वाभाविक रूप से, जैसे ही आप सपनों के इस रोमांच की शुरुआत करेंगे, आप अपनी सभी इच्छाएं पूरी करेंगे। आपको हर तरह का सुख मिलेगा, जिसकी आप कल्पना कर सकते हैं। और 75 साल के पूर्ण सुख की कई रातों के बाद, आप कहेंगे, वाह, यह तो बहुत अच्छा था। लेकिन अब एक आश्चर्य होता है।

मान लीजिए एक ऐसा सपना आता है, जो नियंत्रण में नहीं है। जहां मेरे साथ कुछ ऐसा होने वाला है, जिसके बारे में मुझे नहीं पता कि वह क्या होगा और आप उसे गहराई से समझेंगे तथा उससे बाहर आकर कहेंगे, वाह, यह तो बाल-बाल बच गया, है न और फिर आप और भी साहसी होते जाएंगे, और आप इस बारे में और भी जोखिम भरे दांव लगाएंगे कि आप क्या सपना देखेंगे। अंततः आप वह सपना देखेंगे, जहां आप अभी हैं। आप उस जीवन को जीने का सपना देखेंगे, जो आप वास्तव में आज जी रहे हैं। जीवन का सार और वास्तविकता का अनुभव करने का हमारा एकमात्र अवसर वर्तमान क्षण में ही प्रकट होता है। भविष्य की कोई भी योजना या अतीत के बारे में विचार तभी सार्थक होते हैं, जब वे वर्तमान वास्तविकता पर आधारित हों। मन अक्सर अतीत को दोहराकर या भविष्य की कल्पना करके भटकाव पैदा करता है, लेकिन इससे जीवन में देरी होती है और एक लुप्त समय को बल मिलता है।

सूत्र- रही जगह लगाएं ध्यान

भागदौड़ भरे जीवन में, हम अक्सर तनाव और अशांति महसूस करते हैं। हमारा मन भटकता फिरता है, कभी भविष्य की ओर, तो कभी अतीत में डूबा रहता है। हमें लगता है कि मन की शांति केवल पहाड़ों की चोटी पर ही संभव है, लेकिन वह शांति हम अपने साथ लेकर चलते हैं। इसलिए ध्यान को सही जगह लगाएं, हमेशा वर्तमान में रहें।

कूटनीति

युद्धाभ्यास का वैश्विक संदेश

विशाखापत्तनम में संपन्न हालिया युद्धाभ्यास का संदेश यही है कि समुद्र टकराव और आक्रामक शक्ति-प्रदर्शन के नहीं, बल्कि साझेदारी व सहयोग के प्रतीक हैं।

21वीं सदी में समुद्र केवल जलराशि नहीं, बल्कि शक्ति, समृद्धि व रणनीति का केंद्र बन चुके हैं। इस गंभीर सच की रोशनी में भारतीय नौसेना समय-समय पर मित्र देशों की नौसेनाओं के साथ सम्मिलित युद्धाभ्यास करती आई है। इसी श्रृंखला में विशाखापत्तनम में आयोजित 11 से 25 फरवरी तक चलने वाला बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास मिलन अब तक का सबसे बड़ा आयोजन बनकर उभरा है। इसमें 74 देशों के लगभग 90 युद्धपोतों ने भाग लिया है। जहां इसका तात्कालिक प्रभाव उन्नत युद्ध कौशल और बेहतर सामरिक क्षमता के रूप में दिखाई देगा, वहीं इसका दीर्घकालिक उद्देश्य सामूहिक सुरक्षा, नियम-आधारित व्यवस्था व आपसी भरोसे को सुदृढ़ करना है। भारत की अगुवाई में उसके पूर्वी प्रवेशद्वार पर आयोजित युद्धाभ्यास संकेत देता है कि यह हिंद व प्रशांत महासागर ही नहीं, बल्कि वैश्विक समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है।

समुद्री मार्गों की सुरक्षा सभी देशों की साझा चिंता है। इसी पृष्ठभूमि में विश्व के सभी देश यह महसूस करने लगे हैं कि समुद्री डकैती, तस्करी, आतंकवाद और प्राकृतिक आपदाओं जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए बहुपक्षीय सहयोग अनिवार्य है। यह आयोजन भारत की बढ़ती समुद्री भूमिका को भी रेखांकित करता है। भारत एक विश्वसनीय सुरक्षा भागीदार के रूप में उभर रहा है, जहां उसकी नौसेना न

केवल संचालन क्षमता प्रदर्शित करती है, बल्कि समन्वय, प्रशिक्षण व मानवीय सहायता के क्षेत्रों में भी नेतृत्व पेश करती है। भारत समुद्री क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग का वर्षों से प्रशंसनीय प्रदर्शन करता आया है, और विशाखापत्तनम का यह मिलन उसी सोच और रणनीति का सशक्त उदाहरण है। दरअसल, ऊर्जा और व्यापार के प्रमुख समुद्री मार्गों पर नियंत्रण का प्रयास क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में, बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास यह स्पष्ट संदेश देते हैं कि समुद्र किसी एक शक्ति का क्षेत्र नहीं, बल्कि साझा धरोहर हैं, जहां नियम-आधारित व्यवस्था का सम्मान आवश्यक है। इस संदर्भ में क्षेत्रीय कूटनीति और संपर्क की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ सहयोगपूर्ण व सम्मानजनक संबंध की नीति अपनाई है। यह अभ्यास उसी दृष्टिकोण का प्रतीक है।

विशाखापत्तनम में हुए इस युद्धाभ्यास में क्षेत्रीय स्तर पर कनेक्टिविटी, निवेश और आर्थिक कूटनीति के माध्यम से प्रभाव-निर्माण की प्रवृत्तियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं, पर पड़ोसी देशों में बुनियादी ढांचे, बंदरगाहों व संपर्क परियोजनाओं के माध्यम से रणनीतिक उपस्थिति बढ़ाने के प्रयास में कभी-कभी सहयोग की जगह प्रतिस्पर्धा की झलक भी दिखाई पड़ने लगती है। महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के आसपास चीनी नौसेना की बढ़ती ताक-झांक और सक्रियता भी वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के संदर्भ में विशेष महत्व रखती है। इसी दूरदर्शी सोच के साथ विशाखापत्तनम का यह अभ्यास एक संतुलित संदेश भी देता है कि यह न तो टकराव का मंच है, न ही आक्रामक शक्ति प्रदर्शन का, बल्कि यह साझेदारी, स्थिरता और सहयोग की संस्कृति का प्रतीक है। यहां विभिन्न देशों की नौसेनाएं साथ आकर यह प्रदर्शित करती हैं कि मतभेदों के बावजूद संवाद और सहयोग संभव ही नहीं, बल्कि आवश्यक भी है।

इस प्रकार के युद्धाभ्यास यह सिद्ध करते हैं कि 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान एकाकी प्रयासों से नहीं, बल्कि सामूहिक सहयोग से किया जा सकता है। विशाखापत्तनम में आयोजित इस युद्धाभ्यास को मिलन नाम देकर भारत ने इसे केवल सैन्य अभ्यास नहीं, बल्कि वैश्विक सद्भाव और स्थिरता के एक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है।

-अरुणेन्द्र नाथ वर्मा

दूसरा पहलु

आप खुद एक पुस्तकालय हैं

वरिष्ठ नागरिकों को खुद को उस जीवंत पुस्तकालय के रूप में देखना चाहिए, जहां हर समस्या और मानवीय भावना से जुड़ी अनुभवी सलाह उपलब्ध है। जो बुजुर्ग अपने संघर्षों और सीखों को युवाओं के साथ साझा करते हैं, वे मानसिक रूप से कभी वृद्ध नहीं होते।

मानव जीवन विकास के विभिन्न क्रमिक चरणों से गुजरता है, जिसमें अंतिम चरण सबसे चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण भी है। इसीलिए, मैं मानता हूं कि वृद्धावस्था जीवन का अंत नहीं, बल्कि हमारे संपूर्ण अस्तित्व का निचोड़ है। जब हम उम्र के इस पड़ाव पर पहुंचते हैं, तो हमें अपने अतीत को टुकड़ों में देखने के बजाय एक विस्तृत और पूर्ण तस्वीर के रूप में स्वीकार करना चाहिए। जीवन के उतार-चढ़ाव, से स्वागत करना ही समय पर प्राप्त की गई असली जीत है।

सफलताएं और असफलताएं- इन सबका समग्र रूप एरिक एरिक्सन

एक बुजुर्ग व्यक्ति जब अपनी जीवन-यात्रा के प्रति कृतज्ञता महसूस करता है, तो उसके भीतर एक ऐसी गहन शांति

का संचार होता है, जो उतावलेपन से भरे युवाओं के लिए दुर्लभ है। इस अवस्था की सबसे अनमोल देन बुद्धिमानी है। यह वह अद्वितीय गुण है, जो केवल समय की मार, सफेद बालों और चेहरे की झुर्रियों के अनुभव से ही निखरता है। यह वह आंतरिक शक्ति है, जो मृत्यु की अपरिहार्यता के सामने भी जीवन की गरिमा और उसके अर्थ को अक्षुण्ण बनाए रखती है।

अतः, वरिष्ठ नागरिकों को स्वयं को समाज पर भार समझने की भूल कभी नहीं करनी चाहिए। इसके विपरीत, उन्हें खुद को उस जीवंत पुस्तकालय के रूप में देखना चाहिए, जहां हर समस्या और मानवीय भावना से जुड़ी अनुभवी सलाह उपलब्ध है। इस उम्र में प्रेरणा का सबसे अक्षय स्रोत जेनेरेटिविटी है, जिसका अर्थ है अपनी संचित विरासत और ज्ञान को अगली पीढ़ी के हाथों में सौंपना। जो बुजुर्ग अपने संघर्षों और सीखों को युवाओं के साथ साझा करते हैं, वे मानसिक रूप से कभी वृद्ध नहीं होते, बल्कि उनका अस्तित्व तो आने वाली पीढ़ियों के मार्ग को आलोकित करने वाला एक शाश्वत दीपक बन जाता है। इसलिए, वृद्धावस्था आत्म-ग्लानि में डूबने का नहीं, बल्कि स्वयं से यह कहने का समय है कि मैंने अपना जीवन जिया है और इसका हर पल सार्थक था।

एरिक एरिक्सन

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आवको में सुधार के मद्देनजर शुक्रवार को तिलहनों में सरसो बाजार नरमी के रहे। सोयाबीन में मजबूती आयी। दलहनों में चना मजबूत देखा गया। किराना जिंसों में बादाम गिरी में सुर्खी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तिलहनों में आवकें सुधरने से बाजार मजबूती के रहे। सरसो में बाजार 6300-6500 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। सोयाबीन में मजबूती रही। दलहनों में चना 5600-5650 रू. प्रति क्विंटल पर रहा। उधर, किराना जिंसों में बादाम गिरी में पूछपरख से भावों में सुधार का रूख रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4160, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 275-277, सांगली 283-285, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 825-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-950, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1710-1730, मुम्बई 1740, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1270-1280, सोया रिफाइंड 1330-1340, कपास्या 1275-1280, धूलिया 1280, कड़ी 1280,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700-1710, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1365,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6500, रायडा 5300-5700, सोयाबीन 5200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5000-5100, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। कमजोर व्यापार के चलते शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 263500, चाँदी (99) 263000, टंच 262500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 158500,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर 91.06 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार में रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.95 पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की नकारात्मक शुरुआत के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बना। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में और अधिक गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला लेकिन बाद में टूटकर 90.95 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 90.91 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 97.70 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 961.42 अंक टूटकर 81,287.19 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 317.90 अंक फिसलकर 25,178.65 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रियल्टी और ऑटो शेयर गिरे। निफ्टी रियल्टी 2.26 फीसदी और निफ्टी ऑटो 1.86 फीसदी नीचे आये। निफ्टी एफएमसीजी 1.69 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.67 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.55 फीसदी, निफ्टी फार्मा 1.50 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी तरफ निफ्टी आईटी 0.16 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.17 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.60 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 682.55 अंक टूटकर साथ

59,115.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 188.75 अंक फिसलकर 16,928.90 पर था। इस गिरावट से निवेशकों को पांच लाख करोड़ का नुकसान हुआ है।

सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, ट्रेंट, इन्फोसिस भी लाभ में रहे थे। वहीं सन फार्मा, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, इंडिगो, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे हैं। आज आई गिरावट का कारण विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली एफआईआई ने 3,465.99 करोड़ रुपए के इक्विटी की बिक्री की थी। इसके अलावा ईरान-अमेरिका के बीच कोई डील न होना, डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट और वैश्विक बाजार से कमजोर संकेत शामिल थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 82,246 अंक पर लगभग सपाट खुला। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 237.94 अंक की बढ़त के साथ 82,010.67 पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर 25,496.55 अंक पर बंद हुआ था। बाजार पर दबाव की एक बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव है।

अमेरिका-ईरान तनाव से तेल के 110 डॉलर तक पहुंचने की आशंका

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक तेल बाजार में हलचल मचा दी है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क बेंट क्रूड की कीमतें हाल के दिनों में करीब 10 प्रतिशत बढ़ चुकी हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं तो ब्रेंट कच्चा तेल 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है, जो मौजूदा स्तर से लगभग 57 प्रतिशत अधिक होगा। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ हारमुज से जुड़ा है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इसी रास्ते से गुजरते हैं। साथ ही दुनिया की करीब 20 प्रतिशत गैस सप्लाई भी इसी मार्ग पर निर्भर है। यदि किसी सैन्य टकराव या अवरोध के कारण यहां से आपूर्ति बाधित होती है, तो तेल कीमतों में 20 से 40 डॉलर प्रति बैरल तक का अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम जुड़ सकता है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि तनाव गहराने पर कीमतें 95 से 110 डॉलर प्रति बैरल या उससे ऊपर जा सकती हैं। फिलहाल फरवरी में ब्रेंट लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है और हाल ही में यह 72 डॉलर तक पहुंचा था। निवेशकों और कारोबारियों में आशंका है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर असर पड़ सकता है। हालांकि अगर अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक समाधान निकलता है और किसी प्रकार की सैन्य कार्रवाई नहीं होती, तो कीमतों में तेजी सीमित रह सकती है। ऐसे परिदृश्य में ब्रेंट फिर से 60 डॉलर के निचले स्तर तक आ सकता है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर मौजूद अतिरिक्त उत्पादन क्षमता भी संभावित आपूर्ति झटकों को संतुलित कर सकती है।

डीजीसीए ने हवाई टिकट रिफंड और संशोधन नियमों में किया बड़ा बदलाव

प्लेन की टिकट कैंसिल करवाने पर नहीं कटेगा पैसा, बस समय का रखें ध्यान

नई दिल्ली। एजेंसी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हवाई टिकट रिफंड और संशोधन के नियमों में अहम बदलाव किए हैं। नए प्रावधानों के तहत यात्री बुकिंग के 48 घंटे के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या बदल सकते हैं। यदि यात्री नई उड़ान चुनते हैं और उसका किराया अधिक है, तो किराए का अंतर देना होगा। यह सुविधा तब लागू होगी जब उड़ान की तारीख- घरेलू मामलों में कम से कम 7 दिन और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम 15 दिन दूर हो। 48 घंटे के बाद सामान्य रद्द/रिफंड नियम लागू होंगे। डीजीसीए ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह भी तय किया है कि अगर टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक किया गया है और 24 घंटे के भीतर नाम में कोई गलती बताई जाती है, तो एयरलाइन कोई शुल्क नहीं लेगी। यह नियम केवल सीधे बुकिंग पर लागू होगा और छोटी-छोटी टाइपिंग गलतियों के लिए यात्रियों को राहत देगा। अगर टिकट ट्रैवल एजेंट या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से खरीदा गया है, तो रिफंड की जिम्मेदारी एयरलाइन की होगी, क्योंकि एजेंट उनके अधिकृत प्रतिनिधि माने जाते हैं। एयरलाइन को 14 कार्य दिवसों के भीतर रिफंड प्रक्रिया पूरी करनी होगी। देरी होने पर नियामक कार्रवाई की संभावना होगी, जिससे यात्रियों का पैसा लंबे समय तक फंसा नहीं रहेगा। चिकित्सा आपात स्थिति में यदि यात्री या उसी पीएनआर पर परिवार का कोई सदस्य अस्पताल में भर्ती होता है, तो एयरलाइन रिफंड या क्रेडिट नोट का विकल्प दे सकती है। अन्य परिस्थितियों में रिफंड के लिए एयरलाइन या डीजीसीए द्वारा सूचीबद्ध विशेषज्ञ से फिटनेस' प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य होगा। दिसंबर 2025 में एयरलाइंस को 29,212 शिकायतें मिली थीं, जिनमें लगभग 7.5 प्रतिशत रिफंड से संबंधित थीं।

मेष- आज का दिन आपके लिए उम्मीदों से भरा और बाकी दिनों से कहीं ज्यादा सकारात्मक रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कोई नया पद या जिम्मेदारी मिलने की संभावना है, जिससे आपका मन उत्साह से भर जाएगा और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। विद्यार्थियों को सफलता पाने के लिए एकाग्र होकर मेहनत करनी होगी, क्योंकि यही समय उनकी दिशा तय करेगा। किसी विरोधी की बातों में आकर अपने फैसले कमजोर न करें, क्योंकि आपकी समझ ही आपकी ताकत है। छोटी-छोटी योजनाओं से भी लाभ के अवसर मिलेंगे, जो आगे चलकर बड़े फायदे का आधार बन सकते हैं।

वृषभ- आज आपके अंदर आगे बढ़ने और खुद को साबित करने की प्रबल इच्छा रहेगी। प्रतिस्पर्धा का भाव आपको मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगा और आपकी मधुर वाणी लोगों के दिलों में जगह बनाएगी। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से आपकी पहचान और सम्मान दोनों बढ़ेंगे। किसी राजनीतिक या प्रशासनिक विषय से जुड़ी हल्की परेशानी आ सकती है, इसलिए सतर्क रहें।

मिथुन- आज आपको हर काम में धैर्य और संतुलन बनाए रखने की जरूरत होगी। व्यवसाय में बड़ा जोखिम उठाने से बचना ही समझदारी होगी, क्योंकि धीरे-धीरे बढ़ना ज्यादा सुरक्षित रहेगा। अपने कामों में स्पष्टता बनाए रखने से आप उलझनों से दूर रहेंगे। सरकारी योजनाओं या सुविधाओं से लाभ मिलने के संकेत हैं।

कर्क- आज आपके नेतृत्व गुण खुलकर सामने आएंगे और टीम के साथ मिलकर काम करने का अवसर आपको नई पहचान देगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम और तालमेल बना रहेगा, जिससे मन संतुष्ट रहेगा। छोटे बच्चों की खुशी के लिए आप कोई उपहार ला सकते हैं, जिससे घर का माहौल और खुशनुमा होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होने से मन में संतोष रहेगा और धन-धान्य में वृद्धि के योग हैं।

सिंह- आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन खास रहने वाला है, क्योंकि उन्हें मनपसंद काम मिलने से उत्साह बढ़ेगा और मेहनत का फल भी मिलेगा। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। अपने कामों में स्पष्टता रखना जरूरी होगा, क्योंकि यही आपकी सफलता का आधार बनेगा। विरोधियों की बातों में न आएं और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखें।

कन्या- आज का दिन सफलता और संतोष लेकर आएगा। आपके मन में प्रेम और सहयोग की भावना बनी रहेगी, जिससे रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। पुराने लेन-देन को निपटाने का समय आ सकता है, इसलिए आर्थिक योजना बनाकर आगे बढ़ना बेहतर रहेगा। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती है, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा।

तुला- करियर के लिहाज से आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत दे रहा है। रुका हुआ या डूबा धन वापस मिलने से मानसिक राहत और खुशी दोनों मिलेंगी। आपकी कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। जरूरतों के अनुसार योजनाबद्ध तरीके से काम करना आपको सफलता दिलाएगा।

वृश्चिक- आज आपके आसपास का माहौल सकारात्मक और आनंदमय रहेगा। आप सबको साथ लेकर चलने की कला से लोगों का विश्वास जीतेंगे। हालांकि किसी की सलाह पर आंख बंद करके चलना ठीक नहीं होगा, अपने निर्णय खुद लें। कोई सहयोगी समय पर आपकी मदद के लिए आगे आ सकता है। सेहत के मामले में पुरानी समस्या थोड़ी परेशान कर सकती है, इसलिए ध्यान रखें।

धनु- आज का दिन प्रगति और उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिलने से आपकी पहचान और पद दोनों मजबूत हो सकते हैं, साथ ही वेतन वृद्धि की संभावना भी है। हालांकि कोई मित्र अनजाने में आपके काम में बाधा डाल सकता है, इसलिए सतर्क रहें। नया काम शुरू करने का विचार अच्छा रहेगा, लेकिन परिवार और भाई-बहनों से सलाह लेना समझदारी होगी। अविवाहित लोगों के जीवन में नए रिश्ते की शुरुआत के संकेत हैं।

मकर- आज का दिन रचनात्मकता और आत्मविश्वास से भरा रहेगा। आप नई योजनाओं और सृजनात्मक कार्यों में उत्साह से भाग लेंगे। जरूरतमंद की मदद करने से मन को सुकून मिलेगा। यदि आप राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हैं, तो सम्मान मिलने की संभावना है। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना ही आपको सफलता दिलाएगा। परिवार के साथ समय बिताने और खुलकर बातचीत करने से रिश्तों में चल रही उलझने दूर होंगी।

कुंभ- आज आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने और आर्थिक संतुलन बनाए रखने की जरूरत होगी। आसपास के लोगों को पहचानना जरूरी होगा, क्योंकि कुछ विरोधी आपके रास्ते में रुकावट डाल सकते हैं। किसी अजनबी की सलाह पर निवेश करने से बचें। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न होगा। लंबे समय से अटका सरकारी काम पूरा होने के संकेत हैं और माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए सौभाग्य का कारण बनेगा।

मीन- आज का दिन उपलब्धियों और सम्मान का संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और नए अवसर आपके सामने आएंगे। सहकर्मियों का सहयोग आपको हर काम में मजबूती देगा। हालांकि अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, क्योंकि छोटी बात भी गलतफहमी पैदा कर सकती है। सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करने से बचें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह से जुड़ी बाधा दूर होने से खुशियों का माहौल बनेगा और वैवाहिक जीवन में भी मधुरता बनी रहेगी।

शब्दजाल - 8184

न	ख	रे	बा	ज	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	चा	इ	ता	प
कि	स्से	बा	ज	बा	छ	ची	ल	रा	क	त्ते
री	ज	र	दो	पु	धो	खे	बा	ज	त	बा
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	ज	ग	व	ज
अ	द	फि	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
खा	ले	म	क	या	झां	र	जां	बा	ज	ल
ड़े	र्ज	ल्जा	ई	रे	से	क	गो	लो	श	ण
बा	बा	म	न	ब्र	बा	य	री	श	प	क
ज	दु	आ	प	व	ज	ज	ऐ	बें	हा	त
क	ब	ल्ले	बा	ज	ल	गा	य	द	प	थ

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'बाज' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

बल्लेबाज, झांसेबाज, चालबाज, जांबाज, किस्सेबाज, अखाड़ेबाज, फिकरेबाज, नखरेबाज, पत्तेबाज, धोखेबाज

शब्दजाल - 8183 का हल

श	रा	अं	धे	रा	उ	जा	ला	झ	क	चि
खा	ली	भ	रा	रिं	लै	ता	भ	शा	को	चि
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	हा	र	जी	त
प	म	दा	च	ल	क	ड़	नि	दा	र	प
व	पा	र	स्व	र्ग	न	र्क	चि	स	र	ट
ह	स	प	ए	दा	ह	ला	पू	ख	न	ती
ट	दू	बु	अ	डी	म	ट	ह	रा	ह	क
बा	र	वा	ला	क	चो	सौ	न	ट	आ	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दी	ने	दा	र	धा
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	म	र्द	औ	र	त	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7128

1	2		3		■	4		5	
6		■		■	7		■		■
■	8	9		■		■	10		
11	■		■	12		13	■		■
14	15		16	■	17			■	18
19		■	20		■		■	21	
	■	22		■	23		24	■	
■	25		■	26		■	27		
28	■	29		■	■	30		■	■
31			■	32		■	33		

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7127

त्रि	शु	ल	■	ग	दा	र	■	धा	■
दे	■	गा	य	ब	■	ह	म	शा	ज
व	च	न	■	न	ग	मा	■	वी	रू
■	र	■	घ	■	ज	न	म	■	र
ती	स	री	मं	जि	ल	■	दा	व	त
स	■	■	डी	■	■	नू	री	■	■
श	जा	जी	■	अ	मृ	त	■	प	■
कौ	न	■	■	प	■	न	व	रं	ग
न	■	अ	नु	रा	ग	■	■	प	■
■	जु	म्मा	■	ध	■	अ	प	रा	ध

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8652

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10			■		■	11		
■	■	12		■	13		■	■
14			■	15	■	16		17
	■	■	18		19		■	
20	21	■		■		■	22	
■	23			■	24			■

बाएँ से दाएँ

1.सरस्वती-3
3.किनारा,तट-3
5.मूल्य,कीमत-2
6.उस समय-2
8.प्रबंध,व्यवस्था-4
10.नमक-3
11.अधीन,मातहत-3
12.संज्ञा,संबोधन-2
13.मार्ग,रास्ता-2
14.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16.धुन,आसक्ति-3
18.जमानत-4
20.रहस्य-2
22.पुत्र,तनय-2
23.मुलायम-3
24.गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1.संध्या,सांझ-2
2.असुर,दैत्य-3
3.शोरबा,रसा-3
4.बुरी आदत-2
5.प्रवेश,एडमिट-3
7.वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8.प्रियतम,साजन-4
9.अनाज-2
11.सनसनी,रोमांच-4
14.तृतीय-3
15.सच्चाई,सत्य-2
17.जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18.मुंशी,दीवान-3
19.रवैया,तरीका-3
21.आम जनता-2
22.लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8651 का हल

■	ना	ह	र	■	■	आ	■	सी
गाँ	■	म	■	फ	स	ल	■	ल
क	म	ला	क	र	■	म	ही	न
■	■	ब	■	क	म	■	र	■
ब	ना	र	स	■	द	र	क	ना
■	जु	■	म	य	■	ख	■	■
अ	क	ल	■	ती	मा	र	दा	री
स	■	क	र	म	■	खा	■	स
ली	■	बा	■	■	ह	ब	न	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.11 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	08.42 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.22 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.20 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.33 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	16.49 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.01 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.12 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.27 ब.से
राहुकाल		धनु	01.43 बजे से
9.00 से 10.30		मकर	03.48 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.34 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 59 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 20.44 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 09.35 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 17.02 बजे को समाप्त।
करण बव 09.37 बजे तदनन्तर बालव 20.44 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872634
जूलियन दिन 2461099.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 10
विशेष गोविन्द द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः समझदार न्यायाधीश

पेशवा माधवराव के शासन में लोगों से बेगार लेकर सरकारी कार्य करवाए जाते थे, जिन्हें श्रमदान कहा जाता था। लोगों से प्रायः जबरदस्ती काम करवाए जाते थे। राम शास्त्री उस समय प्रधान न्यायाधीश थे। एक दिन वह कहीं जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने देखा कि एक सिपाही किसी नौजवान किसान को पीट रहा था। उसकी मां रो-रोकर उसे छोड़ देने की प्रार्थना कर रही थी। वह किसान अपनी मां का इकलौता बेटा था और अपने खेत का काम कर रहा था। यदि वह बेगार निपटाने जाता तो उसके खेत का काम अधूरा रह जाता। यह दृश्य देखकर राम शास्त्री सिपाही के पास गए और नवयुवक को छोड़ देने को कहा। सिपाही ने प्रधान न्यायाधीश की बात नहीं मानी बल्कि उन्हें सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में पेशवा के सम्मुख पेश कर दिया। उन्हें देखकर पेशवा माधवराव बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने कहा कि प्रधान न्यायाधीश भी सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में दंड का हकदार है। यह सुनकर राम शास्त्री बेहद विनम्र स्वर में पेशवा से बोले, 'सरकार, आप मुझे जो भी दंड देंगे वह स्वीकार है। मगर इन दिनों खेतों में काम बहुत है। अगर ये मजदूर अपना काम छोड़कर आपकी सेवा में आते हैं तो इनके खेत बेकार पड़े रहेंगे। इससे इनका तो नुकसान होगा ही, साथ ही राज्य को भी हानि होगी। इनसे उस समय काम लेना चाहिए जब इनके पास खेतों का कोई विशेष कार्य न हो।' फिर वह पकड़े गए किसानों की ओर देखकर बोले, 'बोलो, तुम क्या चाहते हो?' इस पर सभी किसान एक स्वर में बोले, 'यही, जो आपने कहा। हमें अपने राजा के लिए काम करने से इनकार नहीं है पर समय उचित होना चाहिए।' किसानों की बात सुनकर पेशवा को अपना निर्णय बदलना पड़ा। उन्होंने सबको सकुशल घर लौट जाने की आज्ञा दे दी। साथ ही बेगार की प्रथा को भी समाप्त कर दिया। इसके लिए किसानों ने राम शास्त्री के प्रति आभार प्रकट किया।

सूडोकु नवताल- 7437

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7436 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

एकता कप रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का लांजी में सीजन-3 का हुआ समापन

लक्ष्य इलेवन ने रोमांचक मुकाबले में फाइनल जीतकर रचा इतिहास, कामिल त्यागी का दमदार प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर में खेल और उत्साह का माहौल उस समय चरम पर पहुंच गया जब न्यू चैंपियंस क्रिकेट क्लब लांजी द्वारा आयोजित एकता कप रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-3 का भव्य समापन हुआ। रात्रि प्रकाश (फ्लडलाइट) में आयोजित इस प्रतियोगिता ने न केवल स्थानीय बल्कि बाहरी राज्यों से आए खिलाडियों और दर्शकों का भी भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेले गए सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों ने रोमांच की नई मिसाल पेश की। मैदान पर खिलाडियों का जोश और दर्शकों की तालियों की गूंज देर रात तक सुनाई देती रही।

सेमीफाइनल मुकाबलों में दिखी कांटे की टक्कर

अंतिम दिन का पहला सेमीफाइनल मुकाबला किन्हीं टाइटन्स और साईं आराध्या मध्य के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन किन्हीं टाइटन्स ने बेहतर रणनीति और संतुलित प्रदर्शन के दम पर जीत दर्ज करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल एंडी ब्रदर्स और लक्ष्य इलेवन के मध्य खेला गया। इस मुकाबले में लक्ष्य इलेवन ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। अंततः लक्ष्य इलेवन ने निर्णायक जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबले में लक्ष्य इलेवन का दबदबा

फाइनल मैच किन्हीं टाइटन्स और लक्ष्य इलेवन के बीच खेला गया। मुकाबला अत्यंत रोमांचक रहा, लेकिन लक्ष्य इलेवन ने शानदार बल्लेबाजी और सधी हुई गेंदबाजी के दम पर मैच पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। उत्तराखंड से आए ऑल इंडिया आइकन खिलाड़ी कामिल त्यागी ने अपने आक्रामक शॉट्स और बेहतरीन प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। उन्होंने महत्वपूर्ण समय पर रन बनाकर टीम की जीत सुनिश्चित की। उनकी पारी को फाइनल की निर्णायक पारी माना गया। अंततः लक्ष्य इलेवन ने किन्हीं टाइटन्स को पराजित कर एकता कप सीजन-3 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

आकर्षक पुरस्कार राशि

प्रतियोगिता में विजेता टीम लक्ष्य इलेवन को 1,22,222 नगद राशि एवं आकर्षक ट्रॉफी प्रदान की गई। उपविजेता किन्हीं टाइटन्स को 66,666 की नगद राशि से सम्मानित किया गया। वहीं, सेमीफाइनल में पराजित दोनों टीमों को 11,000-11,000 की प्रोत्साहन राशि दी गई। पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित अतिथियों ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया और आयोजकों की सराहना की।

देशभर के चर्चित खिलाड़ियों की रही भागीदारी

एकता कप में देश के विभिन्न राज्यों से कई चर्चित ऑल इंडिया आइकन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। सागर भंडारी, आशीष पाजी, दिलीप बिजवा, कामिल त्यागी, अश्विन सहारे, ताबिश खान, नदीम नागपुर, बब्बू नागपुर, विकास मौर्य, प्रतीक शर्मा, निखिल पारधी एवं आशीष गौतम सहित अनेक खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इन खिलाड़ियों की मौजूदगी ने प्रतियोगिता के स्तर को और ऊंचा कर दिया तथा दर्शकों को उच्च स्तरीय खेल देखने का अवसर मिला।

डांसिंग अंपायर ने बटोरीं सुर्खियां

प्रतियोगिता का एक विशेष आकर्षण छत्तीसगढ़ से आए प्रसिद्ध डांसिंग अंपायर बिट्टू रंगीला रहे। मैच के दौरान उनके अनोखे डांस स्टेप्स और मनोरंजक अंदाज ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। हर चौके-छक्के और विकेट पर उनका अंदाज चर्चा का विषय बना रहा।

गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति

समापन समारोह में लांजी के एसडीएम कमल सिंहसार, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, सीएमओ मयूर वाहने, इंजीनियर अमित नागपुरे सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए इसे क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को मंच देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

आयोजकों ने जताया आभार

क्लब अध्यक्ष विशाल दुग्गड ने सभी टीमों, खिलाड़ियों, अतिथियों एवं नगरवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि खेल भावना और अनुशासन ही इस प्रतियोगिता की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। क्लब संरक्षक अजीम बन्देलीं ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाले वर्षों में एकता कप का आयोजन और भी भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप में किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों—विशाल दुग्गड, अजीम बन्देलीं, नितिन बड़घइया, सफीक खान, उज्जवल मेश्राम, आदित्य गोस्वामी, पार्थ पांडे, निलेश दुर्गकर, मनीष अतकरे, फरदीन लालनी, सागर गोदुले, गौरव बेस, राकेश रामटेक्कर, राजा परवेज, फिरदौस खान, मोहसिन साबरी, योगेश जुझार, दीनू उइके, हर्ष बख्शी, शिव सोनवाने, विजय दुर्गकर सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

खेल, उत्साह और एकता का संगम

एकता कप सीजन-3 ने यह साबित कर दिया कि छोटे नगरों में भी खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। खिलाड़ियों का जोश, दर्शकों का उत्साह और आयोजकों की मेहनत ने इस प्रतियोगिता को यादगार बना दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा महिला सशक्तिकरण विषय पर जागरूकता रैली नुक्कड़ नाटक एवं बौद्धिक सत्र का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्स) शिविर के चतुर्थ दिवस 27 फरवरी को ग्राम कटंगी में महिला सशक्तिकरण विषय पर विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: प्रभात फेरी एवं जागरूकता रैली से की गई, जिसके माध्यम से ग्रामीणों को महिला सशक्तिकरण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

रैली के पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम में स्थित तालाब की साफ-सफाई कर श्रमदान किया गया। इसके बाद महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, जिसे ग्राम कटंगी के चौराहे पर प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज में महिलाओं की भूमिका, अधिकारों एवं उनके सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। बौद्धिक सत्र का आयोजन दोपहर 2 बजे से किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. वर्तिका वर्मा (हस्स नेशनल कोऑर्डिनेटर) तथा श्रीमती शकुंतला नारनौरे (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक शाला कटंगी) उपस्थित रहीं। इस अवसर पर डॉ. वर्मा द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न गतिविधियों, नियमों एवं उद्देश्यों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत ग्राम कटंगी में विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं दे रही महिलाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्रीमती योगिनी हनोते (शिक्षक प्राथमिक शाला कटंगी), अनिता उईके (आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) एवं शारदा उईके (आशा कार्यकर्ता) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

महाविद्यालय की ओर से विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सपना संडे (सहायक प्राध्यापक) की उपस्थिति रही। साथ ही श्रीमती ममता नागरे, कु. अंजली सोनी, लखन बघेल एवं शुभम रामटेके ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का मंच संचालन स्वयंसेवक पल्लवी कड़े द्वारा किया गया। अंत में स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिससे कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

होली पर्व को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

एसडीएम ने कहा क्षेत्र की जनता शांति और सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाये त्यौहार

पद्मेश न्यूज। लांजी। पुलिस थाना लांजी के सभा हॉल में 27 फरवरी को नगर के शांति समिति सदस्य गण, गणमान्य जन, पत्रकार बंधुओं, जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अमले के द्वारा होली पर्व को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम कमलचंद सिंहसार, सहित थाना प्रभारी दीप सिंह परमार, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर की प्रमुख उपस्थिती में कि गई। एसडीएम कमलचंद सिंहसार ने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुये कहा कि होली पर्व शांति और पूर्ण सौहार्द के साथ मनाई जाये। शांति समिति में उपस्थित सदस्य गणो के द्वारा पर्व के समय होने वाली समस्याओ से भी प्रशासनिक अमले को अवगत कराया गया। जिसमें होली पर्व में शराब दुकानो के सामने लोग हुडदंग करते है, युवा वर्ग होली में फर्रादे दार वाहनो को दौडाते है जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। वर्तमान में बोर्ड परीक्षाऐं प्रारंभ बावजूद इसके धडल्ले से डीज बैण्ड बाजे बज रहे है। पर्व के समय विद्यार्थियो की आवाजाही रहती है उनकी सुरक्षा को लेकर भी पुलिस इंतजाम करे। चौक चौराहो पर पुलिस प्रशासन विशेष ध्यान दे। इसके अलावा भी अन्य विषयों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में श्री सिंहसार ने सदस्यो से कहा कि सामाजिक प्रतिभागिता आवश्यक यदि आप सभी जन का सहयोग रहा तो पर्व शांति सौहार्द वातावरण में संपन्न होगा। इस दौरान प्रमुख रूप से ताराचंद कालबेले, अजय अवसरे, दिनेश लाड़े, सौरभ मोनू पशीने, अशोक पालीवाल, प्रमोद अग्रवाल, दिनेश कचवाहे, किशोर रामटेककर, गौरीशंकर सातपुते, विजय गोस्वामी,अधिवक्त बबीता पशीने, डॉ सुचिता ऐडे, श्रीमती मोना सिद्धू कौर, सरपंच गणेश नारनौरे, धीरज वाहने, शरद सोनवाने सहित पत्रकार गण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आज से सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 वर्ष की बालिकाओं को लगाया जाएगा टीका

जिले के 10 केंद्रो पर टीकाकरण का होगा शुभारंभ, 12 हजार 449 बालिकाओं को टीका लगाने का लक्ष्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ब्रेस्ट कैंसर एवं सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय का कैंसर) के कारण महिलाओं की अधिक संख्या में मृत्यु हो जाती है। ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाइकल कैंसर ऐसी बीमारी है, जिससे महिलाओं की मृत्यु अधिक होती है। सर्वाइकल कैंसर से महिलाओं की मृत्यु को रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा 28 फरवरी से 14 वर्ष की बालिकाओं का टीकाकरण अभियान शुरू किया जा रहा है। बालाघाट जिले में भी यह अभियान 28 फरवरी से 10 केंद्रो पर शुरू किया जा रहा है। सर्वाइकल कैंसर ही एक मात्र कैंसर है जिसे टीकाकरण से रोका जा सकता है, बाकि अन्य प्रकार के कैंसर का टीका तैयार नही हुआ है और उनका केवल उपचार किया जा सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर का टीका प्राईवेट अस्पतालों में 04 हजार रुपए प्रति डोज के मान से लगाया जाता है। इस टीके के 02 डोज लगाना होता है, लेकिन शासन द्वारा 28 फरवरी से शुरू किये जा रहे अभियान में मात्र एक डोज ही लगाया जाएगा और यह पूरी तरह निश्शुल्क रहेगा। सर्वाइकल कैंसर का यह टीका उन्हीं बालिकाओं को लगाया जाएगा जिनकी आयु 14 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, अर्थात जिन बालिकाओं ने अपना 14वॉ जन्मदिन मना लिया है, लेकिन 15वॉ जन्मदिन नही मनाया है उन्हें यह टीका लगाया जाएगा। डॉ. उपलप ने बताया कि बालाघाट जिले में 14 वर्ष आयु की 12 हजार 449 बालिकाओं के सर्वाइकल कैंसर का टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। 28 फरवरी को इस टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। जिले में सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण के लिए 10 केंद्र बनाये गए है। इनमें जिला चिकित्सालय बालाघाट को 1998, सिविल अस्पताल बैहर को 1633, सिविल अस्पताल लांजी को 1185, सिविल अस्पताल वारासिवनी को 1228, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरसा को 1487, कटंगी को 1360, खैरलांजी को 1009, किरनापुर को 903, लालबर्रा को 853 एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसवाडा को 793 बालिकाओं के टीकाकरण का लक्ष्य दिया गया है। 28 फरवरी को इन्हीं संस्थाओं में 14 वर्ष की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर का टीका लगाया जाएगा। डॉ. उपलप ने बताया कि टीकाकरण के लिए बालिकाओं को अपना आधार कार्ड एवं मोबाईल नम्बर साथ मे लेकर आना होगा। यह टीका पूरी तरह निश्शुल्क और इसकी कोई राशि नही ली जाएगी। प्राईवेट अस्पतालों में 04-04 हजार रुपए में इस टीके के 02 डोज लगाये जाते है। मुफ्त में टीका लगाने के लालच में कोई भी बालिका इस अभियान में टीका लगाने नही आना चाहिए। क्योंकि यदि बालिका को प्राईवेट अस्पताल में पहला डोज लग चुका है और वह दूसरा डोज इस अभियान में लगाना चाहे तो अलग-अलग प्रकार का टीका होने के कारण बालिका के शरीर में जटिलता हो सकती है। अत: प्राईवेट अस्पताल में टीका लगा चुकी कोई भी बालिका इस अभियान का लाभ न ले। महिलाओं में होने वाले कैंसरों में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) एक प्रमुख और गंभीर बीमारी है, किंतु समय पर जागरूकता, नियमित जांच एवं टीकाकरण के माध्यम से इसे रोका जा सकता है। चिकित्सकों के अनुसार इस कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) संक्रमण है, जो सामान्यत: यौन संपर्क के माध्यम से फैलता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि प्रारंभिक अवस्था में सर्वाइकल कैंसर के लक्षण स्पष्ट नहीं होते, परंतु असामान्य रक्तस्राव, दुर्गंधयुक्त स्राव, कमर या श्रोणि में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए HPV टीकाकरण अत्यंत प्रभावी उपाय है।

पीजी कॉलेज बालाघाट में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का हुआ सामूहिक गायन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्गीत 'वंदे मातरम' के गायन एवं वादन के दौरान उचित शिष्टाचार का पालन तथा राष्ट्रीय गीत के प्रति सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 27 फरवरी को प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट (पीजी कॉलेज) में एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्गीत 'वंदे मातरम' का सामूहिक एवं अनुशासित गायन किया गया। कार्यक्रम में सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं पूर्ण उत्साह और गरिमा के साथ उपस्थित रहे। सामूहिक स्वर में गूंजते 'वंदे मातरम्' ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और राष्ट्रीय गर्व की भावना से ओतप्रोत कर दिया।इस अवसर पर राष्ट्गीत के गायन के दौरान पालन किए जाने वाले शिष्टाचार, मर्यादा एवं सम्मान के विषय में आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रतीकों के महत्व और उनके प्रति कर्तव्यबोध की जानकारी दी गई। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मराठे ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल राष्ट्प्रेम को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि युवा पीढ़ी में अनुशासन, संस्कार और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्था को भी मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र के प्रति समर्पण और एकता के संकल्प के साथ हुआ।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र विधानसभा की कार्रवाई अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, समय से पहले सिमटा बजट सत्र, ...

10 दिन चले बजट सत्र में कुल 62 घंटे हुई कार्यवाही

भोपाल। मप्र विधानसभा की कार्रवाई शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि इस बजट सत्र में कुल 62 घंटे की कार्यवाही हुई। विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और बहस को सराहा। सत्र की शुरुआत 16 फरवरी से हुई थी, जिसके बाद 18 फरवरी को प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने सदन में बजट पेश किया था। विधानसभा बजट सत्र 6 मार्च तक चलना था।

बजट सत्र 10 दिनों तक चला, जिसमें विभिन्न विभागों के बजट पर विस्तार से चर्चा हुई और सदन में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव और ध्यानाकर्षण पेश किए गए। इस दौरान सरकार और विपक्ष के बीच कई मुद्दों पर गर्मागर्म बहस देखने को मिली। विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और विस्तृत चर्चा की सराहना की और कहा कि अगले सत्र की तारीख और समय की जानकारी बाद में साझा की जाएगी।

विपक्ष ने उठाए सवाल

सत्र के समय से पहले समापन पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने कड़ा ऐतराज जताया है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार जनहित के मुद्दों, विशेषकर कानून-व्यवस्था और किसानों की समस्याओं पर चर्चा से बचना चाहती है, इसलिए सत्र को आनन-फानन में समाप्त कर दिया गया।

सत्र की प्रमुख उपलब्धियां

सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 का राज्य बजट पारित किया गया। सरकार ने

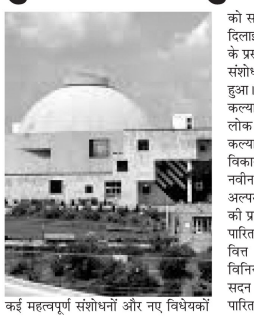

कई महत्वपूर्ण संशोधनों और नए विधेयकों को सदन के पटल पर रखा और उन्हें मंजूरी दिलाई। शुक्रवार को श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल के प्रस्ताव पर मध्य प्रदेश श्रम कल्याण निधि संशोधन विधेयक 2026 सदन में पारित हुआ। इसके साथ ही खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता, जल संसाधन, खाद्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, उद्यानिकी, ऊर्जा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, एमएसएमई, अल्पसंख्यक कल्याण सहित अन्य विभागों की प्रस्तावित अनुदान मांगें बिना चर्चा के ही पारित घोषित कर दी गईं। इसके बाद वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने मध्य प्रदेश विनियोग क्रमांक-2 विधेयक दोबारा सदन में प्रस्तुत किया, जिसे ध्वनिमत से पारित घोषित कर दिया गया।

पांच दिवसीय कार्य व्यवस्था पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए

मप्र में अटेंडेंस पर सख्ती को लेकर कर्मचारी अधिकारी संघ की मांग

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अनिवार्य रूप से समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए जाने के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बीच, जब वे दौरे पर हैं और मुख्य सचिव भी प्रदेश से बाहर कार्यक्रम में शामिल हैं, तब सामान्य प्रशासन विभाग ने मंत्रालय परिसर में औचक निगरानी शुरू कर दी। सूत्रों के मुताबिक मंत्रालय के विभिन्न विभागों में देर से आने वाले कर्मचारियों की सूची तैयार की गई, जिससे कर्मचारियों में हडकंप की स्थिति बन गई। समयपालन को लेकर यह कार्रवाई सरकार की कार्यसंस्कृति सुधारने की पहल के रूप में देखी जा रही है। इस बीच मध्य प्रदेश कर्मचारी अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करना आवश्यक है, लेकिन यह नियम केवल कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जितेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि कई अधिकारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचते और जनता से मिलने के लिए निर्धारित एक घंटे का बोर्ड तो लगा देते हैं, लेकिन जब आम नागरिक मिलने आते हैं तो अधिकारी बैठक में व्यस्त हो जाते हैं। उन्होंने मांग की कि ऐसे अधिकारियों की भी मॉनिटरिंग की जाए और उनकी उपस्थिति व कार्यशैली की सूची सार्वजनिक की जाए। कर्मचारी नेता ने यह भी कहा कि यदि समयपालन का नियम सभी स्तरों पर समान रूप से लागू नहीं किया गया, तो 'फाइव डेज वर्किंग' व्यवस्था पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि या तो सभी कर्मचारी और अधिकारी समान नियमों के तहत काम करें, अन्यथा सप्ताह में छह दिन कार्य प्रणाली को फिर से लागू किया जाए। इस पूरे घटनाक्रम ने मंत्रालय की कार्यप्रणाली और जवाबदेही को लेकर नई बहस छेड़ दी है। एक ओर सरकार प्रशासनिक अनुशासन मजबूत करने की बात कर रही है, तो दूसरी ओर कर्मचारी संगठन पारदर्शिता और समान नियम लागू करने की मांग उठा रहे हैं। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच चर्चा की संभावना जताई जा रही है।

शराब दुकानों के लिए ई-टेंडर प्रक्रिया शुरू

- तीन चरणों में 3500 शराब दुकानों के ठेके दिए जाएंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश में नई आबकारी व्यवस्था के तहत इस बार करीब साढ़े तीन हजार शराब दुकानों के ठेके तीन चरणों में दिए जाएंगे। आबकारी विभाग ने सभी जिलों की कंपोजिट शराब दुकानों के लिए ई-टेंडर आमंत्रित कर दिए हैं और पहले चरण की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो रही है। इस बार सरकार ने रिजर्व प्राइस को पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत तक बढ़ाया है। अधिकारियों के अनुसार दुकानों का आवंटन 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए किया जाएगा। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला निष्पादन समिति पूरी ई-टेंडर प्रक्रिया की निगरानी करेगी। नई व्यवस्था के तहत वाइन शॉप और एयरपोर्ट काउंटर को छोड़कर बाकी सभी दुकानें कंपोजिट होंगी, यानी एक ही दुकान से देशी और विदेशी दोनों प्रकार की शराब की बिक्री होगी। साथ ही किसी भी दुकान पर बैठकर शराब पीने की अनुमति नहीं रहेगी। सरकार का तर्क है कि इससे व्यवस्था अधिक पारदर्शी और नियंत्रित बनेगी।

2 मार्च को खोले जाएंगे ई-टेंडर

पहले चरण में 1 मार्च तक ऑनलाइन टेंडर डाउनलोड और ऑफर सबमिट किए जा सकेंगे। 2 मार्च को दोपहर 2 बजे ई-टेंडर खोले जाएंगे। इसके बाद निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन बोली प्रक्रिया चलेगी और उसी दिन शाम तक आवंटन की कार्रवाई पूरी की जाएगी। दूसरे और तीसरे चरण की प्रक्रिया क्रमशः 3 से 5 मार्च तथा 6 से 7 मार्च के बीच पूरी की जाएगी।

निजी टोल कंपनियां ही नहीं, एमपीआरडीसी भी वसूल रहा अवैध टोल

भोपाल। मध्य प्रदेश में निजी टोल कंपनियों के द्वारा नियमों के खिलाफ की जा रही अवैध टोल वसूली का मामला उठाने वाले पारस सकलेचा अब एमपीआरडीसी के खिलाफ कोर्ट जाने की तैयारी में हैं। उनका आरोप है कि प्रदेश में अवैध रूप से 40 सडकों पर एमपीआरडीसी टोल वसूल रही है।

कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल के द्वारा विधानसभा में लगाए गए प्रश्न के आधार पर यह जानकारी मिली थी कि एमपीआरडीसी मध्य प्रदेश की 43 सडकों पर टोल वसूल कर रही है। जिसे कांग्रेस नेताओं ने अवैध बताया था और करीब 1102 करोड़ रुपए की टोल राशि वसूल कर 604 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाने का आरोप भी लगाया था।

एमपीआरडीसी पर अवैध टोल वसूली का आरोप

व्यापम सहित कई घोटालों पर सरकार को घेरने वाले पारस सकलेचा ने एक बार फिर एमपीआरडीसी के द्वारा मध्य प्रदेश की 43 सडकों पर की जा रही टोल वसूली को जनता के साथ लूट बताते हुए सवाल खड़े किए हैं। पारस सकलेचा ने आरोप लगाए हैं कि एमपीआरडीसी ने बिना राज्यपाल की अधिसूचना के ही 40 सडकों से 1100 करोड़ रुपए की अवैध टोल वसूली की है, जो नियमों के विपरीत है। यह वसूली 2019 से 2024 तक प्रदेश में अलग-अलग सडकों से की गई है। जो इंडियन टोल एक्ट 1851 के विपरीत है।

ट्रस्टी नहीं वसूल सकती जनता से पैसे

पारस सकलेचा का आरोप है कि एमपीआरडीसी ट्रस्टी है, जो जनता से पैसे वसूल नहीं कर सकती। जबकि सडकों से वही कंपनी पैसा वसूल कर सकती है जो उसके निर्माण में पैसा लगाती है ना की एमपीआरडीसी। यह अवैध वसूली का 600 करोड़ से अधिक का मुनाफा कमा चुकी है।

जनहित याचिका लगाने की तैयारी में सकलेचा

पारस सकलेचा ने बताया कि इस मामले को लेकर प्रदेश सरकार और राज्यपाल को चिट्ठी भी लिखी गई थी लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं मध्य प्रदेश विधानसभा में भी कांग्रेस के विधायक प्रताप ग्रेवाल ने यह प्रश्न उठाया था । इसके बाद अब वह जनता के साथ हो रही इस खुली लूट को रोकने के लिए कोर्ट में जनहित याचिका लगाने की तैयारी कर रहे हैं।

लेबड़-नयागांव फोरलेन मामला कोर्ट में लंबित

मध्य प्रदेश की सडकों पर टोल वसूली को लेकर केवल एमपीआरडीसी ही नहीं बल्कि निजी टोल कंपनियों द्वारा भी अवैध रूप से टोल वसूला गया है। जिससे संबंधित याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। जिसमें लेबड़-नयागांव फोरलेन की लागत ?590 करोड़ थी। जिसकी बदले में टोल कंपनी द्वारा 1910 करोड़ रुपए से अधिक की राशि वसूली की गई थी। जिस पर पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कंपनी द्वारा सुविधाएं नहीं देने और अवैध वसूली की शिकायतों के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश शासन को जवाब देने के निर्देश दिए थे।

मध्य प्रदेश विधानसभा में सोने की ईंटों पर घमासान

भोपाल । विधानसभा में गुरुवार को परिवहन विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान कांग्रेस ने सोने की ईंटों के मामले में सरकार को घेरा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सोने की ईंटें निकल रही हैं, विभाग में सख्ती तो करनी पड़ेगी।

जवाब में परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि ज्यादा सख्ती नहीं कर सकते, विभाग भी तो चलाना है। चर्चा की शुरुआत चेक पोस्ट को लेकर हुई। उमंग सिंघार ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने चेक पोस्ट बंद करने की बात कही थी। इसके बाद कागज में तो चेक पोस्ट बंद कर दिए गए, लेकिन अवैध वसूली जारी है। कई वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हो रहे हैं। इस पर सरकार को तुरंत संज्ञान लेना चाहिए। मंत्री ने कहा कि यह सरकार बनने के बाद गडकरी का कोई पत्र नहीं आया। चेक प्वाइंट हम बंद नहीं कर सकते, क्योंकि वहां हमारा एक सिस्टम ऐसा होता है जो जीएसटी और ओवरलोडिंग की जांच के लिए जरूरी है। विसंगतियां दूर करने पर काम किया जा रहा है। परिवहन विभाग के लगभग 18 प्रतिशत कर्मचारी निलंबित या लाइन अटैच हैं। इससे अधिक सख्ती नहीं कर सकते।

सुपर 100 योजना शुरू करने की बात

स्कूल शिक्षा विभाग की चर्चा में मंत्री उदय प्रताप सिंह ने ग्वालियर और जबलपुर में सुपर 100 योजना शुरू करने की बात कही। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रदेश में डिजिटल मूल्यांकन शुरू किया जा रहा है, जिससे परीक्षा परिणाम जल्दी आएंगे। अतिथि विद्वानों की नीति पर हरियाणा मॉडल का अध्ययन हो रहा है। इलेक्ट्रो होम्योपैथी पाठ्यक्रम बंद किया गया है, जबकि आयुर्वेद शोध के लिए नए केंद्र स्थापित होंगे।

सरकारी कैलेंडर पर छिड़ा इम्पाला विवाद

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह बोले- जो हिरण देश में ही नहीं, उसका फोटो क्यों लगाया

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश सरकार की सरकारी डायरी के बाद अब सरकारी कैलेंडर भी विवादों में आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्य सरकार की ओर से प्रकाशित कैलेंडर पर छपी हिरण की तस्वीर को लेकर सवाल खड़े किए हैं। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर कैलेंडर की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, मुख्यमंत्री जी! जिस हिरण का चित्र एमपी के कैलेंडर पर लगाया गया है, वह न तो मध्य प्रदेश में पाया जाता है और न ही भारत में। उन्होंने दावा किया कि यह 'इम्पाला' है, जो अफ्रीका में पाया जाता है।

दिग्विजय सिंह के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। विपक्ष इस मुद्दे को सरकार की लापरवाही से जोड़कर देख रहा है। हालांकि, इस मामले में राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब देखना होगा कि सरकार इस विवाद पर क्या

स्पष्टीकरण देती है और क्या भविष्य में शासकीय प्रकाशनों में चित्रों के चयन को लेकर कोई नई प्रक्रिया अपनाई जाती है।

ये बड़ी त्रुटि है

कैलेंडर के मुद्दे पर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मप्र वाइल्ड लाइफ के संबंध में देश में सदैव अव्वल रहा है। प्रदेश की इतनी वन संपदा के बावजूद ऐसा किया गया है, तो वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन के लोग जिम्मेदार हैं। सरकार के अधिकारी जमीनी स्तर पर हकीकत से कितने दूर हैं। कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा- प्रशासन इतना निरंकुश हो गया है और अधिकारी इतने मदमस्त हो गए हैं कि उन्हें यही नहीं पता कि हम क्या लिटरेचर छाप रहे हैं। उसमें कितना करोड़ खर्च होता है। उसमें हम यही नहीं समझ पाए कि हम क्या छाप रहे हैं। इतनी अराजकता का माहौल हमने 50 साल में कभी नहीं देखा।

यह बड़ी हास्यास्पद कार्यशैली

कांग्रेस विधायक राजन मंडलोई ने कहा- यह बड़ा हास्यास्पद है कि भारत में इतने वन्यप्राणी हैं। शेर-चीते हैं, जिनकी फोटो लगाई जा सकती थी, लेकिन अफसर पता नहीं कहां से फोटो खोज कर लाते हैं और कैलेंडर पर लगा देते हैं। कैलेंडर पर छपी फोटो को लेकर दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि कांग्रेस नकारात्मक राजनीति करती है। मुझे आश्चर्य हो रहा है कि मूल बातों पर कांग्रेसियों का ध्यान नहीं है।

गुना पीडब्लूडी ऑफिस के सामान की कुर्की

भोपाल। गुना में लोक निर्माण विभाग के दफ्तर का सारा सामान कोर्ट के आदेश पर जब्त कर लिया गया। कोर्ट में पीडब्लूडी के एक रिटायर्ड कर्मचारी ने याचिका लगाई थी। इसमें उसने विभाग पर 40 लाख रुपये बकाया होना बताया। कोर्ट में चली सुनवाई के बाद फैसला रिटायर्ड कर्मचारी के पक्ष में आया। कोर्ट के आदेश पर भी पीडब्लूडी ने बकाया भरने में असमर्थता जताई। इसके बाद कुर्की की कार्रवाई की गई।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला अदालत के कर्मचारी लोक निर्माण विभाग में कुर्की की कार्रवाई करने पहुंची। जिला अदालत के कोर्ट नाजिर ओर उनकी टीम ने विभाग के दफ्तर में रखे कूलर, पंखे, कुर्सियां, एसी सहित सारी सामग्री लोडिंग वाहन भरी और ले गई। इस सामग्री से रिटायर्ड कर्मचारी की राशि की वसूली की जाएगी। लोक निर्माण विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी एलडीसी कौशल किशोर राठौर ने वर्ष 1995 में गुना न्यायालय से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक अपने हक की लड़ाई लड़ी। आखिरकार उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने उनके हक में फैसला सुनाते हुए 40 लाख का एरियर भुगतान करने का आदेश दिया।

एसडीओ की गाड़ी भी हुई कुर्क

भुगतान नहीं करने पर लोक निर्माण विभाग के दफ्तर पर ताले लटकाते हुए एसडीओ की कार भी जब्त करने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया था। लोक निर्माण विभाग से रिटायर्ड कर्मचारी कौशल किशोर राठौर ने बताया मेरा 40 लाख रुपए बकाया है। इनके सामान से मेरी भरपाई हो या ना हो पर मुझे मेरा पैसा दिलाना अब कोर्ट का काम है। जिला नाजिर न्यायालय राजेश शर्मा ने बताया पीडब्लूडी में कोई कर्मचारी के रूप में कौशल किशोर राठौर कार्यरत थे। उनके रिटायरमेंट के बाद भुगतान नहीं किया गया।

रिटायर्ड कर्मचारी का 40 लाख बकाया

कोर्ट नाजिर राजेश शर्मा बताया कि जब विभाग द्वारा उन्हें पैसा नहीं मिला तो वह सुप्रीम कोर्ट में गए, जहां उनकी जीत हुई, मामले डिक्री का आदेश हुआ। इसके बाद भी राशि जमा नहीं की गई। जब राशि नहीं जमा की गई तो सीजेएम मैडम द्वारा कुर्की वारंट जारी किया गया। आज की डेट कुर्की में वारंट में थी। इसके लिए हमारी पूरी टीम साथ में आई। कुर्की से पहले हमने सूचना दी कि राशि जमा करें। लेकिन राशि जमा नहीं करवाई गई।

शस्त्र लाइसेंस की प्रक्रिया अब पूरी तरह डिजिटल

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब शस्त्र लाइसेंस लेने के लिए ऑफलाइन आवेदन नहीं लिए जाएंगे। ये केवल ऑनलाइन ही स्वीकार होंगे। सरकार आगामी एक मार्च से शस्त्र लाइसेंस संबंधी नई व्यवस्था लागू करने जा रही है। इसमें किसी व्यक्ति को नया शस्त्र, बंदूक अथवा अन्य हथियार लेना है तो भारत सरकार द्वारा बनाए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा। बिना ऑनलाइन आवेदन के फार्म स्वीकार नहीं होंगे। दरअसल, प्रदेश में जिलों से कारतूस में हेरफेर और लाइसेंस प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायतें आती रही हैं। नई व्यवस्था लागू होने से इस तरह की गड़बडियों पर रोक लगेगी।

जानवरों की तरह ठूंसकर भरे कैदी, हालात भयावह

- मप्र की जेलें ओवरफ्लो, प्रदेश की जेलों में अभी 37 हजार 994 बंदी

भोपाल। मध्य प्रदेश की जेलों में क्षमता से 35 फीसदी ज्यादा कैदी बंद हैं। मध्य प्रदेश की 133 जेलों में करीबन 42 हजार 119 बंदी कैद हैं। इनमें से 52.85 फीसदी कैदी ऐसे हैं, जिनको अभी तक सजा नहीं सुनाई जा सकी है और ये विचाराधीन कैदी के रूप में जेलों में कैद हैं। मध्य प्रदेश की जेलों में एक अप्रेल 2020 से लेकर पिछले 7 महीनों में 715 कैदियों की मौत हुई है। इनमें 36 कैदियों ने खुद जान दी है। विधानसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में सरकार ने यह जानकारी दी है। सरकार ने बताया कि प्रदेश में 11 नई जेलें बनाई जा रही हैं।

मध्यप्रदेश की जेलों में कुल आवास क्षमता 24 हजार 895 है, लेकिन प्रदेश भर की जेलों में अभी 37 हजार 994 बंदी हैं। यानी जेलों में करीबन 13 हजार कैदी क्षमता से अधिक रह रहे हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति प्रदेश की केन्द्रीय जेलों की है। नर्मदापुरम के दोनों खंडों को मिलाकर कुल 11 केन्द्रीय जेल हैं। इन जेलों में 14 हजार 61 आवास क्षमता है। लेकिन इन जेलों में 22 हजार 239 कैदी बंद हैं। यानी क्षमता से 8 हजार 178 कैदी अधिक सजा काट रहे हैं। इन जेलों में 50 फीसदी से लेकर 150 फीसदी तक अधिक कैदी हैं।

किस केंद्रीय जेल में क्या स्थिति

क्षमता से सबसे अधिक कैदी रीवा केन्द्रीय जेल में हैं। यहां कैदियों की कुल आवास क्षमता 886 है, जबकि यहां 2282 कैदी बंद हैं। यानी क्षमता से 1396 अधिक हैं। इंदौर केन्द्रीय जेल में 1280 की क्षमता है, जबकि इसमें 2191 कैदियों को रखा गया है। यानी 911 कैदी अधिक हैं। भोपाल केन्द्रीय

जेल में 2641 कैदियों की आवास क्षमता है, लेकिन इनके मुकाबले 3454 कैदियों को रखा गया है, यानी 813 कैदी अधिक हैं। जबलपुर और ग्वालियर दोनों केन्द्रीय जेल में क्रमशः 275 और 447 अतिरिक्त कैदियों को रखा गया है। इंदौर जिला जेल में 520 की क्षमता, लेकिन 908 कैदी रखे गए हैं। इसी तरह मंदसौर जिला जेल में 380 की क्षमता के मुकाबले 698 कैदियों को रखा गया है। बेतूल में 230 की क्षमता के मुकाबले 498 कैदियों को रखा गया है।

जेलों में 22 हजार 261 विचाराधीन कैदी बंद

मध्य प्रदेश की जेलों में 22 हजार 261 कैदी ऐसे हैं, जिनको अभी तक सजा नहीं सुनाई जा सकी और यह जमानत के अभाव में जेलों में बंद हैं। यह मध्य प्रदेश की जेलों में बंद कुल कैदी का 52.85 प्रतिशत है। इन विचाराधीन कैदियों में 21 हजार 410 पुरुष, जबकि 851 महिला कैदी शामिल हैं। विचाराधीन कैदियों में सबसे ज्यादा संख्या जिला जेलों में है। जिला जेलों में 10 हजार 2 विचाराधीन पुरुष जबकि 516 महिलाएं शामिल हैं। प्रदेश में 73 उपजेल हैं। इन उप जेलों में 5 हजार 356 कैदी अभी विचाराधीन हैं। इसके अलावा केन्द्रीय जेलो में विचाराधीन कैदियों की संख्या करीनब 6 हजार 300 है।

जेलों में लगाई जा रही इलेक्ट्रिक फेंसिंग

कैदियों को दीवार फांदकर फरार होने से रोकने के लिए जेलों की दीवारों पर इलेक्ट्रिक वायर फेंसिंग वायर लगाए जाने का कार्य प्रक्रियाधीन है। सभी जेलों को सीसीटीवी नेटवर्क से जोड़ा गया है। हालांकि पिछले 77 महीनों में जेलों से 54 कैदी फरार होने में सफल रहे हैं। इन महीनों के दौरान 715 कैदियों की जेल में ही मौत हो गई, जबकि 36 कैदियों ने जेल में ही जान दे दी। सरकार ने बताया कि जेलों में बंदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है। साल 2025 में जेलों में 2828 बंदियों को अलग-अलग तरह की ट्रेनिंग दिलाई गई। 96 बंदियों को आईटीआई में ट्रेनिंग दिलाई गई।

सागर की पाइप लाइन का मुद्दा उठा, विधायक बोले- क्या बिना पढ़े लिखे इंजीनियर भर्ती होते हैं

भोपाल। मप्र विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरा नगर निगमों में काम करने इंजीनियरों को लेकर विधायक भंवर सिंह शेखावत का गुस्सा फूट पड़ा उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में सीवेज और पानी की पाइप लाइन एकसाथ डाली जा रही हैं। किसी इंजीनियर को इतना ज्ञान नहीं है कि कभी फूटा फाटी हुई तो दोनों एक साथ मिलकर गंदा पानी सप्लाई कर देंगे। उन्होंने में गुस्से में कहा कि पता नहीं कि ये बिना पढ़े ही इंजीनियर कैसे बन जाते हैं। इस पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मजाकिया अंदाज में कहा कि इनकी ट्रेनिंग के लिए एक कार्यशाला का आयोजन कर लेंगे।

दरअसल, विधानसभा की कार्यवाही के दौरान प्रश्नकाल में सागर से भाजपा विधायक शैलेंद्र जैन ने पाइप लाइन का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि पाइप लाइन

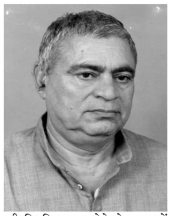

की स्थिति खराब होने से सागर में इंदौर जैसी घटना हो सकती है। विधायक ने बताया कि 395 किलोमीटर पाइप लाइन में से 46 किलोमीटर पुरानी और जर्जर पाइप लाइन डाली गई है। उन्होंने मांग की कि जर्जर पाइप लाइन को जल्द बदला जाए।नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जवाब में कहा कि पहले 260 किलोमीटर पाइप लाइन का प्रस्ताव था, लेकिन 395 किलोमीटर पाइप लाइन डाली गई। उन्होंने कहा कि जहां जरूरत होगी, वहां नई पाइप लाइन डाली जाएगी। इससे पहले भी कई विधायकों ने सीवेज और पीने की पाइप लाइन पैरलर डालने का मुददा उठाया था तभी विधायक शेखावत का गुस्सा इंजीनियरों पर फूटा था।

मंत्री ने कहा कि नगर निगम को सशक्त बनाया जाए। सांसद और विधायक निधि का उपयोग भी पाइप लाइन सुधार के लिए किया जा सकता है। विभाग आधी राशि देने के लिए तैयार है।सदन में यह भी बताया गया कि पाइप लाइन डालने के दौरान सड़कों को खोदा गया, लेकिन टाटा कंपनी द्वारा सड़कों का सही तरीके से पुनर्निर्माण नहीं किया गया।मंत्री ने कहा कि कई जगह पानी और सीवर की लाइन साथ में डाली गई हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि आगे से पानी और सीवर की लाइन अलग-अलग डाली जाएं।

विंडीज के खिलाफ ईडेन गार्डेंस पर कैसा है भारत का रिकॉर्ड?

नई दिल्ली। भारतीय टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब है। भारत ने सुपर आठ चरण में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद वापसी की और जिम्बाब्वे को हराकर उम्मीदें कायम रखी है। ग्रुप-1 से दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी है और अब एक स्थान के लिए वेस्टइंडीज और भारत में जंग है। रविवार को दोनों टीमों के बीच कोलकाता के ईडेन गार्डेंस पर मुकाबला खेला जाना है।

झटके के बाद संभली भारतीय टीम

भारतीय टीम ग्रुप चरण में अजेय रही थी और उसने अपने सभी मुकाबले जीते थे। लेकिन सुपर आठ चरण में उसके अभियान का उस वक्त तगड़ा झटका लगा जब दक्षिण अफ्रीका ने टीम को 76 रनों से करारी शिकस्त दे डाली। यह भारत के लिए काफी कठिन थी और इससे उसके लिए आगे की राह मुश्किल हो गई। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका ने अगले मैच में वेस्टइंडीज को हराया जिससे भारत ने राहत की सांस ली। फिर भारत ने भी जिम्बाब्वे पर 72 रनों से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल के लिए कदम बढ़ा दिए। अब भारत और वेस्टइंडीज के बीच एक मार्च को होने वाले मैच में जो टीम जीतेगी, वो सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

टूर्नामेंट में कैसा रहा भारत का सफर?

भारतीय टीम ग्रुप ए में शामिल थी और उसने पहले मैच में अमेरिका को 29 रनों से हराया था।

भारत ने फिर दूसरे मैच में नामीबिया को 93 रनों से मात दी थी।

ग्रुप चरण के तीसरे मैच में भारतीय टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 61 रनों से हराकर सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई किया था।

भारत ने ग्रुप चरण के अंतिम मैच में नीदरलैंड को 17 रन से हराया था।

सुपर आठ के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने भारत की लय तोड़ी और उसे टूर्नामेंट में पहली हार मिली।

भारत ने वापसी करते हुए जिम्बाब्वे को हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम रखीं।

वेस्टइंडीज को मिली है अब तक एक हार

भारत की तरह वेस्टइंडीज का भी ग्रुप चरण में सफर शानदार रहा और उसने अपने सभी मैच जीते।

वेस्टइंडीज ने पहले मैच में स्कॉटलैंड को 35 रनों से हराया।

फिर इंग्लैंड को 30 रनों से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

वेस्टइंडीज ने नेपाल को नौ विकेट से हराकर सुपर आठ चरण में जगह पक्की की।

ग्रुप चरण के आखिरी मैच में विंडीज ने इटली को 42 रनों से हराया।

सुपर आठ में भी वेस्टइंडीज की शुरुआत शानदार रही थी और उसने जिम्बाब्वे को 107 रनों के बड़े अंतर से हराया था।

वेस्टइंडीज की टीम लय बरकरार नहीं रख सकी और उसे दक्षिण अफ्रीका ने नौ विकेट से हराया।

कोलकाता में दोनों टीमों के टी20 मैच के नतीजे...

ईडेन गार्डेंस पर भारत ने चार नवंबर 2018 को वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया।

दोनों टीमों के बीच इस मैदान पर 16 फरवरी 2022 को टी20 मैच खेला गया जिसमें भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज की।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच कोलकाता में 18 फरवरी 2022 को खेले गए टी20 मैच में भारत आठ रन से जीत दर्ज करने में सफल रहा।

भारत ने फिर 20 फरवरी 2022 को ईडेन गार्डेंस पर टी20 मैच में वेस्टइंडीज को 17 रनों से हराया।

अब भारत और वेस्टइंडीज की टीमें चार साल बाद इस मैदान पर टी20 में आमने-सामने होंगी।

भारतीय टीम को टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में जगह बनाने वेस्टइंडीज पर दर्ज करनी होगी बड़ी जीत

अन्य परिणामों पर भी रखनी होगी नजर

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंच गयी। इस प्रकार इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सहित दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। वहीं अब बचे हुए दो स्थानों के लिए भारत सहित चार टीमों वेस्टइंडीज,न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला है। भारतीय टीम को अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सुपर-8 के अपने अंतिम मुकाबले में वेस्टइंडीज से 1 मार्च को बड़े अंतर से जीतना है। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। वहीं एक अन्य दावेदार न्यूजीलैंड ने 2 मैचों में से एक में जीत हासिल की है। न्यूजीलैंड को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में 27 फरवरी को इंग्लैंड से खेलना है। कीवी टीम अगर इंग्लैंड को हरा देती है तो उसे अंतिम ग्यारह में प्रवेश मिल जाएगा पर अगर न्यूजीलैंड इंग्लैंड से हार जाती है, तो टीम के लिए संभावनाएं काफी कम हो जाएंगी। न्यूजीलैंड के लिए केवल सकारात्मक बात ये है कि अभी टीम का नेट रन रेट प्लस 3.050 से काफी बेहतर है।

वहीं पाकिस्तान को 28 फरवरी को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में श्रीलंका से खेलना है। दो मैचों के बाद पाकिस्तान के पास अभी केवल एक अंक है। ऐसे में पाक अगर श्रीलंका को हरा देती है, तो टीम के कुल तीन अंक हो जाएंगे। वहीं पाक को यह भी प्रार्थना करनी होगी कि इंग्लैंड टीम न्यूजीलैंड को हरा दे। अगर पाक टीम श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहती है और न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ता है तो ऐसी हालत में अच्छे नेट रन रेट वाली टीम को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा।

भारतीय बल्लेबाजों ने 150 से अधिक स्ट्राइक रेट का रिकार्ड बनाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के अपने दूसरे ही सुपर-8 मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत के साथ ही सेमीफाइनल की संभावनाएं बनाये रखने के साथ ही एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 256 रन बनाए। इस मैच में भारतीय टीम के 6 बल्लेबाज उतरे और सभी ने 20 से ज्यादा रन बनाए और इस दौरान सबका स्ट्राइक रेट 150 से ऊपर का रहा। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहला अवसर है, जब किसी टीम के 6 बल्लेबाजों ने 20 से ज्यादा रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 150 से अधिक रहा। साल 2007 में टी20 विश्वकप शुरु होने से इससे पहले कभी ऐसा देखने को नहीं मिला।

इस मैच में टॉस जीतने के बाद अभिषेक शर्मा के साथ पारी शुरु करते हुए संजू सैमसन ने तेजी से 15 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हो गए। उनका स्ट्राइक रेट 160 का रहा। इसके बाद अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के बीच दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी की। ईशान 158.33 के स्ट्राइक रेट से 38 रन बनाकर पेवेलियन लौटे जबकि अभिषेक ने 183.33 के स्ट्राइक से 50 रन बनाये। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 13 गेंदों में 33 रन बना दिए। उनका स्ट्राइक रेट 253 का रहा। वहीं हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा ने अंतिम ओवरों में तेजी से खेलते हुए टीम को 250 रन के पार पहुंचा दिया। हार्दिक ने 23 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए, उनका स्ट्राइक रेट 217 का रहा. वहीं तिलक ने 16 गेंदों में नाबाद 44 रन बनाये और उनका स्ट्राइक रेट भी 150 से अधिक रहा।

एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम अगले माह की शुरुआत में होने वाली एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में अच्छा प्रदर्शन कर फीफा महिला विश्व कप में प्रवेश के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने उतरेगी। भारतीय टीम को एशियन कप के ग्रुप सी में वियतनाम, जापान और चीनी ताइपे के रखा गया । उसे 4 मार्च को वियतनाम, 7 को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से खेलना है। भारतीय टीम को हालांकि इस अहम टूर्नामेंट में अनुभवी मिडफील्डरअंजू तमांग के बिना ही उतरना होग। अंजू चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। ऐसे में उनकी जगह पर करिश्मा शिरवाइकर को शामिल किया गया है।

बांग्लादेश भी शुरु कर रहा महिला क्रिकेट लीग, भारतीय खिलाड़ियों को भी दिया आमंत्रण

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी अब भारत के डब्ल्यूपीएल की तर्ज पर महिलाओं के लिए एक क्रिकेट लीग शुरु करने जा रही है। इस लीग का नाम बांग्लादेश महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूबीपीएल) रखा गया है। इस लीग के मुकाबले 4 से 14 अप्रैल तक चलेंगे। ये टूर्नामेंट तीन टीमों के बीच होगा। बीसीबी ने इस लीग में खेलने का आमंत्रण भारतीय महिला खिलाड़ियों को भी दिया है। ये लीग इस उद्घाटन 4 अप्रैल को चटगांव में मुकाबले के साथ ही होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला ढाका में खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप इसी साल जून में होने वाली है और ऐसे में बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से खिलाड़ियों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके साथ ही इससे नई प्रतिभाएं भी सामने

आयेंगी। बीसीबी के अनुसार उसने इसमें शामिल होने का आमंत्रण भारतीय महिला क्रिकेटरों के साथ ही सभी देशों को दिया है। लीग गवर्निंग काउंसिल की प्रमुख रुबाबा डोवला ने कहा कि किसी भी देश की खिलाड़ी पर इसमें भाग लेने कोई रोक नहीं है। हाल ही में जिस प्रकार बीसीबी के भारतीय बोर्ड से मतभेद हुए हैं। उसको देखते हुए माना जा रहा है कि बीसीबी अब भारतीय बोर्ड से संबंधों को बेहतर करना चाहता है। डब्ल्यूबीपीएल इस लीग के लिए नीलामी मॉडल की जगह ड्राफ्ट सिस्टम अपनाएगा। हर टीम में कम से कम दो विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करना अनिवार्य होगा, जबकि अधिकतम संख्या तीन या चार तक हो सकती है। टूर्नामेंट की तैयारियां तेज हो चुकी हैं। बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से बांग्लादेशी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा।

श्रीकांत जर्मन ओपन में हार के साथ ही बाहर हुए

मुल्हेम एन डेर रूहर (ईएमएस)। भारत के शीर्ष बैडमिंटर खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत जर्मन ओपन 2026 में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी के हाथों मिली हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। श्रीकांत को पुरुष एकल के दूसरे दौर में सीधे गेम में 21-14, 21-9 से हार का सामना करना पड़ा है। ये मुकाबला केवल 32 मिनट ही चला। चीनी ताइपे के लिन के खिलाफ श्रीकांत की यह दूसरी हार थी।

इससे पहले जनवरी में इंडिया ओपन में विजेता रहे लिन ने स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने आज अच्छी शुरुआत करते हुए पहले गेम में 9-5 की बढ़त बनायी पर लिन ने धीरे-धीरे वापसी करते हुए मुकाबला 12-10 से जीत लिया। हाफटाइम के बाद लिन ने जबरस्त तेजी दिखायी।

संगकारा ने श्रीलंकाई क्रिकेट में बदलाव की जरुरत बतायी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने अपनी मेजबानी में हो रहे आईसीसी टी20 विश्वकप से टीम के बाहर होने पर निराशा जतायी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये हमारे क्रिकेट भविष्य को लेकर एक चेतावनी भी है, अगर हम अभी नहीं संभले तो इसी प्रकार पिछड़ते जाएंगे। इसलिए अब हमें बड़े बदलाव की जरुरत है। संगकारा ने कहा, इस प्रकार बाहर होने सो हर तरफ बहुत दर्द है। प्रशंसक टूट चुके हैं, निराश और गुस्से में हैं। खिलाड़ी भी बेहद आहत हैं। मैं ऐसे ड्रेसिंग रूम में रहा हूं, यह आसान नहीं होता। लेकिन देश का प्रतिनिधित्व करना एक जिम्मेदारी भी है और सौभाग्य भी। संगकारा ने खिलाड़ियों के जज्बे को समझते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी का हिस्सा है, लेकिन इससे उबरने के लिए बदलाव जरुरी है।

जॉर्जिया, लिचफील्ड की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया

होबार्ट । जॉर्जिया वोल के शतक 101 रन और फीबी लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका रावल के अर्धशतक से भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 251 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 36.1 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज मेजबान टीम ने 2-0 से जीत ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पहना एकदिवसीय भी जीता था।

इस दूसरे मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका के अर्धशतक से 9 विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 81 गेंदों में छह चौके लगाकर 52 रन बनाये। प्रतीका ने स्मृति मंधाना 31 के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन बनाये। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाकर पारी को संभाला। अंत में टीम 50 ओवरों में 251

रनों के अच्छे स्कोर तक पहुंच पायी। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया के 101 और लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से तय ओवरों से पहले ही मैच जैच लिया। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहं रही और उसने कप्तान एलिसा हीली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। हीली ने केवल 6 रन बनाये। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन बनाकर जॉर्जिया और लिचफील्ड ने अपनी टीम को संभाला। भारत की ओर से भारत की ओर से काशवी गौतम ने 47 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि दीप्ति शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट लिए। एशले गार्डनर ने चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी ।

भारत के खिलाफ शतक नहीं लगा पाने से निराशा हुई - बेनेट

चेन्नई। जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में खेली अपनी पारी से संतुष्ट हैं पर उन्हें इस बात का मलाल है कि वह इस मैच में शतक नहीं लगा पाये। बेनेट ने भारतीय टीम के खिलाफ 97 रनों की आक्रामक पारी खेली थी हालांकि अन्य बल्लेबाजों से उन्हें सहायता नहीं मिली। इस मैच में भारतीय टीम से जीत के लिए मिले 257 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम छह विकेट पर 184 रन ही बना पायी। बेनेट ने कहा, अगर मैं शतक पूरा कर लेता तो अच्छा होता। क्रिकेट में कभी-कभी ऐसा ही होता है जब इस प्रकार के अवसर मिलते हैं। मैं हमेशा उस स्थिति में नहीं रहूंगा। मुझे खुशी है कि मैंने अच्छी पारी खेली पर निराशा इस बात की रहेगी कि टीम को जीत नहीं दिला पाया। उन्होंने कहा, जब भी कोई नया बल्लेबाज क्रीज पर उतरता तो मैं उससे यही कहता कि गेंद को अच्छी तरह से देखो और फिर उस पर शॉट लगाओ। मैं क्या कर रहा हूं ये मत देखो, तुम अपना काम करो। हमारे लिए अच्छी साझेदारी निभाना जरूरी था। बेनेट ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को खेलना कठिन था। मैं पहली बार उनके खिलाफ खेल रहा था। वह शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं। मैं बस यही सोच रहा था की गेंद पर अपना ध्यान बनाये रखूं और अपना स्वाभाविक खेल खेलूं। गेंद मेरे करीब थी और मैंने उस पर जोरदार शॉट लगाया। उन्होंने कहा, 250 से 260 रन के लक्ष्य को हासिल करना बेहद कठिन होता है। यह मैदान पर जाकर अपने प्रदर्शन को दिखाने के साथ ही स्कोरबोर्ड पर ध्यान न देते हुए अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने और अपने मजबूत पक्षों के अनुसार खेलने का अवसर था। अगर परिणाम अच्छा निकलता है तो ठीक है, अगर नहीं निकलता तो भी ठीक है। आज परिणाम वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे। बेनेट ने कहा कि भले ही उनकी टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है लेकिन सुपर आठ में जगह बनाने से उनकी टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने कहा, हमने पहली बार सुपर आठ के लिए क्वालीफाई किया है, इसलिए जाहिर है कि हमारे लिए इस टूर्नामेंट में कई शानदार पल रहे हैं और हम इससे उत्साहित हैं। हमे इस टूर्नामेंट में भारत, वेस्टइंडीज जैसी टीमों से खेलने से काफी कुछ सीखने को मिला है।

हम विरोधी गेंदबाजों में डर देखना चाहते थे - तिलक

चेन्नई । भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम तय करके उतरी थी कि शुरुआत से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाया जाये। तिलक के अनुसार हमारी टीम चाहती थी कि विरोध गेंदबाजों के अंदर डर का माहौल बने। जिससे कि वह सटीक गेंदबाजी नह कर पायें। भारतीय टीम ने चेन्नई में हुए इस सुपर-8 मैच में 256 रन बनाकर जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। तिलक ने कहा, हम टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर बात की थी कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी गंवा दें तब भी आक्रामक होकर ही खेलेंगे।

तिलक ने संजू सैमसन की पारी की भी सराहना की। सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में ही 48 रनों की साझेदारी बनायी। तिलक ने कहा, जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। सैमसन ने अच्छी शुरुआत

की। इसके बाद हम विरोधी गेंदबाजों के अंदर डर देखना चाहते थे। और तिलक ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपॉक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे। उन्होंने कहा, हमने मैच से ठीक पहले बात की थी कि हम सकारात्मक मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगे। हमने पिछले एक साल में टी20 क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इन वीडियो को देखने के बाद हम सभी का मनोबल बढ़ा। तिलक ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम के सदस्यों को बिना किसी दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। उन्होंने कहा, कोच कहा था कि हालात चाहे कैसी भी हो, बस उस तरह की क्रिकेट को याद रखें जो हमने पिछले साल से तथा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीजमें खेली थी।तिलक ने कहा कि पिछले मैचों के वीडियो देखने और कोच की बातों से बल्लेबाजों के अंदर उत्साह पैदा। उन्होंने कहा, अहमदाबाद और दिल्ली दोनों की पिचें अच्छी थीं पर इस खेल में मानसिकता भी अहम भूमिका निभाती है। पहले हमारी मानसिकता यह थी कि विकेट गिरने के बाद हम बड़े शॉट खेलने के लिए थोड़ा समय देते थे पर इस मैच में अहम अगल रणनीति से उतरे। इससे पूरा दबाव विरोधी टीम पर आ गया।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बदले हुए वजन वर्ग में उतरेंगे पहलवान रवि दहिया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यो ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया

कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

अभिषेक के फार्म हासिल करने पर युवराज ने खुशी जतायी, बोले बल्ले से ही आता है असली जवाब

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह टी20 विश्वकप में अपने शिष्य अभिषेक शर्मा की शानदार पारी से बेहद खुश हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में पहली बार अच्छी पारी खेलने में सफल रहे हैं। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-आठ में 55 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं शुरुआती तीन लीग स्टर के मैचों में वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे जबकि सुपर-8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 रन ही बना पाये थे। ऐसे में वह प्रशंसकों के निशाने पर थे। वहीं अब अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शर्मा ने 30 गेंद में 55 रन बनाकर लय हासिल की है। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 4 छक्के भी जड़े। सेमीफाइनल से ठीक पहले अभिषेक के फार्म में आने से उनके गुरु युवराज बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, अच्छी पारी सर अभिषेक, जारी रखो। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ संभलकर खेला पर अवसर मिलते हुए बड़े शॉट भी लगा दिये। इस बल्लेबाज ने हर गेंद पर बड़े शॉट लगाने की जगह पर स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया जिससे भी उन्हें लाभ हुआ।

पीएम कालेज ऑफ एक्सीलेंस,में मूलभूत सुविधाओ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अपनी विभिन्न मांगे पूरी ना होने से नाराज पीएम एक्सीलेंस, पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों ने शुक्रवार को कॉलेज के भीतर जमकर नारेबाजी की.जिन्होंने एबीव्हीपी संगठन के बैनर तले पहले तो कॉलेज में मूलभूत सुविधाएं बनाए जाने की मांग को लेकर हंगामा मचाते हुए कालेज के भीतर प्रवेश किया।तो भी उन्होंने कॉलेज प्रबंधन पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए अब तक की गई शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं होने की बात कही।वही अब तक मांगे पूरी ना होने पर एतराज जताते हुए जमकर हंगामा मचाया।उधर छात्रों के हंगामे को बढ़ता देख कालेज प्रबंधन द्वारा पुलिस बुलाई गई, वही मौके पर पहुंचे कालेज प्रबधंन प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को समझाईश देकर मामला शांत कराया और उनकी मांगों व समस्याओं का जल्द ही निराकरण किए जाने का भरोसा दिलाया है। कॉलेज प्रबधंन से मिले इस आश्वासन के बाद छात्र मान गए और उन्होंने अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किए जाने की मांग की। जिन्होंने उनकी समस्त मांग पूरी करने के लिए कॉलेज प्रबंधन को 15 दिनों की मोहलत दी है।जिसमें उन्होंने समय सीमा के भीतर उक्त सभी मांग पूरी न होने पर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

जगह जगह अव्यवस्थाओ का आलम है

जिले के अग्रणी प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्र, छात्राओं को मूलभुत सुविधाओ के लिए परेशान होना पड़ रहा है।यह हालत तब है, जब महाविद्यालय की व्यवस्थाओं को देखने जनभागीदारी समिति कार्यशील है, बावजूद इसके महाविद्यालय में असुविधा है, जिसके खिलाफ शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रदर्शन कर महाविद्यालय प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा।जिसमें महाविद्यालय में शौचालय, पेयजल, लायब्रेरी में हाईस्पीड वाई-फाई सुविधा, आउटडेटेड किताबो की जगह अपडेट संस्करण, कैंटीन की सुविधा सहित अन्य मांगो के निराकरण की मांग की। एबीवीपी ने महाविद्यालय प्रबंधन को 15 दिनो में व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

15 दिनों के निरीक्षण में दिखी अव्यवस्थाएं

परिषद से जुड़े विघार्थियों ने बताया कि ज्ञापन सौंपने से पूर्व परिषद ने विगत 15 दिनों तक महाविद्यालय में सर्वेक्षण किया, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी समस्याओं से परिषद कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। छात्र-छात्राओं ने बताया कि महाविद्यालय की मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिनके निराकरण के लिए अब तक प्रशासन द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की गई।इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कोमल भंडारकर, महाविद्यालय मंत्री प्रियांशु तिवारी, उपाध्यक्ष आरव कुम्हरे, राहुल बूरडे, कलश असाटी, मुदित धानेश्वर, आर्या चौधरी, आशु पटले, अभय अमूले, दीक्षांश डोंगरे, शिवम लिल्हारे, प्रख्यात मिश्रा, तौहीद खान, रोहित बिसेन एवं विशेष मिश्रा , कविराज शिवंकर, नितिन मेशराम , प्रवीण यूके , नंदनी कोलहे, प्रियांशी ठाकरे , प्राची भिलावे , सहित अन्य छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

तो उग्र आन्दोलन किया जाएगा- आदित्य

जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल ने बताया कि महाविद्यालय के प्रथम तल पर एक भी शौचालय नहीं है, जो कि एक बुनियादी सुविधा है। इसके अभाव में छात्र-छात्राओं को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में 6 वॉटर फिल्टर में चार बंद है और केवल 2 ही कार्यशील हैं, शेष सभी खराब पड़े हैं। जिसे बढ़ाया जाए। पुस्तकालय में सीमित सीटों के कारण विद्यार्थियों को पढ़ने की जगह नहीं है, जिसमें बढ़ोत्तरी की जाए। महाविद्यालय में कैंटीन की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है, जिससे दूरदराज से आने वाले विद्यार्थियों को जलपान के लिए परिसर से बाहर जाना पड़ता है। महाविद्यालय में एक पूछताछ काउंटर खोला जाए ताकि विद्यार्थियों को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। आज हमने विद्यार्थियों की विभिन्न मांगों को लेकर महाविद्यालय प्रबंधन को ज्ञापन सौपा है। जिसमें 9 सूत्रीय मांगों को पूरा करने के लिए 15 दोनों का अल्टीमेटम दिया गया है। यदि इन 15 दिनों के भीतर मांग पूरी नहीं होती तो एबीव्हीपी के बैनर तले उग्र आंदोलन किया जाएगा।

तो तालाबंदी कर, करेंगे आंदोलन- कुबेर

नगर मंत्री कुबेर सिंह बैस ने बताया कि विद्यार्थियों के विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौप, निराकरण की मांग की गई है उन्होंने बताया कि जो नए विद्यार्थी कॉलेज में आते हैं उन्हें पुस्तक नहीं मिल पाती, पूरा सत्र खत्म होने के बाद पुस्तक दी जाती है सिलेबस काफी पुराना हो चुका है। वही कॉलेज में पार्किंग की सुविधा है लेकिन यहां पर जो गार्ड थे वे रिटायर्ड हो चुके है। उनके रिटायरमेंट के बाद नए गार्ड की नियुक्ति नहीं की गई है जिससे वाहन चोरी की आशंका बढ़ गई है इसके अलावा अन्य समस्याओं को लेकर 15 दिनों के अल्टीमेटम के साथ ज्ञापन सौपा गया है।यदि समय सीमा में मांग पूरी नही की गई तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले कॉलेज में तालाबंदी कर आंदोलन किया जाएगा।

भारत-इजराइल ने एआई, खनिज अन्वेषण, रक्षा समेत 16 समझौतों पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली,। भारत और इजराइल ने गुरुवार को एआई, खनिज अन्वेषण, रक्षा और गतिशीलता समेत 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा अगले पांच सालों में 50,000 अतिरिक्त भारतीय कामगारों को भेजने, रक्षा क्षेत्र में संयुक्त विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समेत 10 और पहलों की घोषणा की। येरुशलम में पीएम नरेंद्र मोदी और इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने अपनी-अपनी व्यापार टीमों से परस्पर लाभकारी व्यापार समझौते के लिए वार्ताओं को तेज करने को कहा। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि व्यापार समझौते पर बातचीत का अगला दौर मई में शुरु होगा। भारतीय और इजराइली व्यापार प्रतिनिधिमंडलों के बीच नई दिल्ली में चार दिनों तक चली वार्ता के बाद गुरुवार को यह घोषणा की गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल यात्रा के दूसरे दिन मोदी और नेतन्याहू ने आपसी रणनीतिक साझेदारी को नए स्तर पर पहुंचाते हुए इसे 'शांति, नवाचार और समृद्धि के लिए विशेष रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया। मीडिया के साथ संयुक्त संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजराइल ने पिछले साल द्विपक्षीय निवेश समझौता किया था और जल्द ही परस्पर लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। दोनों पक्षों ने अहम और उभरती प्रौद्योगिकियों में साझेदारी के लिए भी समझौते पर हस्ताक्षर किए, ताकि एआई, क्वांटम प्रौद्योगिकी और दुर्लभ खनिज जैसे क्षेत्रों में सहयोग को तेज किया जा सके।

भारत और इजराइल ने कृषि क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का फैसला लिया है। इजराइल के सहयोग से भारत में मौजूद उत्कृष्टता केंद्रों की संख्या 43 से बढ़ाकर 100 की जाएगी और 'विलेजेज ऑफ एक्सीलेंस' भी विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा भारत में भारत-इजराइल कृषि नवाचार केंद्र स्थापित करने पर भी सहमति बनी। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देंगे और भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा तथा भारत-इजराइल-यूएई-अमेरिका (आई2यू2) पहल पर नए उत्साह के साथ आगे बढ़ेंगे।

आतंकवाद के मुद्दे पर पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों की स्पष्ट राय है कि आतंकवाद का दुनिया में कोई स्थान नहीं है और इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता भारत की सुरक्षा हितों से सीधे जुड़ी है। भारत ने संवाद और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। गाजा शांति योजना ने क्षेत्र में शांति की दिशा में एक मार्ग खोला है।

वहीं इजरायल ने अपने बुनियादी ढांचा क्षेत्र में विशेषकर मेट्रो, रेल, सड़क, हवाई अड्डों, जल विलवणीकरण संयंत्रों और अपशिष्ट जल शोधन संयंत्रों जैसे प्रमुख आगामी परियोजनाओं के संदर्भ में भारत की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की गुजारिश पीएम मोदी से की।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर, पन्नीरसेल्वम द्रमुक में शामिल

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके ओ पनीरसेल्वम शुक्रवार को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो गए। उन्होंने मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

पनीरसेल्वम को वर्ष 2022 में आल इंडिया अन्ना द्रविण मुनेत्रकणगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित कर दिया गया था। वह दिवंगत नेता जे जयललिता के विश्वस्त सहयोगी माने जाते थे और पार्टी में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाते रहे। अन्नाद्रमुक में दोबारा वापसी के उनके प्रयास पिछले तीन वर्षों में सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने नई राजनीतिक दिशा चुनते हुए द्रमुक में शामिल होने का निर्णय लिया। उनके साथ उनके कई समर्थकों ने भी द्रमुक की सदस्यता ली। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पनीरसेल्वम के द्रमुक में आने से राज्य की सियासत में नए समीकरण बन सकते हैं।

तालिबानी सेना ने इस्लामाबाद में किया जोरदार हवाई हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी फाइटरजेट के काबुल पर हमले के बाद तालिबानी सेना ने इस्लामाबाद में जोरदार हवाई हमला करने की बात कही है। अफगान मीडिया का कहना है कि विस्फोटक ड्रोन के जरिए यह हमला अंजाम दिया गया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि अफगान वायुसेना ने सुबह 11 बजे इस्लामाबाद के फैसलाबाद में सेना के ठिकाने पर हमला किया है। इसके अलावा जमरुद और अबोटाबाद में भी हवाई हमला किया है। ऐसा पहली बार है जब तालिबान ने इस्लामाबाद पर हवाई हमला किया है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। तालिबानी सेना ने कहा कि हवाई हमले में पाकिस्तानी सेना के केंद्रों और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। तालिबान ने कहा कि यह हमला पाकिस्तानी वायुसेना के लगातार हवाई हमले के जवाब में किया है। इसके पहले पाकिस्तानी वायुसेना ने काबुल, कंधार और पाकटिआ में कई हमले करके तालिबानी सेना के कई ठिकानों को तबाह करने का दावा किया था। वहीं सीमा रेखा डूरंड लाइन पर भी जोरदार लड़ाई है। तालिबान ने पाकिस्तान के 55 से ज्यादा सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है। तालिबान ने एबोटाबाद में पाकिस्तानी सेना के अकादमी पर ड्रोन हमला किया। तालिबान ने इन ड्रोन हमलों का वीडियो भी जारी किया है। इस बीच एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने तोरखम में एक अस्पताल को निशाना बनाया है। अफगान मीडिया का दावा हैं कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब तालिबानी ड्रोन इस्लामाबाद तक पहुंचा और सेना प्रमुख असीम मुनीर की सेना उन्हें रोकने में विफल रही। एक प्रत्यक्षदर्शी ने वायरल वीडियो में बताया कि यह ड्रोन हमला पाकिस्तानी सेना के इलाके में किया गया है। इस हमले के बाद बहुत ही तेल आवाज आई। तालिबानी सोशल मीडिया पर ड्रोन की तस्वीरें भी शेयर कर रहे हैं। अफगान मीडिया के मुताबिक डूरंड लाइन पर खोश्त प्रांत के तीन जिलों में भी तालिबानी सेना ने पाकिस्तानी चौकियों को भारी हथियारों से निशाना बनाया है। यह हमला अभी जारी है। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कहा था कि 'हमारे देश का धैर्य अब जवाब दे चुका है' और अब अफगानिस्तान के खिलाफ 'खुली जंग' की स्थिति बन गई है। उनका यह बयान अफगानिस्तान की ओर से सीमा पार हमले के बाद दोनों देशों की जवाबी कार्रवाई के उपरांत आया है। रक्षा मंत्री ने कहा, 'पाकिस्तान को आशा थी कि नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) बलों की वापसी के बाद अफगानिस्तान में शांति कायम होगी और तालिबान अफगानिस्तान की जनता की भलाई तथा क्षेत्र में स्थिरता पर ध्यान देगा...।'

बालाघाट
शनिवार 28 फरवरी 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

किरनापुर बारात लेकर आई बस के कंडक्टर से मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर में बारात लेकर आई बस के कंडक्टर को एक व्यक्ति ने ईंट से मारकर उसका सिर में फोड़ दिया और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। घायल कंडक्टर प्रदीप उर्फ विक्की का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया। इस मामले में किरनापुर पुलिस ने राजेश भाजीपाले ग्राम डुडवा किरनापुर निवासी के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार शैलेंद्र चंद्राकर भाटगांव डेबिर सिटी रायपुर निवासी कांकेर बस में ड्राइवरी करते हैं। 26 फरवरी को शैलेंद्र चंद्राकर अपने कंडक्टर प्रदीप उर्फ विक्की के साथ रायपुर से तुषार पारधी की बारात लेकर किरनापुर आए थे। जिन्होंने अपनी बस किरनाई मंदिर के पास खाली जगह में खड़ी कर दी थी। रात्रि में शैलेंद्र चंद्राकर अपने कंडक्टर प्रदीप उर्फ विक्की के साथ शादी लगाकर और खाना खाकर बस के अंदर बैठे थे। तभी रात्रि 11:30 बजे एक व्यक्ति बस के पास आया और चिल्लाया और बोला कि उठो बारात लेकर रायपुर वापस चलना है। शैलेंद्र चंद्राकर ने दरवाजा खोला और उसने उस व्यक्ति का नाम पूछा उसने अपना नाम राजेश भाजीपाले ग्राम डुडवा निवासी बताया। तभी यह व्यक्ति शैलेंद्र चंद्राकर को बोलने लगा कि तुम मेरा नाम पूछने वाला कौन होते हो यह कहकर वह उसे अश्लील गालियां देने लगा। र विवाद होते देख कंडक्टर प्रदीप उर्फ विक्की इस व्यक्ति को समझाने का प्रयास किया। तभी इस व्यक्ति ने ईट का टुकड़ा उठाकर कंडक्टर प्रदीप उर्फ विक्की को मारा जिससे उसका सिर फट गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव किये जिसके बाद इस व्यक्ति ने दोबारा नाम पूछने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी और फरार हो गया। इसके बाद घायल कंडक्टर प्रदीप उर्फ विक्की का किरनापुर के अस्पताल ले गये जहा उसका इलाज किया गया। किरनापुर पुलिस ने इस मामले में शैलेंद्र चंद्राकर द्वारा की गई रिपोर्ट पर राजेश भाजीपाले ग्राम डुडवा निवासी के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है।

सीईओ अभिषेक सराफ के खिलाफ अधिकारी-कर्मचारी लामबंद, तत्काल हटाने की मांग

3 दिवसीय सामुहिक अवकाश लेकर सीईओ को हटाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन 2 मार्च से बेमियादी हड़ताल की चेतावनी

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की धुरी ग्राम पंचायत,जनपद पंचायत व जिला पंचायत कहलाती है, जहां से विकास कार्य किए जाते है, लेकिन इन दिनों इन संस्थानों के अधिकारी-कर्मचारी अपने ही अधिकारी जिला पंचायत सीईओ के विरोध में एकजुट हो गए है।जिन्होंने शुक्रवार से तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश लेकर हड़ताल शुरु कर दी है। ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व जिला पंचायत में कामकाज ठप हो गए है। इस हड़ताल की खास बात यह भी रही है कि इस विरोध में जनपद पंचायतों के सीईओ भी जिला पंचायत सीईओ के विरोध में शामिल रहे है। यहां हड़ताल के पहले दिन अधिकारी-कर्मचारी स्थानीय मोती तालाब गार्डन में एकजुट हुए और आगामी आंदोलन की रुप रेखा उन्होंने तैयारी की।वही जिला पंचायत सीईओ के विरुद्ध उचित कार्रवाई कर उन्हें तत्काल बालाघाट से हटाने की मांग को लेकर अधिकारी-कर्मचारियो ने मोती उद्यान से कलेक्ट्रेट कार्यालय तक रैली निकालकर ज्ञापन भी सौपा है। जिसमें उन्होंने मांग पूरी न होने पर यह आंदोलन आगे भी जारी रखने की चेतावनी दी है।

इन मांगों को लेकर अधिकारी-कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

प्रदर्शन के दौरान बताया गया कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रतिदिन वीसी शाम 6 बजे से लेकर रात 8 से 9 बजे तक लेते है, एवं वीसी में अधिकारी-कर्मचारियों के साथ अभद्र भाषा का उपयोग करते है। इससे विभाग में पदस्थ महिला एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारियों को कठिनाई होती है। इसलिए वीसी कार्यालयीन समय पर एवं सासाहिक आयोजित की जाए,आकस्मिक अवकाश की स्वीकृति, जिनकी पदस्थापना जहां हो उस अधिकारी के द्वारा की जाए,अनावश्यक रुप से जिला पंचायत में बुलाकर नियम विरुद्ध कार्य करवाने के लिए अधिकारी व कर्मचारियों को बाध्य किया जाता है, वह न किया जाए।वही योजनाओं के दैनिक प्रगति के आधार पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों की वेतन कटोती की जाती है जिसे बंद किया जाए एवं जिन कर्मचारियों का वेतन काटा गया है उन्हें वापस किया जाए,आकस्मिक स्थिति को छोड़कर कार्यालयीन दिवसों में ही समीक्षा बैठकों का आयोजन किया जाए, सर्वप्रथम नियम विपरीत कार्य करवाए जाने के लिए बाध्य किया जाता है, उसके बाद उन्हीं कार्यो का स्वभ्रमण करके उसी प्रकरण में पेशी लगाई जाती है। वही अनावश्यक पंचायतों को परेशान किया जाता है, इसे न किया जाए,सचिव एवं सहायक सचिवों एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारियों के स्थानांतरण पर रोक लगी होने के बावजूद उन्हें स्थान पर कार्य करने के लिए आदेशित किया जाता है, इस पर रोक लगाई जाए,पुराने अपूर्ण प्रधानमंत्री आवासों को पूर्ण किए जाने के लिए अनावश्यक दबाव बनाया जाता है,ऐसा नहीं किया जाए।सीएम हेल्पलाइन बंद कराए जाने के लिए अनावश्यक दबाव बनाया जाता है, साथ ही सीएम हेल्पलाइन में मांग आधारित एवं फोर्स क्लोज के प्रकरणों पर जिला स्तर पर स्पेशल क्लोज किए जाने की कार्रवाई की जाए उन्होंने बताया कि मनरेगा योजना मांग आधारित है,इसमें टारगेट फिक्स कर लेबन नियोजन के लिए अनावश्यक दबाव बनाकर नियम विरुद्ध कार्य करने के लिए बाध्य किया जाता है, इस पर रोक लगाई जाए और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को बालाघाट से तत्काल हटाया जाए।

2 मार्च से किए जाएंगे बड़े आंदोलन

विरोध के प्रथम दिन गायत्री कुमार सारथी अध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी संगठन, सुनिल हिरकने अध्यक्ष, सहायक अभियंता संघ, भीवराम भोयर, अध्यक्ष, जितेन्द्र सेवईवार,मुकेश पालेवार,सुरेश श्रीवास्त्री सहित अन्य ने बताया कि जिले में पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक अराफ के द्वारा पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों के साथ अनावश्यक दबाव बनाकर कार्य करवाया जाता है, एवं दुर्व्यहार किया जाता है। जिससे समस्त कर्मचारी व अधिकारी आहत हो रहे है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार अवगत कराया गया है, लेकिन उनके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं हो रहा है जिसके चलते मजबूरी में सभी कर्मचारी-अधिकारियों ने तीन दिन की सामूहिक अवकाश लेकर यह हड़ताल शुरु की है, इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं होगा तो 2 मार्च से बेमियादी हड़ताल की चेतावनी दी है।

सड़क दुर्घटना में घायल सहेजलाल की मौत

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। किरनापुर थाना अंतर्गत ग्राम पोरटी टोला और भालवा के बीच दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की गोंदिया के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई मृतक सहेजलाल पिता परसराम पांचे 61 वर्ष ग्राम सिंगोड़ी थाना हट्टा निवासी है। दो दिन पहले यह दुर्घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ मोटरसाइकिल में सगाई के कार्यक्रम में जाने निकले थे किरनापुर पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहेजलाल पांचे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते थे। जिनके परिवार में दो बेटे और पत्नी हैं। दो दिन पहले 24 फरवरी को सहेजलाल अपनी पत्नी के साथ मोटरसाइकिल में सगाई के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने रिश्तेदारी गांव जा रहे थे। तभी दोपहर 3 बजे किरनापुर थाना अंतर्गत पोरटीटोला और भालवा बीच नाले के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल में सहेजलाल की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी इस जबरदस्त सड़क दुर्घटना में सहेजलाल गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना की सूचना मिलती ही हट्टा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सहेजलाल और उनकी पत्नी को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सहेजलाल को हायर सेंटर रेफर किया गया था। परिजनों ने उसे गोंदिया की जानकी अस्पताल में भर्ती किए थे जहां उपचार के दौरान 25 फरवरी को 4:00 बजे सहेजलाल की मौत हो गई।। जिसका शव सिंगोड़ी लाया गया। जिसकी रिपोर्ट उनके बेटे भागचंद पांचे ने किरनापुर पुलिस थाना में की थी। 26 फरवरी को किरनापर पुलिस ने सहेजलाल का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। मर्ग जांच उपरांत मोटरसाइकिल चालक के विरुद्ध तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक मोटरसाइकिल चलाकर मृत्यु कारित करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराई, एक की मौत, दो घायल

गोंदिया सिवनी फोरलेन पर हुई सड़क दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र से गुजरने वाले गोंदिया सिवनी फोरलेन पर मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराने से तीन व्यक्ति घायल हो गए। जिनमे गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक पप्पू पिता रामलाल टेम्भरे 35 वर्ष ग्राम धामनगांव थाना रावणवाड़ी जिला गोंदिया निवासी है। बीती रात यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब तीनों व्यक्ति ग्राम कोहकाडिबर से वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अपने घर गोंदिया जा रहे थे। एक घायल हेमराज चौधरी को नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।वही इस दुर्घटना में प्रशांत भोयर 45 वर्ष भगत सिंह वार्ड रामनगर गोंदिया निवासी को मामूली चोट आई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पप्पू टेम्भरे खेती किसानी के अलावा प्राइवेट जॉब भी करता था। जिसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे के अलावा परिवार में अन्य लोग भी है । 26 फरवरी की रात पप्पू टेम्भरे अपने साथी हेमराज चौधरी के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम कोहकाडीबर आये थे। प्रशांत भोयर कार में आया था। ग्राम कोहकाडिबर में शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पप्पू टेम्भरे, हेमराज चौधरी और प्रशांत भोयर तीनों एक ही मोटरसाइकिल में कोहकाडीबर से रात्रि 10:30 बजे करीब अपने घर जाने निकले थे। मोटरसाइकिल हेमराज चौधरी चला रहा था। ग्राम खुरसोडी से कन्नड़गांव के बीच गोंदिया सिवनी फोरलेन पर पहुंचे ही थे कि तभी मोटरसाइकिल फोरलेन के डिवाइडर से टकरा गईम इस सड़क दुर्घटना में तीनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। पप्पू टेम्भरे गंभीर रूप से घायल हो गया था। तीनों को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गये। जहां से गंभीर रूप से घायल पप्पू टेम्भरे को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया था। पप्पू टेम्भरे को बालाघाट नगर के ट्राइपॉड अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर नेउसे मृत घोषित कर दिए। जिसका शव जिला अस्पताल लाया गया। दुर्घटना में घायल हेमराज चौधरी का इलाज ट्राइपॉड हॉस्पिटल में किया जा रहा है इस दुर्घटना में प्रशांत भोयर को मामूली चोटे आई। 27 फरवरी को जिला अस्पताल पुलिस ने पप्पू टेम्भरे का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारत की नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण बालाघाट भिजवा दी गई है।

शराबी बेटे ने पिता पर चलाई तलवार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम हीरापुर में एक व्यक्ति को उसी के बेटे ने सिर में तलवार से मार कर घायल कर दिया। घायल व्यक्ति दिलीप पिता मेहतलाल अर्जुनवार 45 वर्ष जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिलीप अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता है जिसका बेटा दीपक शराब गांजा पीते रहता है। 26 फरवरी की शाम 7:00 बजे दीपक शराब पीकर घर आया और अपनी मां को गाली गलौज कर रहा था। तभी दिलीप ने उसे गाली देने से मना किया। तभी दीपक ने आवेश में आकर अपने पिता दिलीप को हाथभूसे से मारपीट कर सिर में हथियार तलवार से वार दिया जिससे दिलीप का सिर फट गया और खून निकलने लगा था। दिलीप घायल हालत में ही पैदल भरवेली थाना पहुंचा। भरवेली पुलिस ने घायल दिलीप को जिला अस्पताल लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने दिलीप का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेंशपन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

REQUIREMENT

Subject	Requirement	Qualification
English	- 01	Graduation D.Ed, B.Ed
Science	- 01	
Maths	- 01	
SST	- 01	
Computer Operator	- 01	

पता-अनुपमा रॉयल एकेडमी इंग्लिश मीडियम स्कूल
आशा निवास के पीछे वार्ड नं. 02 भटेरा चौकी, बालाघाट (म.प्र)
मो. 9399010324, 9981250403, 9893083276

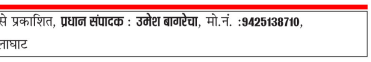

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट